प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- मुझे सर नहीं कहें मैं आपका भाई हूं
- 12

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले-नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश
- 12

ट्रंप बोले- हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो की जाएगी जवाबी कार्रवाई
- 13

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में प्रत्येक विकेट पांच विकेट लेने जैसा लगा: सिराज
- 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
20.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.08
सूर्यास्त 05.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी 10:35 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 56, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

दीपावली पर साजिशकर्ता को उसी की भाषा में मिलेगा जवाब : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने दी कड़ी चेतावनी, उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को दी सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर रंग में भंग डालने वाले साजिशकर्ताओं को दो टूक चेतावनी दे दी है। स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी की भाषा में जवाब मिलेगा और सलाखों के पीछे होगा। मुख्यमंत्री बुधवार को लोक भवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान योगी ने उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को दीपावली की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली के पहले यह प्रदेश के गरीब परिवारों के लिए एक बड़ा उपहार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। वर्ष 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे।

लखनऊ के लोक भवन सभागार में पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्योहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे। कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिलना शुरू हुआ जब देश के प्रधानमंत्री मोदी बने।

2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, सांसद संजय सेठ, बृजलाल, लखनऊ की महापौर समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। सीएम ने सांकेतिक तौर पर जिन नौ महिलाओं के खाते में मंच से सब्सिडी अंतरित की उनमें सोनी, रीता, निशा चौहान, सबीना, सईदा बानो, सारिका यादव, पार्वती, बीना कुमारी, रेशमा खान शामिल रहीं।

बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ तो यमराज टिकट काटेंगे

मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है। अगर किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए खड़ा होगा। यदि किसी को यमराज से टिकट कटवाना हो तो वह किसी राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी करके देख ले। यह हमारी वचनबद्धता है कि हर बेटी, हर व्यापारी, हर राहगीर को सुरक्षा देंगे।

स्वदेशी उत्पाद अपनाएं

योगी ने अपील की कि इस दिवाली पर जो भी खरीदें, वह स्वदेशी हो। हमारे कारीगर, हस्तशिल्पी, स्थानीय उद्यमी जो भी बनाएं, वही खरीदें। हमारे घर में जो दीपक जले, वह हमारे ही कुम्हार द्वारा बना हो। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां हमारे कारीगरों की बनाई हों, विदेश से नहीं। बोले, हमें हर त्योहार पर किसी एक गरीब, बेसहारा या जरूरतमंद बच्चे की मदद करनी चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बेचने-फोड़ने की मिली अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 21 तक के लिए दी स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

दीपावली से पहले बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली और एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उनके इस्तेमाल की अनुमति दे दी। हालांकि, यह अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है, जिनका उद्देश्य परंपराओं का सम्मान करते हुए पर्यावरण और जनस्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना है।

कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हरित पटाखों का उपयोग दीपावली और उससे एक दिन पहले कुछ घंटों तक ही किया जा सकेगा। हालांकि, 18 से 20 अक्टूबर को दिवाली वाले दिन तक हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी। यह भी कहा कि छूट केवल प्रायोगिक आधार पर दी है, यह निर्दिष्ट अवधि के लिए होगी। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त अनुरोध और 2024 में दिल्ली सरकार द्वारा पहले लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के मद्देनजर छूट देने का अनुरोध करने वाले हरित पटाखों के विनिर्माताओं की याचिका को स्वीकार कर लिया। अदालत ने कहा, गंभीर पर्यावरण प्रदूषण के परिणामस्वरूप गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा होते हैं। उसने कहा, पटाखे फोड़ना उत्सव की भावना की अभिव्यक्ति है और यह भारत के सांस्कृतिक परिवेश में अंतर्निहित धार्मिक तथा अन्य शुभ समारोहों में उत्साह बढ़ाता है। सीजेआई ने 21 पन्नों के आदेश में कहा, हालांकि, केवल परंपराओं और सांस्कृतिक या धार्मिक मानदंडों के आधार पर अनियंत्रित उपयोग से स्वास्थ्य को दीर्घकालिक या यहां तक कि अल्पकालिक नुकसान पहुंचाने की स्थिति पैदा नहीं हो सकती है। हम यह दोहराए बिना नहीं रह सकते हैं कि इस न्यायालय ने पहले भी कई बार कहा है कि जब पर्यावरण और स्वास्थ्य की बात आती है तो व्यावसायिक विचारों और उत्सव की भावना को पीछे छोड़ देना चाहिए।

- सीजेआई बोले- नहीं करेंगे पर्यावरण से समझौता संतुलित नीति अपनानी जरूरी

केवल क्यूआर कोड वाले पटाखे ही बेचे जाएं

न्यायालय ने कहा कि पुलिस प्राधिकरण इस बात पर नजर रखने के लिए गश्ती टीमों का गठन करेगा कि केवल क्यूआर कोड वाले पटाखे ही बेचे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के लिए उल्लंघन नोटिस संलग्न किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

महाभारत, चंद्रकांता के स्टार पंकज धीर नहीं रहे

मुंबई। बीआर चोपड़ा के मशहूर धारावाहिक महाभारत में कर्ण और चंद्रकांता में राजा शिवदत्त की भूमिका निभाने के लिए मशहूर टेलीविजन अभिनेता पंकज धीर का कैंसर के चलते 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने बताया, आज सुबह कैंसर के कारण उनका निधन हो गया। पिछले कुछ महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल जाना पड़ा। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले धीर ने 1980 के दशक में अभिनेता के रूप में अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत की थी।

आईआईटी भुवनेश्वर और सेना में करार

भुवनेश्वर। आईआईटी भुवनेश्वर और सेना के सिम्युलेटर विकास प्रभाग (एसडीडी) ने संवर्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर), एआई, रोबोटिक्स और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार पर सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ऑनलाइन माध्यम से एसडीडी, सिकंदराबाद के कमांडेंट ब्रिगेडियर जी एस बेदी और आईआईटी-भुवनेश्वर के डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनकर पासला ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जदयू की पहली लिस्ट जारी 57 उम्मीदवार मैदान में

पटना, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें पार्टी ने अनुभव और सामाजिक संतुलन का ध्यान रखते हुए कई मौजूदा मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं तथा चर्चित चेहरों पर भरोसा जताया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, मदन सहनी, रत्नेश सदा और महेश्वर हजारी के नाम शामिल हैं। पार्टी ने इन सभी मौजूदा मंत्रियों पर भरोसा बरकरार रखा है।

सूची में कई ऐसे नाम भी हैं जो हाल में राजनीतिक रूप से चर्चा में रहे हैं। इनमें पूर्व मंत्री श्याम रजक और बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह प्रमुख हैं। करीब एक वर्ष पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) छोड़कर जद(यू) में वापसी करने वाले श्याम रजक को पार्टी ने टिकट दिया है। मोकामा के बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह को भी जद(यू) ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। सिंह ने मंगलवार को ही नामांकन पत्र दाखिल कर दिया था। जद(यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को महनार सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

पार्टी ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार टिकट वितरण में अधिक सतर्कता बरती है और जीत की संभावना वाले क्षेत्रों पर फोकस किया है। जद(यू) इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि 2020 में उसने 115 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 43 सीटों पर जीत हासिल की थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार सीटों की संख्या से ज्यादा ध्यान उन सीटों पर केंद्रित किया है, जहां जीत की संभावना अधिक मानी जा रही है। राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव

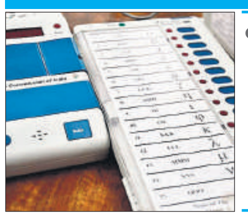

- राजग गठबंधन के तहत 101 सीटों पर लड़ रही है चुनाव

भाजपा ने जारी की दूसरी सूची, गायिका मैथिली ठाकुर को टिकट

नई दिल्ली। भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए बुधवार को 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर सीट से और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा को बक्सर से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अब तक कुल 83 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

सज गई राम की पैड़ी

अयोध्या में राम की पैड़ी पर 18 व 19 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। संगीत और रोशनी से सजे लेज़र शो में प्रभु श्रीराम के जीवन और आदर्शों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से चित्रित किया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार शाम लेजर लाइट का ट्रायल किया गया। ● प्रशांत शेखर

भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए 7वीं बार निर्वाचित

न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है, यह भारत का सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए एक कहा कि भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से शुरू होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने समर्थन देने के लिए प्रतिनिधिमंडलों का सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में आभार व्यक्त किया।

- तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से होगा शुरू

उन्होंने कहा, भारत आज सातवीं बार 2026-28 के कार्यकाल के लिए मानवाधिकार परिषद के लिए चुना गया है। यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में 47 सदस्य देश हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान भौगोलिक वितरण नियमों के तहत तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। भारत 2006 में परिषद के गठन के बाद से लगातार इसका सदस्य रहा है, सिवाय 2011, 2018 और 2025 के।

पूर्व सैनिकों के लिए वित्तीय मदद में 100% वृद्धि को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए कल्याणकारी योजनाएं केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जाती हैं। निराश्रयता अनुदान को प्रति लाभार्थी 4,000 रुपये से दोगुना करके 8,000 प्रति माह कर दिया गया है।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत दी मंजूरी

नशे में छोटे भाई की कीचड़ में डुबोकर ली जान

बिठूर (कानपुर), अमृत विचार: बिठूर थाना क्षेत्र के पारा प्रतापपुर गांव में मंगलवार देर रात नशे में धुत बड़े भाई ने छोटे भाई को सड़क पर फैले कीचड़ में मुंह दबाकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद उसने भागने का प्रयास किया लेकिन मौजूद लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पिता रमाशंकर ने बताया कि उनका बड़ा बेटा कुंदन शराब का लती था। मंगलवार देर रात वह नशे की हालत में घर पहुंचा और अपनी पत्नी सीता के साथ मारपीट करने लगा। पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े का जब वह बीच बचाव करने वह पहुंचे तो कुंदन नें उन्हें भी बुरी तरह से पीट दिया। किसी तरह उससे बच कर वह बाहर आए और गांव वालों को बुलाने के लिए निकल गए। उनका छोटा बेटा विराट (24) भी दोनों के झगड़े को देखकर घर से दूर पेड़ के नीचे चारपाई डालकर सो गया। बाद में कुंदन ने उसे सड़क पर पड़े कीचड़ में पटक दिया और उसका मुंह कीचड़ में दबाए रहा। शोर गुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने विराट को कुंदन से छुड़ाकर कीचड़ से उठाकर चारपाई पर लिटाया लेकिन तब तक विराट की सांसें थम चुकी थीं। कुंदन ने मौके से भागने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी।

- बिठूर थाना क्षेत्र के पारा प्रतापपुर गांव में मंगलवार देर रात वारदात
- नशे में धुत बड़े भाई ने पिता को भी पीटा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवंबर से होगी वन्य जीवों की गणना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: भारत सरकार की ओर से वन्य जीवों की गणना की तैयारी शुरू कर दी गई है। वन्य जीवों की गणना के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच राजामोहन को पूरे प्रदेश का नोडल नियुक्त किया गया है। नवंबर महीने से शुरू हो रही वन्य जीवों की गणना का मुख्य केन्द्र दुधवा टाइगर रिजर्व रहेगा।

वन्य जीवों की गणना के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच राजामोहन को पूरे प्रदेश का नोडल नामित किया गया है। वह दुधवा के साथ ही सोहागी बरूआ, बिजनौर सहित अन्य जिलों में भी मॉनिटरिंग करेंगे। वन्य जीवों की वर्ष 2022 में हुई गणना में 135 बाघ पाए गए थे। अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष पूरे दुधवा टाइगर रिजर्व में 200 बाघ मिलने की संभावना है। वन्य जीवों की गणना के लिए पीलीभीत, दुधवा नेशनल पार्क के मैलानी, संपूर्णानगर रेंज में पहले चरण में ट्रैप कैमरा लगाया जाएगा। दूसरे चरण में दुधवा और किशनपुर के साथ बफरजोन और तीसरे चरण में कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार में ट्रैप कैमरे लगाकर वन्य जीवों की गिनती की जाएगी। कैमरे दो किमी की परिधि में लगाए जाने हैं, जो 45 से 50 दिनों तक वन्य जीवों के मूवमेंट की निगरानी करेंगे। हिरण, गैंडा, हाथी के साथ जंगल के ग्रास लैंड की जानकारी भी जुटाई जाएगी। बाघों की गणना का भी कार्य होगा। दुधवा के वफर जोन के उप निदेशक नवीन खंडेलवाल का कहना है कि वन्य जीव गणना के लिए लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

- गणना के लिए दुधवा के फील्ड डायरेक्टर पूरे प्रदेश के नोडल नियुक्त

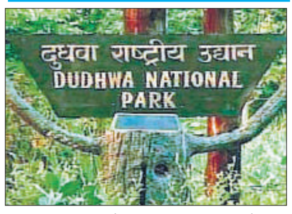

इसलिए गणना जरूरी

दुधवा के फील्ड डायरेक्टर का कहना है कि वन्य जीवों की गणना इसलिए की जाती है ताकि उनके संरक्षण, प्रबंधन और भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण डेटा इकट्ठा किया जा सके। यह गणना हमें वन्यजीवों की वर्तमान स्थिति, उनकी जनसंख्या में हो रहे बदलाव, उनके आवास और संरक्षण के प्रयासों की प्रभावशीलता को समझने में मदद करती है।

सख्ती | सीएम योगी की आम जनता से अपील, संदिग्ध खाद्य सामग्री का इस्तेमाल न करें और सूचना तुरंत विभाग को दें

व्हाट्सएप पर दें मिलावट की सूचना, सरकार लेगी एक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में दीपावली के त्योहार को सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल बनाने के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी ने अपना सख्त रुख दिखाया है। सरकार ने आमजन से अपील की है कि अगर कहीं भी खाद्य पदार्थों में मिलावट, नकली उत्पादों का निर्माण या विक्रय अथवा संगठित रूप से मिलावट का कारोबार होने की जानकारी मिले, तो गुपचुप जानकारी तुरंत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को दें।

इसके लिए विभाग द्वारा विशेष हेल्पलाइन और व्हाट्सएप नंबर जारी किए गए हैं। गोपनीय शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-5533 पर कॉल की जा सकती है। मिलावटी या नकली खाद्य पदार्थ से संबंधित सूचना व्हाट्सएप नंबर 9793429747 पर भेजी जा सकती है। वहीं, अगर किसी को नकली या घटिया दवाइयों के निर्माण या बिक्री की जानकारी मिले, तो उसकी सूचना व्हाट्सएप नंबर 8756128434 पर भेजी जा सकती है। सरकार ने कहा है कि ऐसी शिकायतों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 08 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दीपावली विशेष अभियान के तहत अब तक प्रदेश भर में 4621 निरीक्षण, 2085 छापे और 2853 नमूनों की जांच की। कुल 2993 क्विंटल मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 3.88 करोड़ रु. है। मानव उपभोग के योग्य नहीं होने पर 1155 क्विंटल सामग्री नष्ट की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1.75 करोड़ रु. है। उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत तीन प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं।

- मिलावटी, नुकसानदेह खाद्य सामग्री पर योगी सरकार का बड़ा प्रहार
- 2993 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त, 1155 क्विंटल नष्ट
- उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में दर्ज कराई गईं तीन एफआईआर

टोल प्लाजा और हाईवे पर भी चला अभियान

टोल प्लाजा और हाईवे पर भी अभियान की कार्रवाई में बड़ी जब्तियां शामिल हैं। साहिबाबाद टोल पर 750 किलो पनीर, हापुड़ टोल छिजारसी पर 1500 किलो पनीर, एनएच 34, जीटी रोड कानपुर से 4040 किलो खोया, बाराबंकी टोल से 910 कार्टन मिलावटी मिठाई, और कानपुर पनकी रोड से 2450 किलो खोया नष्ट किया गया।

> त्योहारों पर आम नागरिकों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शीघ्र नष्ट होने वाली सामग्री मौके पर ही जब्त और विनष्ट की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। - **डॉ. रोशन जैकब**, सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन

न्यूज ब्रीफ

रेरा का रियल एस्टेट एजेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के अंतर्गत 22वां रियल एस्टेट एजेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम बुधवार से एनआईईटी कैंपस, ग्रेटर नोएडा में शुरू हुआ। यह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 47 प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जो प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद रेरा के तहत प्रमाणित रियल एस्टेट एजेंट बनेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन रेरा चेयरमैन संजय भूसरेड्डी और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से एजेंट्स को नियामकीय समझ और पेशेवर दक्षता प्राप्त होती है, जिससे उपभोक्ता हितों की रक्षा सशक्त होती है।

2027 चुनाव को लेकर बसपा की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनो कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित बहुजन समाज पार्टी की सफल रैली के बाद पार्टी प्रमुख मायावती ने यूपी स्टेट पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को एक अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक आगामी आगामी पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी की रणनीति को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, मायावती इस बैठक में रैली को सफल बनाने में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करेंगी और उन्हें भविष्य में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देंगी। साथ ही, चुनावी तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को क्षेत्रवार ज़िम्मेदारियां भी सौंपी जा सकती हैं।

चुनाव प्रचार को आज पटना पहुंचेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर कई रैलियां करेंगे।

यह सिलसिला 16 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। योगी गुरुवार को पटना और सहरसा पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के दो प्रत्याशियों का नामांकन कराएंगे। इन्हीं दोनों स्थानों पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। दरअसल, योगी आदित्यनाथ भाजपा के बतौर स्टार प्रचार बिहार की चुनावी रैलियों में शामिल रहेंगे। एनडीए के प्रत्याशी भी भाजपा संगठन से अपने विधानसभा क्षेत्रों में योगी की रैलियों की मांग कर चुके हैं।

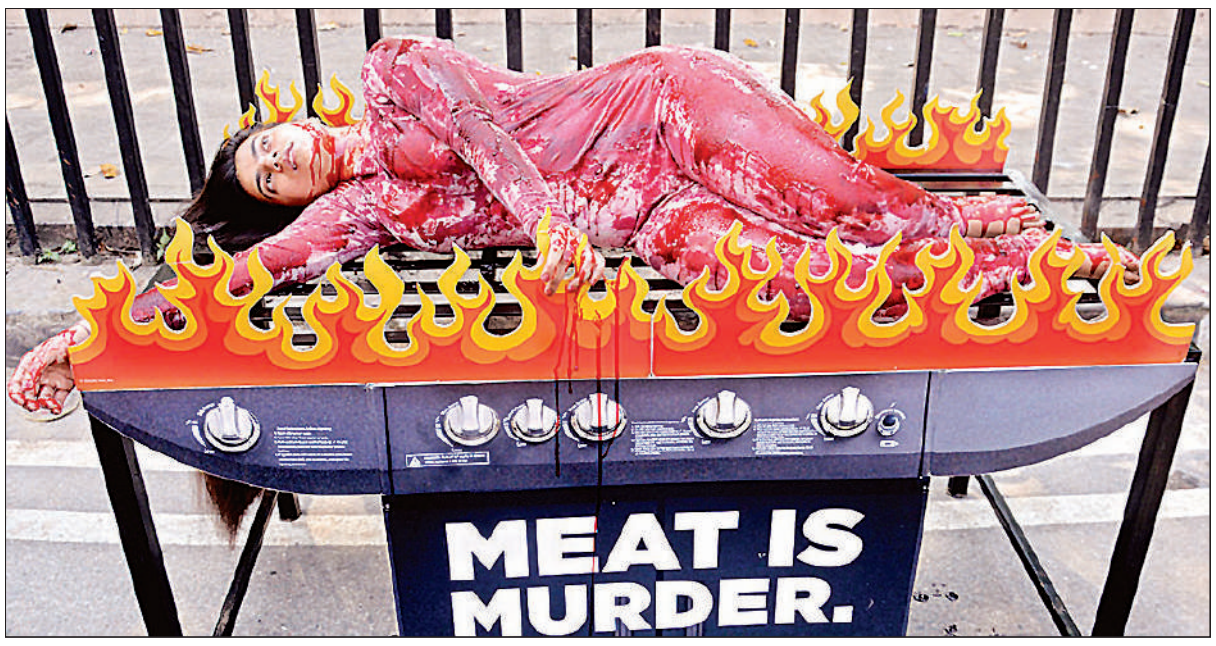

लखनऊ के परिवर्तन चौक पर मांसाहार के खिलाफ कुछ इस तरह लोगों को जागरूक करती पेटा इंडिया की सदस्य। अमृत विचार

सर्किल रेट के नियम होंगे सरल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आमजन अब खुद करा सकेंगे रजिस्ट्री : रवींद्र जायसवाल

अमृत विचार : स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि सर्किल रेट निर्धारण के नियमों को अब सरल किया जा रहा है। अब तक जहां लगभग 40 मानकों के आधार पर सर्किल रेट तय किए जाते थे, वहीं अब उन्हें घटाकर 15 से 20 मानकों तक सीमित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि नियमों के सरलीकरण से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। सर्किल रेट तय करने की प्रक्रिया आसान होने से अब कोई भी नागरिक स्वयं अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री बिना किसी एजेंट या मध्यस्थ के करा सकेगा। उन्होंने

मंत्री रवींद्र जायसवाल

कहा कि लोग विभागीय वेबसाइट पर जाकर अपनी जमीन का सर्किल रेट खुद देख सकेंगे, आवश्यक विवरण दर्ज कर स्लॉट बुक करके रजिस्ट्री स्वयं करा सकेंगे।

जायसवाल ने बताया कि नए मानक लागू होने से सर्किल रेट की असमानता दूर होगी, जिससे पूरे प्रदेश में एक समान और पारदर्शी रियल एस्टेट व्यवस्था सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि अस्पष्ट नियमों के कारण अब तक होने वाली स्टांप चोरी, रजिस्ट्री विवाद और कानूनी मुकदमों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मंत्री ने कहा कि मानकों में इस सरलीकरण के लिए शासनादेश शीघ्र जारी किया जाएगा, जिससे विभागीय स्तर पर इसका क्रियान्वयन शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि लखनऊ के हजरतगंज में मुख्य सड़क और पीछे की गलियों के बीच सर्किल रेट में असमानता है, नए नियमों से ऐसे अंतर खत्म किए जाएंगे।

लगातार गैरहाजिर तीन डॉक्टर होंगे बर्खास्त

उप मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव को कार्रवाई के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को लगातार गैरहाजिर चल रहे तीन डॉक्टरों को बर्खास्त करने के आदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अमित कुमार घोष को दिए हैं। साथ ही लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बर्खास्त चिकित्सकों में आगरा के शमशाबाद (सीएचसी) में तैनात डॉ. वन्दना जैन, श्रावस्ती संयुक्त जिला चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल अग्रवाल, बाराबंकी के जाटा बरौली सीएचसी के डॉ. देवव्रत लगातार गैरहाजिर चल रहे थे।

इसी क्रम में वाराणसी कबीर चौरा जिला महिला चिकित्सालय में 18 अगस्त को गर्भवती रिजवाना को सायंकाल ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह ने बिना डॉक्टरी परीक्षण रेफरल पर्ची तैयार की दी। गर्भवती को एम्बुलेंस व स्ट्रेचर की व्यवस्था भी नहीं कराई। जिस कारण गर्भवती का प्रसव विषम परिस्थितियों में अस्पताल प्रांगण में ही हो गया। लिहाजा प्रसूता की जिंदगी संकट में पड़ गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह को आरोप पत्र देकर निलंबित करने के आदेश दिये हैं। साथ ही महिला चिकित्साधिकारी डॉ. सुमिता गुप्ता द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के दोष में उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश भी दिये गये है। इसके अलावा डॉक्टर व कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण न रखने, ड्यूटी चार्ट, राउंड की व्यवस्था, रोगियों के बेड हेड टिकट पर वाइटल्स की नियमित रिकॉर्डिंग, चिकित्सालय का स्वयं नियमित राउंड न करने के लिए प्रमुख अधीक्षिका को भी दोषी पाया गया है। ऐसे में अस्पताल की प्रमुख अधीक्षिका डॉ. नीना वर्मा के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

चार डॉक्टरों पर विभागीय शिकंजा

अमृत विचार : मिर्जापुर विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त (प्रशासन) डॉ. विश्राम सिंह की पत्नी रमा यादव के इलाज में लापरवाही के आरोप लगे। आरोप हैं कि समय पर ईसीजी जांच नहीं कराई गई। मामले की जांच कराई गई, जिसमें मिर्जापुर चिकित्सालय के तत्समय तैनात चार चिकित्साधिकारी डॉ. विनय कुमार, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. तरुण सिंह जो कि वर्तमान में मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र के अधीन तैनात हैं और डॉ. पंकज पाण्डेय, जो वर्तमान में स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय मिर्जापुर के पल्मोनरी विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्य कर रहे हैं, उनको आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं। तत्समय तैनात संबंधित स्टाफ नर्स सुषमा पाण्डेय, जो कि सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई किये जाने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही अयोध्या स्थित कुमारगंज के 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को बाहर की दवा लिखने व प्राइवेट प्रैक्टिस का मामला सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल की महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. शीला वर्मा व फिजीशियन डॉ. अरविन्द मौर्या को आरोप पत्र देकर अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए हैं।

बिल भुगतान में मिली गड़बड़ी, पेंशन से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिर्जापुर में वर्ष 2022 में तैनात सीएमओ पाए गए दोषी

अमृत विचार : मेरठ के जिला चिकित्सालय में वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ.राजीव दोषी की वेतनवृद्धि रोक दी गयी है। इन्हें यह सजा साल 2022 में मिर्जापुर में तैनाती के दौरान बिलों के भुगतान में गड़बड़ी के आरोप तय होने के बाद दी गयी है। साथ ही उनसे 4,35,000 रुपये की वसूली करने तथा परिनिन्दा का दंड दिया गया है। इसी तरह सेवानिवृत्त हो चुके निदेशक उपचार से हर माह 10 प्रतिशत पेंशन कटौती की जाएगी। यह निर्देश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। रिटायरमेंट के बाद पेंशन से वसूली की जाएगी। मालूम हो कि प्रदेश भर में नर्सों के तबादले में अनियमितताओं में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। मामले की जांच कराई गई। जांच में उस वक्त निदेशक चिकित्सा उपचार पद जिम्मेदारी निभा रहे डॉ. पीएम श्रीवास्तव को दोषी पाया गया। डॉ. पीएम श्रीवास्तव सेवानिवृत्त हो चुके हैं। डॉ. पीएम श्रीवास्तव की पेंशन से तीन साल तक 10 प्रतिशत के हिसाब से कटौती के आदेश दिए गए हैं।

प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में तीन वेतनवृद्धि रोकीं

अमृत विचार : प्रयागराज के राजकीय मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द गुप्ता पर प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप लगे हैं। जांच में आरोप सही पाए गए। लिहाजा उनकी तीन वेतनवृद्धियों को स्थायी रूप से रोक दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को परिनिंदा का दंड देने के आदेश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय में सम्बद्ध देवरिया मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल पर आरोप है कि तैनाती के दौरान 36 पदों पर आउटसोर्स ऑफ मैनपावर आपूर्ति के लिए टेंडर नहीं लिये, बार-बार नवीन निविदा को निरस्त किया गया और पुरानी संस्था के अनुबंध समय को विस्तार दे दिया गया। ऐसे में डॉ. राजेश को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति करते हुए आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए गए हैं। इसी तरह कन्नौज मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश सिंह मर्तोलिया ने भी मेडिकल कॉलेज परिसर में साफ सफाई व अपशिष्ट निस्तारण में बिना औपचारिकताएं पूर्ण किए पुरानी संस्था को विस्तार दिया जाता रहा है, इसलिए आरोप पत्र देकर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

नोएडा समेत देश में बनेंगे 50 विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अगले दशक में भारत में 50 विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे, यह घोषणा उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से राजस्थान के उदयपुर में आयोजित 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन बुधवार को की। उप्र. से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गौतमबुद्ध नगर से जुड़े प्रस्ताव को पेश किया। अवगत कराया कि नोएडा स्थित आईटी सिटी के समीप लगभग 100 एकड़ भूमि पर निजी क्षेत्र के सहयोग से एक वृहद हॉस्पिटैलिटी हब विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

यूपी कैडर के 31 अधिकारी बिहार चुनाव में बने ऑब्जर्वर

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए उत्तर प्रदेश कैडर के 31 अधिकारी गुरुवार को पर्यवेक्षक के रूप में पटना पहुंचेंगे। 16 अक्टूबर को बिहार में रिपोर्ट करने के बाद यहां के गए आईएएस अधिकारी बिहार चुनाव प्रक्रिया की निगरानी, मतदाताओं की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का काम करेंगे। साथ ही अधिकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदान केंद्रों, मतदाता सूची, मतदान सामग्री और अन्य चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

पहले चरण के लिए जिन 16 आईएएस अधिकारियों को बिहार भेजा जा रहा है, उनमें अजय कुमार शुक्ला, बलकार सिंह, चैत्रा वी, ओम प्रकाश, सेल्वा कुमारी जे, अमित सिंह बंसल, भानु चन्द्र गोस्वामी, प्रांजल यादव, उदय भानु त्रिपाठी, अनामिका सिंह, भवानी सिंह खंगारोत, गौरी शंकर प्रियदर्शी, जीएस नवीन कुमार और राज शेखर शामिल हैं। वहीं, दूसरे चरण के चुनाव के लिए भी उत्तर प्रदेश के 15 आईएएस अधिकारियों को बिहार भेजा जाना है। अधिकारियों के दूसरे बैच को 19 अक्टूबर को रिपोर्ट करना है।

छूटे लाभार्थियों को एक माह में दें जीरो पावर्टी की सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एक माह का विशेष अभियान चलाकर जीरो पॉवर्टी अभियान के सभी छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। कहा कि चिन्हित परिवारों के सीएम अथवा पीएम आवास योजना के अंतर्गत आवेदन हो जाएं। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लाभार्थियों के पूरे परिवार का राशन कार्ड में नामांकन हो।

मुख्य सचिव ने बुधवार को लोकभवन में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में सात प्राथमिकता वाली योजनाओं (राशन कार्ड, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, पीएम किसान सम्मान निधि, आवास योजना तथा पीएम जन आरोग्य योजना) के माध्यम से चिन्हित शत-प्रतिशत परिवारों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को प्राप्त करने और प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी अनाथ बच्चों को बाल सेवा योजना में नामांकित किया जाए, जिससे उन्हें योजना का लाभ मिल सके। परिवार के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित हो।

बोगस कंपनी से करोड़ों की कर चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गुजरात व भदोही के व्यापारियों ने जाली बिजली बिल लगाकर कराई थी फर्म रजिस्टर्ड, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : राज्यकर विभाग ने फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों की टैक्स चोरी करने वाले दो व्यापारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुजरात और भदोही के व्यापारियों ने जाली बिजली बिल लगाकर फर्म पंजीकृत की और सरकार को लगभग 30 करोड़ रुपये की चपत लगाई।

सहायक आयुक्त राज्यकर गौरव कुमार राजपूत ने विकासनगर थाने में एसएसके ट्रेडिंग और अनिल ट्रेडर्स के मालिकों के खिलाफ एफआईआर कराई। जांच में सामने आया कि दोनों फर्मों ने फर्जी दस्तावेजों पर पंजीकरण कराकर भारी कारोबार दिखाया और जीएसटी रिटर्न में टैक्स चोरी की। एसएसके ट्रेडिंग का पंजीकरण विकासनगर सेक्टर-13 में कराया गया था। फर्म का स्वामी गुजरात के अहमदाबाद निवासी भरत भाई सोलंकी है। 4 अक्टूबर 2024 को पंजीकृत इस फर्म ने स्क्रैप कारोबार के नाम पर 15,11,72,96,600 रुपये का कारोबार दिखाया और करीब 20.55 करोड़ रुपये टैक्स की चोरी की। जांच में फर्म का कोई अस्तित्व नहीं मिला।

इसी तरह विकासनगर सेक्टर-5 स्थित अनिल ट्रेडर्स के मालिक अनिल कुमार उपाध्याय निवासी भदोही ने कपड़ों का कारोबार दिखाकर 56,89,68,297 रुपये का फर्जी लेनदेन कर 8.98 करोड़ रुपये टैक्स चोरी की। यह फर्म भी मौके पर नहीं मिली। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी गई है। राज्यकर विभाग ने कहा कि फर्जी पंजीकरण कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली पर जगमग होंगे दिव्यांगजन के हुनर

अमृत विचार, लखनऊ : इस दीपावली पर प्रदेश के सभी मंडलों में 16-17 अक्टूबर को 'दिव्य दीपावली मेला-2025' का आयोजन होगा, जिसमें दिव्यांगजन द्वारा निर्मित उत्पादों की भव्य प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

राज्य सरकार की यह पहल न केवल 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को साकार करने से साथ-साथ दिव्यांगजन को आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान का नया मंच भी प्रदान करेगी। मिट्टी के दीपकों से लेकर कृत्रिम आभूषण और खाद्य सामग्री तक, इन प्रदर्शनियों में दिव्यांगजन का कौशल दीपोत्सव की रौनक को दोगुना करेगा। योगी सरकार दिव्यांगजनों के न केवल आर्थिक विकास पर ध्यान दे रही है, बल्कि सामाजिक समावेशिता को भी प्राथमिकता देती है। इस दीपावली, जब घर-घर दीये जलेंगे तो दिव्यांगजन के हुनर की रोशनी पूरे प्रदेश को नई दिशा देगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा आयोजित इस मेले में हस्तनिर्मित मिट्टी के दीपक, आकर्षक मोमबत्तियां, हथकरघा उत्पाद, घरेलू सजावटी सामान, पूजा सामग्री और अन्य खाद्य सामग्री प्रदर्शित होंगी।

नदियों की सफाई का ढोंग कर रही सरकार

सपा प्रमुख बोले- बिजनेस घरानों को रियल एस्टेट बैंक बनाने की दी गई खुली छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के नौ साल में भाजपा के लोगों ने बड़े पैमाने पर जमीनों पर कब्जा किया। सरकारी जमीनों को बेच लिया है। सरकार ने बड़े-बड़े बिजनेस घरानों को अपना रियल एस्टेट बैंक बनाने (जमीन बढ़ाने) की खुली छूट दी है।

सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए डिजिटल प्लेटफार्म धोखा है। भाजपा सरकार ने नौ साल में इसे क्यों नहीं बनाया। इस सरकार में किसानों को खाद नहीं मिल रही।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

कृषि मंत्री को पता ही नहीं खाद कहां से आती है। खाद के लिए पहले से तैयारी करनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गोमती सफाई को लेकर ढोंग कर रहे हैं। सरकार गोमती सफाई को लेकर सफेद टेबल पर बैठकर काला झूठ बोल रही है। भाजपा सरकार की योजना जमीन पर नहीं सिर्फ अखबारों की हेडलाइन में दिखती है। सपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार ने नदियों की सफाई के लिए एक मॉडल तैयार किया था। जो मॉडल बनाया था, उसी मॉडल से नदियों की सफाई हो सकती है। लेकिन भाजपा सरकार नदियां नहीं, बजट साफ कर रही है।

रिवरफ्रंट पर लगाएंगे केदारनाथ की प्रतिमा

अमृत विचार : पार्टी मुख्यालय के सभागार में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ी संख्या में आए सैंथवार समाज के लोगों का अभिनंदन कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सपा सरकार में उनके साथ न्याय किया जाएगा। राजनीतिक भागीदारी दी जाएगी। गोरखपुर के साथ ही लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट पर केदार नाथ सिंह की प्रतिमा लगाकर उन्हें और सैंथवार समाज को सम्मान दिया जाएगा।

फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, कानून को समय से पीछे ले जाकर नहीं किया जा सकता लागू

वर्ष 2017 से पहले नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध दुष्कर्म नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कहा, माता-पिता की गवाही से यह सिद्ध नहीं होता कि अपीलकर्ता ने लड़की को बहकाया

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 वर्षों से लंबित वैवाहिक दुष्कर्म के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने 15 वर्ष से अधिक आयु की नाबालिग पत्नी के साथ शादी के बाद शारीरिक संबंध बनाए हों, तो उसे सिर्फ 2017 के सुप्रीम कोर्ट के 'इंडिपेंडेंट थॉट' फैसले के बाद ही अपराध माना जा सकता है, उससे पहले नहीं। वर्ष 2017 के इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 375 (बलात्कार) के अपवाद 2 को संशोधित करते हुए निर्धारित किया कि पत्नी की आयु 18 वर्ष या अधिक होनी चाहिए, तभी वैवाहिक संबंध वैध माने जाएंगे। जबकि पहले की कानून व्यवस्था के अनुसार 15 वर्ष से अधिक आयु की पत्नी के साथ यौन संबंध बलात्कार नहीं माना जाता था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह संशोधन भविष्य में लागू होगा, पुराने मामलों पर नहीं। इस आधार पर कोर्ट ने माना कि वर्ष 2005 की घटना पर इसे लागू नहीं किया जा

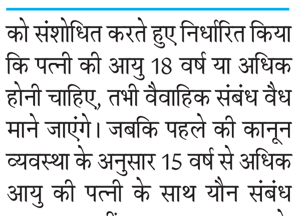

सकता है। अतः वर्तमान मामले में वर्ष 2007 में पारित दोषसिद्धि आदेश को रद्द कर दिया गया।

मामले के अनुसार, अपीलकर्ता का कहना था कि लड़की के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया और शादी कर शारीरिक संबंध बनाया। निचली अदालत ने माना था कि दोनों ने निकाह किया और एक महीने तक पति-पत्नी की तरह रहे। फिर भी अपीलकर्ता को लड़की के नाबालिग होने के आधार पर आईपीसी की धारा 363, 366 और 376 के तहत सजा दी गई। इस्लाम उर्फ पलटू की अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अनिल कुमार-दशम की एकल पीठ ने पाया कि माता-पिता की गवाही या अन्य साक्ष्यों से यह सिद्ध नहीं होता कि अपीलकर्ता ने लड़की को बहकाया या जबरन ले गया। लड़की ने स्वयं कहा कि युवक के साथ वह स्वेच्छा से गई और कहीं भी धोखे या हेरफेर का संकेत नहीं है। अभियोजन पक्ष धारा 363 के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए अभियुक्त की सक्रिय भूमिका या ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। इसलिए धारा 363 और 366 के तहत अपराध नहीं बनता। नाबालिग पत्नी से संबंध और बाल विवाह के मुद्दे पर कोर्ट ने स्वीकार किया कि मुस्लिम कानून में विवाह की न्यूनतम आयु 15 वर्ष है, जबकि बाल विवाह निषेध अधिनियम में 18 वर्ष। प्रश्न यह था कि कौन सा कानून प्रभावी होगा। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इंडिपेंडेंट थॉट फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आईपीसी और पॉक्सो में बलात्कार की परिभाषा लगभग समान है। पॉक्सो अधिक व्यापक है और धारा 42-ए के अनुसार पॉक्सो अन्य कानूनों (आईपीसी सहित) को असंगति की सीमा तक निरस्त करता है।

बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी और टीएमएल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी में जूनियर वर्ग से 17 और सीनियर वर्ग में 14 मॉडल प्रदर्शित किए गए। टीएमएल प्रतियोगिता में 10 विषयों में 41 टीएमएल प्रस्तुत किए गए।

जेडी डॉ. प्रदीप कुमार और डीडीआर रेखा दिवाकर ने सभी मॉडल और टीएमएल का निरीक्षण किया और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रतिभा तलाशने और तराशने का सशक्त माध्यम हैं।

मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार और ब्राइटलैंड स्कूल के निदेशक रीना मानस व रचित मानस ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विजेता परिणाम

- सीनियर वर्ग : प्रथम – अमन मंसूरी (श्री बरखण्डी वीका, शिवगढ़, रायबरेली), द्वितीय – आर्यन कुमार व ईशान मिश्रा (संपर्कित), विषय – सूचना संचार।
- जूनियर वर्ग : प्रथम – आराध्य गिरी (पं. दीनदयाल उपा साविमा ईका, लखीमपुर खीरी), द्वितीय – अभिषेक कुमार (कृषक इण्टर कॉलेज, महोली, सीतापुर)।
- **टीएमएल वर्ग** : भौतिक विज्ञान– रिफ्लेक्शन टीआईआर मैग्नेटिज्म – अनिल कुमार पाण्डेय, डीह, रायबरेली, **रसायन विज्ञान :** वीएसईपीआर सिद्धांत – सैयद मोहम्मद एजाज, लखीमपुर खीरी, **जीव विज्ञान :** कोशिका – दीप्ति विश्वकर्मा, लखनऊ, **गणित :** त्रिकोणमिति का परिचय – आशीष कुमार यादव, लखीमपुर, **नागरिक शास्त्र :** मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य – डॉ. सुषमा त्रिपाठी, लखनऊ, **अंग्रेजी :** ए लेटर टू गॉड लिटरेचर – हुमा परवीन, रायबरेली, **हिंदी :** गद्य, पद्य, व्याकरण – कुसुम देवी, लखीमपुर, **अर्थशास्त्र :** मुद्रा और साख – दुर्गा प्रसाद, लखीमपुर, **भूगोल :** खनिज संसाधन – सुचित्रा कुशवाहा, रायबरेली

न्यूज ब्रीफ

आज सुबह से शाम तक नहीं रहेगी बत्ती

रसूलाबाद। गुरुवार को रसूलाबाद ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र में ट्रांसफारमर की स्थापना का कार्य एवं स्विच यार्ड मेंटेनेंस का काम प्रस्तावित किया गया है। इसके चलते 16 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 6बजे तक रसूलाबाद ग्रामीण विद्युत उप केंद्र से जुड़े समस्त क्षेत्र की आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी एसडीओ विद्युत शहादत सलीम ने दी है।

खाद्य टीम ने दूध और खोवा को नष्ट कराया

रसूलाबाद। खाद्य विभाग की टीम ने क्षेत्र के टाड़ापुर में अजय सिंह यादव के यहां छापेमारी कर दो नमूने भरे। इनमें एक खोवा और एक रिफाइंड पाम आयल का है। अजय सिंह यादव के यहां से ढाई कुंतल मिलावटी खोवा और डेढ़ क्विंटल दूध भी नष्ट कराया गया। उधर, जूड़ा निवादा गांव में खाद्य विभाग टीम ने छापेमारी के दौरान ढाई क्विंटल मिलावटी खोवा और डेढ़ क्विंटल दूध नष्ट करवाया गया।

पांचवीं की छात्रा से रेप करने वाला धरा गया

रसूलाबाद। पुलिस ने पांचवी की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। मंगलवार दोपहर पड़ोसी के यहां फ्रिज से पानी मांगने गई कक्षा 5 की छात्रा के साथ रिश्ते के भाई अजय कुमार ने कमरे में बंद कर दुष्कर्म किया था। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो के तहत रिपोर्ट दर्ज कर छात्रा को चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा था। विवेचक अपराध निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, उसे गुरुवार को जेल भेजा जाएगा।

जिले में 470 जोड़ों के विवाह का मिला लक्ष्य

कानपुर देहात। जिला समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 470 जोड़ों का विवाह कराने का लक्ष्य है। वैवाहिक कार्यक्रम अगले माह से प्रस्तावित हैं। इसमें सभी ब्लाकों और नगर निकायों के पात्रों को सम्मिलित किया जाएगा। प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये खर्च होंगे। 25 हजार की सामग्री उपहार स्वरूप दी जाएगी और 15 हजार कार्यक्रम पर व्यय किए जाएंगे। शेष धनराशि कन्या के खाते में भेजी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

स्वदेशी मेले में पहुंचे मंत्री राकेश सचान

कानपुर देहात। पुखरायां के बस स्टैंड पर लगे स्वदेशी मेले में बुधवार को कैबिनेट मंत्री राकेश सचान पहुंचे। उन्होंने स्टॉल देखे। विधायक पूनम संखवार व भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान भी मेले में पहुंचीं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित नि:शुल्क विद्युत चालित चाक के 41 लाभार्थियों को चाक वितरित किए गए। कार्यक्रम में आए आगंतुकों व सहभागियों को उद्योग की स्थापना किए जाने हेतु कैबिनेट मंत्री द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

वायरल वीडियो की पुलिस से शिकायत

रसूलाबाद। क्षेत्र के ढकपुरवा गांव में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर का अपमान करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। मामले में बाबा साहब के अनुयायियों ने पुलिस में सामूहिक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता रतिंद कुमार, गीता, अभिषेक, ज्योति देवी, सूरज कुमार, सत्येंद कुमार, अनुज कुमार, सचिन कुमार, मोहित, मदन सिंह, राजन कुमार, अभिषेक, रजनीश कुमार आदि ने बताया कि गांव के पिंटू सिंह के नाबालिग पुत्र प्रांशु की फेसबुक आईडी पर डॉ. अंबेडकर की तस्वीर को अपमानित करने और अनुसूचित समाज की भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से वीडियो अपलोड किया गया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई का भरोसा दिया है।

आजाद नगर में हुआ दफ्तर का उद्घाटन

रसूलाबाद। कस्बे के आजाद नगर में समाजसेवी गोपाल गुप्ता ने सभासद कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के करीब आधा सैकड़ा लोगों ने अपने बैंक खाते खुलवाए। आधारकार्ड डेटाबेस पर विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों को पीएफएमएस के जरिए सीधे लाभ मिलेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से मुबीन राईन, सतीश राठौर, सफी मंसूरी, अनीस चिश्ती, अकरम वारसी, शाहरुख मंसूरी, शुभम गुप्ता, सहवान आलम, शरीफ राईन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

लक्ष्मण-परशुराम संवाद में गूंजे जयकारे

- मुंगीसापुर में श्री आदर्श रामलीला समिति के बैनर तले हुई लीला
- कलाकारों का अभिनय देख रात भर जुटी रही दर्शकों की भीड़

संवाददाता, मुंगीसापुर

अमृत विचारः श्री आदर्श रामलीला समिति की ओर से मंगलवार रात कस्बे में धनुष भंग लीला हुई। लीला का शुभारंभ ग्राम प्रधान अनवार मंसूरी, भडपुरा प्रधान प्रतिनिधि आलोक कटियार व सहाबापुर प्रधान नीलू कटियार ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद लीला में दर्शकों को कलाकारों का उम्दा अभिनय देखने को मिला। तालियां बजा कलाकारों का उत्साह वर्धन किया।

लीला में दिखाया कि सीता स्वयंवर के दौरान भगवान राम ने शिव का धनुष तोड़ दिया। शिव धनुष तोड़े जाने पर स्वयंवर स्थल पहुंचे परशुराम राजा जनक से धनुष तोड़ने वाले का नाम पूछते हुए क्रोधित होने लगे। परशुराम का गुस्सा देखकर राजा जनक उत्तर देने का साहस नहीं जुटा सके। तब परशुराम जी ने स्वयंवर में मौजूद कई देशों के राजाओं को देखकर कहा कि धनुष तोड़ने वाला राजा समाज से अलग होकर बाहर आ जाए, नहीं तो सभी राजा मारे जाएंगे। परशुराम जी का गुस्सा देखकर लक्ष्मण ने कहा कि बचपन में मैंने तमाम धनुष तोड़े, लेकिन कभी किसी ने इतना गुस्सा नहीं दिखाया। इस धनुष को तोड़ने पर इतना गुस्सा क्यों दिखा रहे हो। लक्ष्मण की बात सुनकर गुस्से में तिलमिलाए परशुराम फरसा लेकर लक्ष्मण को मारने दौड़ते हैं। राम परशुराम जी से अनुनय-विनय कर लक्ष्मण को बचाते हैं। इस दौरान परशुराम व लक्ष्मण के बीच कई चुटीले संवाद हुए। संवाद को सुनकर सभी बैठे दर्शक वह मनमुंग्ध हुए। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष अरविंद कटियार, संजय गुप्ता, नीरज कटियार, रामकिशन राठौर, अनु माथुर, डेविड कटियार, बबलू कटियार, लोकेंद्र चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण की आरती उतारते आयोजक। अमृत विचार

राम जन्म के साथ धनतेरस महोत्सव शुरू

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः तिश्ती में धनतेरस महोत्सव के रूप में आदर्श श्री रामलीला समिति के द्वारा पंचदिवसीय रामलीला का प्रारंभ बीती रात नारद मोह ,राम जन्म, अहिल्या उद्धार व ताड़का वध लीला के मंचन के साथ हुआ। लीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिठूर के संत डॉक्टर अवध किशोर जी महाराज के द्वारा करवाया गया।

उन्होंने भगवान राम के आदर्शों को आत्मसात करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। प्रथम दिवस की लीला नारद मोह से प्रारंभ हुई जिसमें नारद जी को काम पर विजय प्राप्त कर लेने का अभिमान हो गया। भगवान अपने भक्त का अहंकार नहीं देख सकते इसलिए उन्होंने माया नगरी का निर्माण कर उसमें स्वयंवर का आयोजन किया। भगवान की माया से ग्रसित नारद जी भी उस स्वयंवर में विवाह करने के लिए गए और भगवान से रूप मांगा। भगवान ने उन्हें वानर का रूप दे दिया। जिसे वह समझ नहीं सके और स्वयं माया रुपिणी मोहिनी को वरण करके ले गए। शिव के गणों द्वारा नारद का उपहास करने पर उन्होंने उन्हें असुर हो जाने का श्राप दिया और स्वयं अपने रूप को सरोवर में देखकर भगवान को भी पत्नी वियोग एवं इसी वानर रूप धारी लोगों की सहायता से पत्नी की प्राप्त का श्राप दिया।

दशरथ द्वारा पूर्व जन्म में की गई तपस्या के फल स्वरूप उनके घर भगवान राम अपने भाइयों सहित अवतरित हुए। भगवान राम के किशोरावस्था में होने पर विश्वामित्र अपने यज्ञ की रक्षा के लिए राम और लक्ष्मण को दशरथ से मांगने आए। पुत्र मोह में दशरथ ने विश्वामित्र से अन्य कुछ मांग लेने के लिए कहा तब वशिष्ठ जी के द्वारा समझाने पर उन्होंने अपने दो पुत्र राम लक्ष्मण को उन्हें सौंप दिया। जिन्होंने रास्ते में ताड़का का वध किया।

इसी दौरान जनक की ओर से धनुष यज्ञ के माध्यम से स्वयंवर की घोषणा पर विश्वामित्र राम लक्ष्मण को लेकर जनकपुरी गए। रास्ते में पत्थर की बनी अहिल्या का प्रभु राम ने उद्धार किया। यहां रामलीला सेवा समिति के संस्थापक एवं प्रबंधक वाचस्पति शास्त्री, अध्यक्ष रामौतार पांडेय, कोषाध्यक्ष मीनू मिश्रा, संयोजक सपन शुक्ला, अखिलेश पाठक, जगदेव कुरील, जैल सिंह, प्रभात गुप्ता, अनिरुद्ध पाठक, पप्पू दुबे, मानसिंह गौर, कल्लू तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

नारद मोह की लीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

जिले में नि:शुल्क बोरिंग की जांच से सांसद संतुष्ट नहीं

नए रोडवेज बस अड्डे की उपयोगिता पर भी उठाए सवाल, बोले-बसें तो ठहरती ही नहीं

- खाद की कालाबाजारी, वाहनों की ओवरलोडिंग पर जताई नाराजगी
- बैठक से नदारद तीन एक्सईएन पर कार्रवाई के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः माती जिला पंचायत सभागार में बुधवार को अध्यक्ष नीरजरानी की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें सांसद देवेंद्र सिंह भोले का सख्त रुख दिखा। उन्होंने नि:शुल्क बोरिंग की जांच में सवाल उठाते हुए सीडीओ को पुनः जांच कराने और खाद की कालाबाजारी व वाहनों में ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अकबरपुर में नया बस अड्डा बना है, मगर बसें ठहरती नहीं, अधिकारी इस पर विशेष ध्यान दें। बैठक के दौरान कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

बैठक की शुरुआत पिछली बैठक की कार्ययोजना की समीक्षा से हुई। नलकूप विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने नि:शुल्क बोरिंग कार्यों की जांच रिपोर्ट पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने शासन को भेजे गए डीओ के अनुरूप सीडीओ को पुनः जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला कृषि अधिकारी को खाद की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर सख्त नियंत्रण रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने एआरसीएस को रूरवाहार और रूरा के सचिव की शिकायतों पर तत्काल हटाने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। ओवरलोड वाहनों के कारण रूरा पुलिया पर समस्या का उल्लेख करते हुए सीओ सदर व एआरटीओ को ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हेलमेट न पहनने वाले युवकों को रोका जाए और अभिभावकों को बुलाकर समझाया जाए। पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि सड़कों का निर्माण शीघ्र कराया जाए और जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को फौरन शासन तक भेजा जाए। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंताओं के नदारद रहने पर नाराजगी जताते हुए सांसद ने रनियां, पुखरायां एवं रसूलाबाद के अधिशासी अभियंताओं पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑटो चालकों की मनमानी दरों पर अंकुश लगाने तथा दर निर्धारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। खनन अधिकारी को सिकंदरा एवं भोगनीपुर क्षेत्र की डंपिंग साइट्स की जानकारी उपलब्ध कराने और निरीक्षण करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग व ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को सड़कों के उद्घाटन के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने और उनके नाम शिलापट्ट पर अंकित करने के निर्देश दिए गए।

जिला पंचायत की बैठक में मौजूद सांसद और अध्यक्ष। अमृत विचार

2.20 लाख घरों को मिलेगी नि:शुल्क गैस

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन लखनऊ में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए सब्सिडी की घोषणा का कलेक्ट्रेट में लाइव टेलीकास्ट हुआ।

सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने गरीबों के लिए दीपावली त्योहार का तोहफा बताया। बताया गया कि जिले में 2.20 लाख लाभार्थियों को सब्सिडी का लाभ मिलेगा। लाभार्थियों को प्रथम चरण में माह अक्टूबर से दिसंबर 2025 और द्वितीय चरण में जनवरी से मार्च 2026 तक मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा। सांसद ने कहा कि बहुत से गरीब पैसे के अभाव में सिलेंडर नहीं भरवा पाते हैं और चूल्हे का प्रयोग करते हैं। चूल्हे के धुएं से जहां आंखों में समस्या आती है, वहीं अनेक प्रकार की बीमारियां भी होती हैं। सांसद ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी चेक प्रदान कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में डीएम कपिल सिंह, सीडीओ लक्ष्मी एन. के साथ उज्जवला योजना के लाभार्थी रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री के लखनऊ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया।

मुठभेड़ में पुलिस के हत्थे चढ़ा चेन स्नेचर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः सिकंदरा थाना क्षेत्र में मंगलवार रात वाहनों की चेकिंग के दौरान एक युवक पुलिस को देखकर भागा। शक होने पर पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने फायर झोंक दिया। जवाब में पुलिस की गोली पांव में लगने से गिर पड़ा, जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि वह चेन स्नेचर है। उसके खिलाफ कई मुकदमे विचाराधीन हैं।

पुलिस के मुताबिक संदलपुर रोड पर सिकंदरा पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की रूटीन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर एक युवक आया। उसके हाव-भाव देख पुलिस की टीम ने चेकिंग के लिए उसे रोकने का प्रयास किया तो युवक मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगा। भागने की जल्दबाजी में उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई। इसके बाद उसने पैदल ही भागना शुरू कर दिया। पुलिस टीम के पीछा किए जाने पर युवक ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने भी फायरिंग की। गोली युवक के बाएं पैर में जा धंसी। वह वहीं गिर गया। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में युवक द्वारा अपना नाम संजय वर्मा पुत्र सूरज प्रसाद वर्मा उम्र करीब 35 वर्ष निवासी घाटमपुर कानपुर नगर बताया। बताया कि वह चैन स्नैचर है। 13 अक्टूबर को भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में चेन लूटी थी। पकड़े जाने के डर से पुलिस को देख भागा। तलाशी में उसके पास से अवैध तमंचा और कारतूस सहित लूटी गई चेन का हिस्सा बरामद किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में जख्मी चेन लुटेरा।

अन्याय सहें नहीं, साहस दिखाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत बुधवार को मैथा ब्लॉक के बैरी असई और अकबरपुर ब्लॉक के बलेथा में महिला शक्ति चौपाल लगीं, जिनमें महिलाओं से अन्याय सहने नहीं, साहस दिखाने का आह्वान किया गया।

चौपाल में क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश सरकार में मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने केंद्र एवं राज्य सरकार की कन्या सुमंगला योजना, उज्ज्वला योजना, मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा अभियान के बारे में बताया। कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को सिर्फ सुरक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे किसी भी हिंसा, छेड़छाड़, सोशल मीडिया उत्पीड़न या साइबर अपराध में चुप न रहें, बल्कि हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112 की मदद लें। उन्होंने महिलाओं की समस्या भी सुनी और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर बेटी और हर महिला बिना भय के अपनी पहचान बना सके।

कार्यक्रम में कमल शुक्ला, संजय सिंह चंदेल, बीडीओ मैथा संजू सिंह, बीडीओ अकबरपुर प्रदीप कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी सपना सिंह, सीडीपीओ सुमनलता, हरीश राठौर, संजय मिश्रा, ग्राम प्रधान जयपाल, ग्राम प्रधान मान सिंह राजावत, ग्राम प्रधान नीलम, प्रवीर सिंह, राजीव त्रिपाठी, प्रिया यादव, अरुणा देवी, प्रियंका गुप्ता, सोनल देवी, राजबाबू अग्निहोत्री, घनश्याम त्रिवेदी, शेखर तिवारी आदि मौजूद रहे।

उधर, सरियापुर की चौपाल में बीडीओ प्रदीप कुमार, एडीओ कृषि प्रवीर सिंह, एडीओ पंचायत आदित्य कुमार शुक्ल, ग्राम प्रधान के साथ गांव की महिलाएं मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति चौपाल में गांव की महिलाओं ने गौर से सुनीं सुरक्षा की बातें। अमृत विचार

हाईवे पर मिला अधेड़ का शव

पुखरायां। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे के पास एक अधेड़ का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने छानबीन की तो उसकी शिनाख्त हो गई।

विवेकानंद नगर मोड़ के समीप हाईवे के किनारे अधेड़ का शव पड़ा होने की सूचना पर पहुंचे भोगनीपुर कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह ने जांच-पड़ताल की। उसके पास मिले मोबाइल फोन से जब कोतवाल ने काल की तो मंगलपुर थाना क्षेत्र के कलनापुर गांव के रहने हंसराज से बात हुई। हंसराज ने उसकी पहचान अपने भाई देशराज पुत्र राम खिलावन (50) बताया। हंसराज ने बताया कि उसका भाई रामशिलावन उरई से होकर बस से पुखरायां आया हुआ था। यहां वह कैसे पहुंच गया? पता नहीं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिलाएं पहचानें अपनी ताकत: कंचन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। इनका लाभ लेकर महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों की बराबरी कर रही हैं। महिलाओं को अपनी शक्ति पहचाननी होगी। आगे बढ़ने का मौका मिले तो कतई न गंवाएं। यह बात जिले की जानी मानी सामाजिक कार्यकर्ताकंचन मिश्रा ने कही।

अकबरपुर के एक शिक्षण संस्थान में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने पैर पर खड़े हो कर परिवार की जिम्मेदारी में सहयोग करना चाहिए। प्रयास यह हो कि किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े। बालिकाओं की शिक्षा और जागरूकता बहुत आवश्यक है। उनका उत्पीड़न तभी रुक सकता है जब वह खुद डट कर विरोध दर्ज कराएं। भगवान देवात्मा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थापक देवसमाज ने बालिकाओं के हित में उत्कृष्ट कार्य किए। लगभग 133 वर्ष उन्होंने बाल विवाह कुप्रथा को दूर करने को ब्रिटिश शासन को पत्र लिखा था। देर भले लगी मगर उनकी पहल पर कार्रवाई हुई।

देव समाज के बारे में उन्होंने बताया कि उसकी 26 संस्थाओं में से 22 शिक्षा संस्थान उत्तर भारत में संचालित है। प्रबंधक किशन सिंह चौहान ने बताया कि संस्थापक देव समाज श्रीयुत सत्यानंद अग्निहोत्री (1850 -1929) का जन्म अकबरपुर में हुआ था। यहां देव समाज पब्लिक जूनियर हाई स्कूल संचालित है, जहां पढ़ाई के साथ साथ बच्चों की नैतिक शिक्षा पर बल दिया जाता है। साथ ही लड़कियों का शारीरिक मानसिक और नैतिक विकास किया जाता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के महिला सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत देव समाज स्कूल अकबरपुर में महिला जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराया गया। 85 वर्षीय निर्मला पांडे द्वारा बरगद का पौधा रोपित किया गया है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सुभाष शर्मा , मयंक, रेखा गुप्ता, सौम्या अग्निहोत्री, शिवानी मिश्रा,कुमकुम, रजनी, पूनम, प्रियंका, आरती, कामिनी, दीपिका, स्नेहा, किरण, सोनी, रिंकी, अनुपमा, मानसी आदि रहे।

स्कूल में पौधरोपण करतीं महिलाएं।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता — असालतगंज के जनता इंटर कॉलेज में खेलकूद शुरू, खो-खो में तिश्ती की बालिकाओं ने मारी बाजी

फर्राटा दौड़ में मक्का निवादा की रानी ने सबको पछाड़ा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः असालतगंज के जनता इंटर कॉलेज में बुधवार को ब्लाक स्तरीय दो दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता की बीईओ अजब सिंह ने शुरुआत की। प्राथमिक स्तर की 50 मीटर और 100 मीटर दौड़ में मक्का निवादा की रानी सबसे तेज धावक बनीं। वहीं बालक वर्ग की 50 और 100 मीटर की दौड़ में महेरा के विकास ने बाजी मारी। विजेताओं को मेडल पहनाए गए।

ब्लॉक की 15 न्याय पंचायतों के विद्यालयों से आए बच्चों ने मार्चपास्ट किया। प्राथमिक स्तर की प्रतियोगिताओं में 50 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में मक्का निवादा की रानी प्रथम, हीरा निवादा की पायल द्वितीय व ताजपुर की प्रान्शी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर दौड़ बालक वर्ग में महेरा के विकास प्रथम, बिलहा के अमन द्वितीय, परसौरा के हर्षित तृतीय रहे। 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में मक्का निवादा की रानी फर्स्ट , हीरा निवादा की पायल सेकंड और तिश्ती की आशिया थर्ड रही। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में महेरा के विकास प्रथम, अन्ता के आदित्य द्वितीय, कुर्सी के अनुराग तृतीय रहे।

जूनियर स्तर में 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में अन्ता के ऋषि प्रथम, कुर्सी के इरशाद द्वितीय, सिठउमताना के सूरज तृतीय, 100 मीटर दौड़ बालिका में बिलहा की सुनैना प्रथम, मकरंदपुर की कोमल द्वितीय, महेरा की सुधा तृतीय, 400 मीटर दौड़ बालक में बिलहा के अनुज प्रथम, अन्ता के ऋषि द्वितीय, ताजपुर के गोपाल और सिठउमताना के सूरज तृतीय रहे। 400 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में बिलहा की असरीन प्रथम, ताजपुर की सोनम द्वितीय और औरंगपुर गहदेवा की पलक तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद बालक वर्ग में बिलहा के अनुज प्रथम, सिमरामऊ के ओम जी द्वितीय, कुर्सी के इरशाद तृतीय रहे वहीं बालिका वर्ग में बिलहा की सुनैना प्रथम, औरंगपुर गहदेवा की पलक द्वितीय, पूरनपुरवा की गायत्री तृतीय रही। प्राथमिक स्तर के सामूहिक प्रतियोगिता खो - खो बालक वर्ग में बिलहा की टीम ने कड़े मुकाबले में खेड़ा कुर्सी की टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। खो - खो बालिका वर्ग में प्राथमिक स्तर में तिश्ती की टीम ने मांधाता निवादा की टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतियोगिताएं ब्लॉक पीटीआई संतोष कुमार एवं सह ब्लॉक पीटीआई कुलदीप कुमार के नेतृत्व आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के बाद सभी विजेताओं को बीईओ की ओर से प्रमाण पत्र एवं मेडल वितरित किए गए। इस मौके पर मीरा सोनकर, दिव्या शाक्य, शैलेश पाल, मो. शब्बीर ने सुंदर रंगोली बनाई।

मेडल और प्रमाण पत्र के साथ प्रतियोगिता के विजयी बच्चे। अमृत विचार

गोदभराई में फल टोकरी

राष्ट्रीय पोषण माह में बुधवार को राजपुर ब्लाक कार्यालय में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों का अन्नप्राशन हुआ। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य अनुपमा सिंह ने अंजली, डॉली बेगम, प्रियंका, मंजू, रजनी, आराधना, रुबी, प्रेमवती और शबनम को फलों की टोकरी भेंट कर गोदभराई की। 10 बच्चों का अन्नप्राशन कराया। कार्यक्रम में सीडीपीओ आशा पांडेय, चेयरमैन अंशू त्रिपाठी, बीडीओ हर गोविंद गुप्ता, मनोज कुमार, वंदना कटियार, किरन साहू, रजनी, वर्षा सिंह, शैलजा शुक्ला, हूर बानो, मंजू कटियार, सरिता पाल, शालिनी, सभासद पति चांद बाबू, सभासद अजय शुक्ला आदि रहे। • अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मां-बेटे पर कुल्हाड़ी से किया हमला, रिपोर्ट

हमीरपुर। थाना क्षेत्र के चमरखन्ना गांव की रामदेवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि पड़ोसी श्रीपत व उसके पुत्र महेश से खेत की जुताई की बात कहने पर नाराज हो गए। दोनों ने कुल्हाड़ी-डंडा लेकर घर में घुसे और अभद्रता करने लगे। विरोध करने पर घायल कर दिया। पुत्र रवि पर कुल्हाड़ी से वार कर घायल कर दिया। 112 नंबर पुलिस को देख आरोपी भाग गए। पुलिस ने घायल महिला व उसके पुत्र का छानी सीएचसी में मेडिकल कराया। पुलिस ने श्रीपत, महेश का चालान कर दिया।

चार युवकों को दबोच पुलिस के सुपुर्द किया

हमीरपुर। सुमेरपुर क्षेत्र के इंगोहटा गांव के बबलू, सबलू, राजकुमार व अनुज कंजड़ बुधवार सुबह भरसवां गांव में दीवार फांदकर घर में घुस गए। एक किशोरी ने शोर मचाया तो परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से चारों को पकड़ लिया। यूपी 112 पुलिस चारों को हिरासत में लेकर थाना ले आई। थाने में युवकों ने बताया कि विषखापर पकड़ने के लिए मकान के अंदर कूदे थे। एसआई विजय बहादुर ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

हमीरपुर। महोबा के खन्ना क्षेत्र के छिरका निवासी कालीचरन प्रजापति ने तहरीर देकर बताया कि पुत्री भागवती की शादी 8 साल पहले क्षेत्र के रतौली गांव के सुखदेव के साथ की थी। दामाद शराब पीने, जुआं खेलने का आदी है। मंगलवार को बेटी के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। जानकारी मिलने पर वह बेटे के साथ पहुंचे तो दामाद अभद्रता करने लगा। 112 नंबर पर सूचना के बाद पुलिस थाने ले आई। एसआई रवीन्द्र कुमार ने प्रताड़ित करने में चालान कर दिया।

शराब के लिए रुपये न देने पर पत्नी को पीटा

हमीरपुर। सिकंदरपुरा की क्रांति ने बताया कि उसका पति प्रदीप शराब पीकर आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। वह एक दाल मिल में मजदूरी कर बच्चों का गुजारा करती है। बुधवार को पति दाल मिल पहुंचा और शराब पीने के लिए रुपये मांगने लगा। जब उसने रुपये देने से मना किया तो मारपीट करने लगा। कोतवाल ने बताया जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

रंजिश को लेकर परिवार को पीटा

हमीरपुर। बिवांर थाना क्षेत्र के उमरी गांव के बच्चा प्रजापति ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 12 अक्टूबर की रात गांव के धर्मपाल, किशोर, वीरेंद्र व राहुल ने उसे घेर लिया था। उसने अपने परिजनों को बुला लिया और उनके साथ घर आ गया। इसके बाद उन लोगों ने लाठी-डंडा लेकर हमला कर उसे और घर की महिलाओं को बेरहमी से पीटा। तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्नातक मतदाता के लिए करें आवेदन

हमीरपुर। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक विमल कुमार दुबे ने विज्ञप्ति में बताया कि मतदाता बनने के लिए प्रारूप 18 में आवेदन कर सकते हैं। 6 नवंबर तक पदभिहित स्थलों, तहसील या जिला निर्वाचन कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।

कृषि यंत्रों के लिए 29 तक करें आवेदन

हमीरपुर। कृषि यंत्रीकरण योजना में फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेन्टर, हाईटैक हब फॉर कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ड्रोन, फसल अवशेष प्रबंधन के कृषि यंत्र एवं अन्य यंत्रों की बुकिंग विभागीय पोर्टल पर 29 अक्टूबर तक की जाएगी। जो किसान बुकिंग कर चुके हैं, उन्हें पुन: आवेदन करने की आवश्यकता नही है। यह जानकारी उप कृषि निदेशक ने दी।

किसान दिवस में खाद बीज का मामला उठा

हमीरपुर। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र में किसान समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें खाद बीज का मुद्दा छाया रहा। केवीके अध्यक्ष डॉ.राजीव कुमार सिंह की मौजूदगी में सरसई के किसान सतीश पालीवाल ने पशु अस्पताल में डॉक्टर न होने कि शिकायत की। वहीं सहकारी समितियों में डीएपी खाद न होने और दुकानों में महंगे दामों पर डीएपी खाद 1700 रुपये प्रति बोरी बेचे जाने की शिकायत की। किसान समाधान दिवस के मौके पर खंड विकास अधिकारी शिवनारायण कश्यप, इन्द्रेशु कुमार गौतम, सर्वेश, मनीष कुमार, विजय कुमार, अमित जायसवाल, सुरेश कुमार, मृत्युंजय यादव आदि रहे।

17 सालों बाद फिर चालू हुई साधन सहकारी समिति

क्षेत्रीय किसानों में हर्ष का माहौल, अरसे से कर रहे थे इंतजार

संवाददाता घाटमपुर

- 2007 में सचिव के आत्महत्या करने के बाद बंद हो गई थी समिति
- जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष एसडी परिहार ने किया उद्घाटन

अमृत विचार। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के असगहा गांव में 17 साल से बंद साधन सहकारी समिति का एक बार पुनः सहकारी समिति के अध्यक्ष राम जी जादौन के अथक प्रयासों के बाद संचालन शुरू हो गया । जिसका उद्घाटन बुधवार को जिला सहकारी समिति के अध्यक्ष के द्वारा किया गया है। सहकारी समिति दोबारा चालू होने से क्षेत्रीय किसानों में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

17 वर्षों से बंद सहकारी समिति का बुधवार को सहकारी समिति के अध्यक्ष एसडी सिंह परिहार(सहकारी बैंक जिला अध्यक्ष) ने पुनः फीता काटकर कर उद्घाटन किया। बताते चलें कि 2007 में यहां के सचिव के द्वारा आत्महत्या करने के बाद यह समिति 17 सालों से बंद चल रही थी। सहकारी समिति के अध्यक्ष राम जी जादौन के अथक प्रयासों से एक बार पुनः सहकारी समिति चालू हो सकी है।

सहकारी समिति का उद्घाटन करते जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष एसडी परिहार।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें इसके चालू होने से काफी सहूलियत मिलेगी। समिति के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि एसडी सिंह परिहार(सहकारी बैंक जिला अध्यक्ष),सतेंद्र द्विवेदी विशिष्ट अतिथि चंद्रभान सिंह परिहार,राम जी जादौन अध्यक्ष असगहा,शेरभान सिंह सेरू,दीपू द्विवेदी,राजेश मिश्रा, निरंजन प्रजापति, रामगोपाल पासवान, पिंटू परमार, रणबीर सचान, अवधेश अवस्थी ,राजेश अवस्थी,राजेंद्र सचान अध्यक्ष सजेती,दशरथ गुप्ता, हरदेव सचान, पूनम दूबे, कृपा शंकर शुक्ला, प्रतिपाल सिंह, संदीप तिवारी ,राहुल शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर से 42 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद

चौबेपुर। क्षेत्र के फत्तेपुर चौराहा स्थित एक मेडिकल स्टोर पर अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडर की हो रही कालाबाजारी की शिकायत पर बुधवार को जिला आपूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर मौके से 42 घरेलू सिलेंडर बरामद किये। दुकानदार को नोटिस देकर इस बाबत जवाब मांगा गया है।

फत्तेपुर गांव के लोगों द्वारा जिला आपूर्ति विभाग के अधिकारियों से गांव स्थित एक मेडिकल स्टोर पर अवैध रूप से घरेलू सिलेंडर की कालाबाजारी किए जाने की शिकायत की गई थी। इस पर बुधवार को आपूर्ति निरीक्षक शुभ्रा वर्मा व एआरओ ओपी राणा ने टीम के साथ उक्त मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। इस दौरान दुकान से 16 सिलेंडर भरे व 26 खाली सिलेंडर बरामद हुए। आपूर्ति निरीक्षक शुभ्रा वर्मा ने बताया कि दुकान से खाली व भरे 42 सिलेंडर बरामद हुए हैं। दुकानदार को इस बाबत नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। बरामद सिलेंडर पड़ोस के गबड़हा ग्राम प्रधान घसीटे के सुपुर्द किए गए हैं। मामले में जांच के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। अमृत विचार

वकीलों ने भ्रष्टाचार को लेकर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। बुधवार को अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी से मिलने पहुंचा। अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इस पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जल्द ही जांच कराने का आश्वासन दिया।

तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर घाटमपुर बार एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मिलने पहुंचा। अधिवक्ताओं ने तहसील में व्याप्त अनिमितताओ के सम्बन्ध में व सिविल जज जूनियर डिवीजन के बारे में उनको अवगत कराया। इसपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा जल्द निराकरण का भरोसा दिया गया। साथ ही जिला जज कानपुर देहात से सिविल जज के भ्रष्ट आचरण व अनिमियतता के संबंध में जल्द ही स्वयं या अपने अधीनस्थों से जांच कराकर निराकरण का आश्वासन दिया । जिसमें प्रमुख रूप से रमाकांत तिवारी, कुलदीप सिंह परमार, राजेश सिंह यादव (महामंत्री), शरद सिंह बघेल (मंत्री प्रशासन), मुकेश दीक्षित (कोषाध्यक्ष), लवलेश कुमार संखवार ,धर्मेंद्र यादव, योगेंद्र यादव प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

मिट्टी का टीला धंसने से एक महिला की मौत, दूसरी गंभीर

हमीरपुर। दीपावली त्योहार पर घर की लिपाई-पुताई करने के लिए मिट्टी खोदने गई पूर्व प्रधान की विवाहिता भतीजी की मिट्टी का टीला धंसने से मौत हो गई, जबकि उसके साथ गई एक अन्य विवाहिता युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

ब्रह्मा डेरा मोहल्ले के रहने वाले पूर्व प्रधान हरिकेश निषाद की भतीजी सदारानी (32) पत्नी सुनील निषाद अपने मोहल्ले की खुशबू (30) पत्नी फूल कुमार के साथ बुधवार की सुबह करीब छह बजे घर की लिपाई-पुताई करने के लिए डेरा के बाहर मिट्टी खोदने गई थी। मिट्टी खोदते समय अचानक कगार की मिट्टी ढह गई, जिससे सदारानी और खुशबू मिट्टी में दब गईं। अचानक चीख सुनकर आसपास मौजूद लोग दौड़े और मामले की सूचना दोनों के परिवार वालों को दी। परिवार वालों ने लोगों की मदद से दोनों को मलबा से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने सदारानी को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल खुशबू को भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। इस हादसे के बाद सदारानी के परिवार में कोहराम मच गया।

52 क्विंटल मिलावटी खोवा पकड़ा गया

संवाददाता, चौबेपुर

- मरियानी गांव के सामने हाईवे पर गाड़ियों से पकड़ा नकली खोवा
- खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क

अमृत विचार। त्योहारों पर खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। डीएम के निर्देश पर मिलावटखोरों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की कड़ी में बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने विभिन्न जनपदों से आ रहा 52 क्विंटल मिलावटी खोवा पकड़ा। मिलावटी खोवा को मिट्टी में दफनाए जाने के साथ, नमूने जांचको भेजे गए हैं ।

त्योहारों पर खाद्य पदार्थों में होने वाली जबरदस्त मिलावट को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। इधर दीपावली पर्व पर जनपद में दूसरे जिलों से लाये जा रहे मिलावटी खोवा को लेकर डीएम के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में बुधवार को टीमों ने कई स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने हाईवे पर खोवा लेकर जा रही चार गाड़ियों को पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में उक्त खोवा इस्तेमाल के लायक नहीं पाया गया। पकड़ी गई गाड़ियों में दो गाड़ियां कानपुर देहात, एक गाड़ी आगरा व एक गाड़ी फिरोजाबाद की बताई गई। पकड़े गए खोवा के नमूने संग्रह कर 52 क्विंटल खोवा, जिसका मूल्य लगभग 17 लाख 16 हजार को जेसीबी से खुदवाकर मिट्टी में दफना कर नष्ट कराया गया। सहायक आयुक्त खाद्य संजय प्रताप सिंह ने बताया कि पकड़े गए खोवा के नमूनों को जांच के लिए खाद्य सचल प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अब लोगों को बंदरों के आतंक से मिलेगी निजात

घाटमपुर। नगर में बंदरों के आतंक से त्रस्त हो चुके लोगों के लिए राहत की बड़ी खबर है। अब लोगों को बंदरों के भय व आतंक से जल्द ही निजात मिलने वाली है। इसके लिए नगर पालिका ने टेंडर के माध्यम से कंपनी को नियुक्त कर बंदरों को पकड़ने का काम दिया है।

कुछ दिनों पहले अमृत विचार अखबार ने नगर में बंदरों के झुंड बनाकर गलियों में बैठने, राहगीरों को काटने तथा विद्यालय आने जाने में छोटे छोटे बच्चों की परेशानियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके सम्बन्ध में उच्चाधिकारियों द्वारा मामले का संज्ञान लेकर बंदरों को पकड़ने का अभियान नगर में शुरू किया गया है। पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि नगर में बंदरों की वजह से लोगों को होने वाली समस्या व परेशानियों को देखते हुए बंदरों को पकड़ने का कार्य एक कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

रोते रहे पिता व पत्नी, नहीं पसीजा कुंदन का दिल

संवाददाता बिठूर

- शराब के नशे में भाई ने की भाई की हत्या का मामला
- पिता की तहरीर पर आरोपी पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ

अमृत विचार। कुंदन की पत्नी सीता ने बताया की उसके दो बेटी काजल व जाह्नवी और एक बेटा प्रभात है। कुंदन मजदूरी करता था और जो भी पैसा उसे मिलता उसकी वह शराब पी जाता था। शराब पीने से मना करने पर हमेशा मारपीट करता था।

मंगलवार की रात को भी वह शराब के नशे में आया और बातों को लेकर विवाद शुरू हो गया और देखते ही देखते वह मारपीट करने लगा। जब ससुर रामशंकर बचाने आये तो उनके साथ भी मारपीट की। वह किसी तरह अपनी जान बचाते हुए बाहर ग्रामीणों क़ो बुलाने के लिए निकल गए। देवर विराट घर के बाहर नीम के पेड़ के नीचे चारपाई पर सो रहा था। उसे देखकर कुंदन ने उसकी चारपाई पलट दी, जिससे वह गिर गया। उसके बाद कुंदन ने उसे भी पीटना शुरू कर दिया जब वह बचने के लिए उसने भागा तो वह कीचड़ में गिर गया। उसके बाद कुंदन नें उसकी पीठ पर बैठकर उसका मुंह कीचड़ में दबाये रहा। ससुर और मैं विराट को छोड़ने की गुहार लगाती रहीं लेकिन कुंदन का दिल नहीं पसीजा। कुछ ही देर में विराट अचेत हो गया। उधर गांव वालों को आता देख कुंदन ने भागने का प्रयास किया तो गांव के कुछ लोगों नें उसे पकड़ लिया,और विराट को कीचड़ से उठाकर चारपाई पर लिटाया लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी।

घटनास्थल पर जांच-पड़ताल करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

विराट कमल ।

आरोपी कुंदन कमल।

पिता रामशंकर कमल।

बहन व पिता दर्द से उठे कराह

- विराट कि बहन करिश्मा ने बताया कि कुंदन व विराट आये दिन शराब के नशे में उनके साथ गाली गलौज किया करते थे। रो रोकर कह रही थी कि छोटा भाई विराट भगवान के पास चला गया और कुंदन जेल चला गया ऐसे में घर कैसे चलेगा बच्चे कैसे रहेंगे।

मुआयना करने पहुंचे डीसीपी पश्चिम

- घटना के बाद बुधवार की शाम तक घटनास्थल पर पुलिस बनी रही और डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया और परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाया। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी नें बताया की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौक़े पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। परिजनों के अनुसार आरोपी शराब का लती था।

बिठूर में मनाया ग्लोबल हैंडवॉश डे

संवाददाता बिठूर

अमृत विचार। क्षेत्र पंचायत कल्याणपुर में गुरुवार को ग्लोबल हैंडवॉश डे के अवसर पर स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "स्वच्छता ही स्वस्थ समाज की पहचान है। नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की आदत से न केवल संक्रमण से बचाव होता है बल्कि यह एक जिम्मेदार नागरिक होने का प्रतीक भी है।" कार्यक्रम के दौरान "समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश मिशन 2047" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 2047 तक आत्मनिर्भर, शिक्षित और स्वच्छ प्रदेश के रूप में अग्रणी राज्य बनेगा।

हैंडवॉस के दौरान मौजूद ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी। अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से खंड विकास अधिकारी उमेश चंद्र उत्तम, सहायक विकास अधिकारी पंचायत अतुल शुक्ला ,सचिव संजय मिश्रा, राहुल देव मिश्रा ,शालिनी मिश्रा ,अखिलेश त्रिपाठी, नीतू शुक्ला, पुनीत, आसिफा जाफरी आदि रहे।

दलित से मारपीट में आठ पर रिपोर्ट

बिल्हौर। अरौल थाना क्षेत्र में दबंगों द्वारा एक दलित व्यक्ति के साथ मारपीट और जातिसूचक गालियां देने में चार नामजद और चार से पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बुधवार को ग्राम रौगांव निवासी गोविंद कठेरिया ने थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि ग्राम सिघौली निवासी मनोज कटियार, श्यामू, अंकुर और टिन्कू सहित उनके चार-पांच अज्ञात साथियों ने र उनके साथ मारपीट की। न केवल उनके साथ गालीगलौज की, बल्कि उनकी जाति को लेकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग भी किया। विरोध करने पर, उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

जयंती पर मिसाइल मैन को किया याद

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न से सम्मानित और विश्व विख्यात "मिसाइल मैन" डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर तमाम सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव की अध्यक्षता में डॉ एपीजे अब्दुल कालाम की जयंती मनाई गई । इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में शिक्षाविदों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. कलाम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सपा नेता विनय यादव ने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने अद्वितीय ज्ञान, कठोर मेहनत और राष्ट्र के प्रति समर्पण से न केवल भारत को मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि उन्होंने पूरी दुनिया में भारतीय युवा शक्ति की क्षमता और पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने याद दिलाया कि डॉ. कलाम का सपना था कि भारत वर्ष 2020 तक एक विकसित राष्ट्र बने। इस दौरान प्रमुख समाजवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं में राजा राम दोहरे (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), संतोष, संजू पठान, सदाब खान, अनश खान, जग्गलू, शौकत अली, खुशी लाल सविता, बबलू कश्यप, आदि शामिल रहे।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र पर माल्यार्पण करते सपाई। अमृत विचार

आयोजन वैश्विक हैंड वॉशिंग डे पर दिया स्वच्छता का संदेश, कहा हाथ साफ होने से नहीं फैलतीं बीमारियां

एसडीएम ने बच्चों को सिखाए हाथ धोने के तरीके

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। वैश्विक हैंड वॉशिंग दिवस के अवसर पर, पीएम श्री विद्यालय, पूरा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विद्यार्थियों के साथ हैंड वॉशिंग प्रक्रिया में स्वयं सम्मिलित होकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने वहां पर मौजूद बच्चों और बड़ों को हाथ धोने के फायदे और तरीके बताये।

उपजिलाधिकारी ने विद्यार्थियों की स्वच्छता जागरूकता का स्तर जानने के उद्देश्य से उनसे हैंड वॉशिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया के चरणों के बारे में प्रश्न किए। विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक और क्रमवार तरीके से सभी चरणों का सही उत्तर दिया, तत्पश्चात् उन्होंने साबुन से हाथ धोने की विधि का सफल प्रदर्शन भी किया। विद्यार्थियों के इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर, उप जिलाधिकारी ने स्वयं भी उनके साथ इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में भाग लिया। उन्होंने विद्यालय की लाइब्रेरी, आईसीटी कक्ष, स्मार्ट क्लासरूम और शिक्षक कक्षाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर की उत्कृष्ट स्वच्छता, छात्रों के अनुशासन तथा सुव्यवस्थित शिक्षण व्यवस्था की सराहना की। इस अवसर पर, उप जिलाधिकारी ने विद्यालय के लगभग ढाई सौ विद्यार्थियों को एक राष्ट्रीय संकल्प दिलाया। आह्वान किया कि दीपावली के पावन पर्व पर सभी विद्यार्थी 'एक दीपक स्वदेश के नाम' जलाएंगे और भारतीय स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग को प्राथमिकता देंगे।

बच्चों को हैंडवॉश का तरीका बताते अतिथि। अमृत विचार

खेल के मैदान में बच्चों ने दिखाया दमखम

- **बिल्हौर ।** हैंड वाश के समापन से पूर्व उप जिलाधिकारी ने न्याय पंचायत पूरा के खेल मैदान में खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने 100 मीटर बालक दौड़ और 100 मीटर बालिका दौड़ (जूनियर स्तर) की शुरुआत करके नन्हे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे खेल के प्रति बच्चों में नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक आदित्य द्विवेदी, तथा शिक्षकगणों में डॉ. देवनारायण, सुशीला, मोहित कुमार, सुषमा, आशुतोष, गौरी मिश्रा सहित सभी अनुदेशकगण एवं समस्त विद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दीपावली पर मिट्टी के दीयों से जगमगाएंगे सरकारी भवन

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। नगर में एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने पर्यावरण संरक्षण, कुम्हारों की आजीविका सुधारने और सदियों पुरानी परंपरा को जीवित रखने के लिए एक मुहिम शुरू की है। इस दीपावली पर तहसील भवन परिसर मिट्टी के दीपों से रोशन होगा।

उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने की अपील की है। एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने मंगलवार को बताया कि प्लास्टिक उत्पादों और मोमबत्तियों के बढ़ते उपयोग के कारण मिट्टी कला धीरे धीरे विलुप्त हो रही है। इससे कुम्हार समुदाय के लोगों का रोजगार प्रभावित हो रहा है और पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही हमारी पारंपरिक प्रथाएं भी खत्म हो रही हैं। इन समस्याओं को देखते हुए एसडीएम ने एक पहल की है।

उन्होंने कस्बे के पास के एक गांव में 41 कुम्हारों को मिट्टी के लिए भूमि स्थल आवंटित किये हैं। तहसील परिसर को रोशन करने के लिए मिट्टी के दीयों का ऑर्डर भी इन्हीं कुम्हारों को दिया गया है। उन्होंने सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों से भी मिट्टी के दीये जलाने का आग्रह किया है। स्कूल संचालकों से भी बच्चों को प्रेरित करने को कहा गया है।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

सुविचार

व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है, और वो अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है, और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है। - चाणक्य

कानपुर के प्रमुख समाचार

- सीएम ने कई बार कहा फिर भी नहीं सुधारीं सड़कें II
- पार्किंग न होने से कल्याणपुर बाजार से दूर हो रहे खरीदार III
- भ्रम में न रहें, 20 अक्टूबर को ही मनेगी दीपावली IV

रेप केस में भाजपा नेता रवि सतीजा को क्लीन चिट

सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट ने पुलिस की फाइनल रिपोर्ट मंजूर कर ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेप व पॉक्सो एक्ट के फर्जी मुकदमे में फंसाए गए भाजपा नेता रवि सतीजा को सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट ने क्लीन चिट दे दी है। मामले की जांच के बाद पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। मामले में लड़की ने अपने बयान में कहा कि उसने अखिलेश दुबे और उसके साथियों के दबाव में आकर एफआईआर दर्ज कराई थी। कहा कि 4 जनवरी को हम दोनों बहनें भाजपा नेता के होटल नहीं गए थे और न ही हम रवि सतीजा व ध्रुव गुप्ता को जानते हैं। पुलिस ने लड़की की उम्र की जांच कराई थी। जिस पर उसकी उम्र 18 साल से अधिक पाई गई। भाजपा नेता रवि सतीजा के खिलाफ बर्रा थाने में युवती ने रेप व पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग बहन को नौकरी के बहाने रवि सतीजा ने 4 जनवरी 2024 को होटल सोना मेंशन में बुलाया। जहां रवि और

रवि सतीजा।

• पीड़िता बोली- अखिलेश दुबे के कहने पर लिखाई थी रिपोर्ट

उनके साथी ध्रुव गुप्ता ने रेप का प्रयास किया। वह किसी तरह बच कर भाग निकली, । मुकदमा दर्ज होने के बाद मामले ने काफी तूल पकड़ा था। भाजपा नेता ने सीएम योगी आदित्यनाथ व तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से शिकायत की थी। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। करीब दो महीने चली एसआईटी की जांच में पूरा मामला फर्जी निकला था। जांच में सामने आया कि एडवोकेट अखिलेश दुबे ने फर्जी मुकदमा दर्ज कराया और मुकदमे से बचने के एवज में 50 लाख रंगदारी मांगी थी। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अखिलेश दुबे व उसके साथ लवी मिश्रा, शैलेंद्र सिंह उर्फ टोनू समेत अन्य पर बर्रा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और तीनों को जेल भेजा गया था। भाजपा नेता पर मुकदमा दर्ज कराने वाली युवती तक पुलिस पहुंची तो उसने अपने बयानों में कहा कि अखिलेश दुबे के डर से उसने एप्लीकेशन दी थी। वह रवि सतीजा और ध्रुव गुप्ता को नहीं जानती। मुकदमा वादिनी की बहन ने कहा कि उसके साथ कोई भी रेप का प्रयास नहीं हुआ था।

पुलिस ने कोर्ट में बताया कि जांच के दौरान जब वह पीड़िता को होटल लेकर गए तो वह सही घटनास्थल नहीं बता सकी। होटल कर्मचारियों ने अपने बयानों में इस तरह की घटना से इंकार किया था। जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट में फाइनल रिपोर्ट लगाते हुए फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली युवती के खिलाफ कार्रवाई की याचिका सीजेएम कोर्ट में दाखिल की थी। इस पर सीजेएम सूरज मिश्रा ने सुनवाई करते हुए भाजपा नेता रवि सतीजा को क्लीन चिट दी।

कोर्ट में अखिलेश दुबे की 14 दिन की न्यायिक रिमांड मंजूर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही थाने में दर्ज डकैती, मारपीट, जान से मारने की धमकी के मामले के आरोपी अखिलेश दुबे की 14 दिन की न्यायिक रिमांड एसीजेएम–2 ने मंजूर कर ली। अखिलेश दुबे के खिलाफ 31 जनवरी 2011 में कोर्ट के आदेश पर क्लासिक कांटीनेंटल होटल संचालिका प्रज्ञा त्रिवेदी ने एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में अखिलेश दुबे गैंग के अजय निगम के अलावा चार अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने अखिलेश दुबे के प्रभाव में पांच घंटे में मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी।

प्रज्ञा ने बताया था कि अखिलेश दुबे होटल चलाने के नाम पर हर महीने 2 से 3 लाख रुपये की रंगदारी मांग रहा था। इनकार करने पर दुबे ने उन्हें प्रताड़ित कराना शुरू कर दिया। वह होटल

अखिलेश दुबे।

• प्रज्ञा त्रिवेदी ने दर्ज कराई थी डकैती मामले में रिपोर्ट, पांच घंटे में पुलिस ने लगाई थी एफआर

पर कब्जा करना चाहता था। दुबे ने उनके खिलाफ अश्लील किताबें छपवाकर बंटवा दी थीं। प्रज्ञा को शादी के मंडप तक से उठवाने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि अखिलेश दुबे की वजह से उनके पार्टनरों ने होटल छोड़ दिया था। पुलिस विभाग तक अखिलेश दुबे के प्रभाव में था। कोई भी वकील उनका केस लेने को तैयार नहीं था। प्रज्ञा ने बताया था उस समय दुबे का रसूख इतना था कि विवेचक जूही थाने में तैनात रहा दरोगा राजेश कुमार तिवारी ने एफआईआर दर्ज होने के बाद महज पांच घंटे से कम समय में मामले में क्लीनचिट देते हुए केस में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। उन्होंने बताया कि दुबे के खिलाफ कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने जब एक्शन लिया तो न्याय की उम्मीद जगी। वह दोबारा कोर्ट पहुंची और जांच की मांग की, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दोबारा जांच शुरू की। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि मामले में पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा रिमांड की याचिका एसीजेएम–2 की कोर्ट में दाखिल की थी, कोर्ट ने आरोपी की 14 दिन न्यायिक अभिरक्षा मंजूर कर ली।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अनाधिकृत निर्माण को बुलडोजर ने तोड़ दिया। अमृत विचार

रतनलाल नगर में अनाधिकृत निर्माण को तोड़ा

कानपुर। केडीए ने रतनलाल नगर में अनाधिकृत निर्माण को बुलडोजर से तोड़ दिया। स्वीकृत मानचित्र के अलावा भवन में अवैध निर्माण किया गया था।

केडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर हर जोन में अभियान चल रहा है। रतनलाल नगर में परिसर संख्या-130 एमआईजी में सपना अरोड़ा द्वारा अनाधिकृत निर्माण कराया गया था। जिसपर प्रवर्तन जोन-3 द्वारा पूर्व निर्मित परिसर पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी है। इस दौरान प्रभारी अधिकारी अतुल कुमार राय, प्रवर्तन जोन-3, अवर अभियन्ता अटल चतुर्वेदी के साथ ही दस्ते के लोग रहे। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि पूर्व में भू-तल एवं प्रथम तल के अंशिक भाग का निर्माण किया गया था जब स्वीकृत मानचित्र मांगा गया तो भवन स्वामी नहीं दिखा पाए। इस पर कार्रवाई की गई।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटीब्रीफ

ग्रीनपार्क से होगी सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत

कानपुर। सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत ग्रीनपार्क स्टेडियम से 17 अक्टूबर को ग्रीनपार्क से होगी। वॉकथॉन के रूप में सुबह 6.30 बजे से खेल को जन–जन तक पहुंचाने की शुरुआत होगी। सांसद रमेश अवस्थी ने खेल भावना और स्वस्थ समाज के इस उत्सव में शहरवासियों से बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि वॉकथान ग्रीनपार्क से शुरू होगी और नानाराव पार्क फूलबाग में समाप्त होगी।

अभियंत्रण विभाग के कार्यों की समीक्षा

कानपुर। नगर आयुक्त ने देर शाम अभियंत्रण विभाग के चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रगति पर चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा, तकनीकी मानकों एवं गुणवत्तापूर्ण सामग्री के उपयोग के साथ पूरे किए जाएं। मुख्य अभियंता, समस्त अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं अन्य अभियंता अधिकारीगण उपस्थित रहे।

100 बेड के अस्पताल का आज होगा निरीक्षण

कानपुर। भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी गरुवार को नौबस्ता में बन रहे 100 बेड के अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। दोपहर 2 बजे तैयारियों को अंतिम बार देखेंगे और जो कमी है उसे पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करेंगे। महेश त्रिवेदी ने बताया कि अस्पताल को जल्द ही आम लोगों के लिए खोला जाएगा।

18.2 टन पॉलिथीन जब्त की

कानपुर। जीएसटी के सचल दल ने फर्जी बिल पर ले जाई जा रही 18.2 टन पॉलिथीन पकड़ी। टीम ने पॉलिथीन समेत ट्रक को नगर निगम के प्रवर्तन दल के सिपुर्द कर दिया है। ट्रक के साथ मिली बिल्टी फर्जी पाई गई। नगर निगम के प्रवर्तन दल प्रभारी लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक राय ने बताया कि जीएसटी के सचल दल की सूचना पर मौके पर जाकर ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें प्रतिबंधित पॉलिथीन की बड़ी खेप मिली। प्रतिबंधित पॉलिथीन की की कीमत करीब 22 लाख बताई जा रही है। पकड़ा गया ट्रक अलीगढ़ का है। माल को दिल्ली से लोड किया था।

दीपावली पर स्मार्ट सिटी पर धब्बा बना कूड़ा

शर्मनाक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दीपावली से पहले शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। घरों की सफाई से निकलने वाला कूड़ा सड़कों पर आ गया है। अवैध कूड़ाघर बढ़ते जा रहे हैं। सफाई कर्मचारी डोर टू डोर नहीं पहुंच रहे। सुबह सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने को लगाई गई 45 अफसरों की टीम नदारद है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के जाने के बाद से ही समस्या खड़ी हो गई है। कई सड़कों पर तो इतना कूड़ा है कि सफाई कर्मचारी उठा ही नहीं पा रहे हैं। जीटी रोड पर नौ नंबर क्रासिंग के पास तो हालत बद से बदतर है। इसी तरह सर्वोदय नगर में नरेंद्र मोहन सेतु के नीचे और दक्षिण के इलाकों में हालत खराब है। इस मामले को नगर निगम सदन में पार्षदों ने उठाया था कि घर-घर से कूड़ा उठाने को लगी कंपनी कार्य नहीं कर रही है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। कर्मचारी कूड़ा उठाने के बजाए जला भी रहे है। इसके चलते आसपास लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। जेके मंदिर लाजपत नगर में मंदिर से करीब सौ मीटर दूरी पर गंदगी का ढ़ेर लगा हुआ है। पिछले कुछ दिन से गंदगी के ढेर लगे हुए है। शारदा नगर क्रासिंग से गुरुदेव जाने वाले रास्ते में पीछे की तरफ कई दिनों से गंदगी फैली है। आसपास स्कूल है ऐसे में बच्चों को निकलने के लिए जूझना पड़ता है। इसके अलावा सिविल लाइंस, छपेड़ा पुलिया, किदवईनगर, गोविंदनगर, डिफेंस कालोनी, जाजमऊ कल्याणपुर समेत कई जगह गंदगी फैली है। नानकारी के पार्षद सुनील कुमार पासवान ने बताया कि गंदगी की वजह से वार्ड के लोग परेशान हैं। पार्षद लक्ष्मी कोरी ने बताया कि दीक्षांक कंपनी घर-घर से कूड़ा उठाने में लापरवाही बरत रही है। शिकायत के बाद भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है। कांग्रेस पार्षद दल के नेता सुहेल अहमद, शालू कनौजिया, रेनू अर्पित यादव समेत कई पार्षदों ने कहा कि सफाई ठीक से नहीं हो रही है। मॉनीटरिंग नहीं हो रही है। शिकायतों का भी निस्तारण नहीं हो रहा है।

जीटी रोड स्थित 9 नंबर क्रासिंग के पास जमा कूड़े का ढेर। अमृत विचार

• त्योहारों से पहले शहर में कूड़े के लगे ढेर, चरमराई सफाई व्यवस्था

• घरों का कूड़ा निकलकर सड़क पर आया, कर्मचारी भी फेंक जा रहे हैं

कूड़े का हाल

रोज कूड़ा निकलता	1350 मीट्रिक टन
रोज उठता	1250 मीट्रिक टन
दो दिन से उठ रहा	1 हजार मीट्रिक टन
सफाई के लिए लगे कर्मचारी	5500
उठाने को लगे वाहन	65

> मैं, अभी बाहर हूं। लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही घर–घर से कूड़ा उठाने में लापरवाही बरतने वाली कंपनी के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा है।
>
> – प्रमिला पांडेय महापौर

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

घाटमपुर के तीन गांवों की जमीन पर बनेगा नया डिफेंस कॉरिडोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के रामसारी समेत तीन गांवों की भूमि पर डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना होगी। यह प्रोजेक्ट साढ़ गांव में बनाए गए डिफेंस कॉरिडोर के विस्तार के रूप में होगा। भूमि का चयन कर लिया गया है। जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना का प्रकाशन किया जाएगा। यहां तीन गांवों की कुल 234 हेक्टेयर जमीन ली जाएगी। यहां कॉरिडोर की स्थापना उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) द्वारा किया जाएगा। प्राधिकरण ने साढ़ गांव में कॉरिडोर बसा रखा है। अब वहां आवंटन के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है।

नर्वल तहसील के साढ़ गांव में 213 हेक्टेयर में डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना हो चुकी है। यहां गौतम अडानी की कंपनी समेत छह कंपनियों को भूखंड आवंटित हो चुके हैं। अडानी ने यहां पर एम्युनेशन कांप्लेक्स स्थापित कर रखा है। यहां गोला, बारूद आदि बनाए जा रहे हैं। जल्द ही मिसाइलों का निर्माण शुरू होगा। रक्षा प्रतिष्ठानों की स्थापना के लिए कई बड़ी कंपनियां कानपुर में निवेश करने के लिए तैयार हैं। यही वजह है कि उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने कॉरिडोर के विस्तार का प्रस्ताव दिया था। साढ़ गांव के पास स्थित गोपालपुर, दौलतपुर और मोहीपुर गांव की 186 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण के लिए चिह्नित की गई थी लेकिन किसानों के विरोध के कारण प्रक्रिया रद्द कर दी गई।

जिलाधिकारी ने यहां के किसानों से कई दौर वार्ता की पर वे तैयार नहीं हुए। ऐसे में तय किया गया कि अब घाटमपुर तहसील में भूमि देखी जाए। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने घाटमपुर तहसील क्षेत्र के रामसारी गांव में स्थित चीनी मिल के स्वामित्व वाली 83.89 हेक्टेयर भूमि के अलावा 127.62 हेक्टेयर किसानों की भूमि और 22.87 हेक्टेयर ग्राम समाज की भूमि चिह्नित की। अब इसी भूमि का अधिग्रहण और पुनर्ग्रहण किया जाएगा। इसके लिए उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की तरफ से प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

- रामसारी समेत तीन गांवों की भूमि पर डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना होगी
- यह प्रोजेक्ट साढ़ गांव में बनाए गए डिफेंस कॉरिडोर के विस्तार के रूप में होगा
- चीन मिल की भूमि भी यूपीडा को दी जाएगी, किसानों की भूमि का अधिग्रहण भी होगा

- 234 हेक्टेयर जमीन ली जाएगी योजना के लिए
- 83.89 हेक्टेयर भूमि चीनी मिल के स्वामित्व वाली
- 22.87 हेक्टेयर ग्राम समाज की भूमि चिह्नित
- 04 गुना मुआवजा मिलेगा रेट के मुकाबले

आवागमन में भी आसानी होगी

यह भूमि साढ़–घाटमपुर मार्ग व कानपुर– हमीरपुर–सागर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित है। ऐसे में आवागमन में भी आसानी होगी। यहां किसानों को सर्किल रेट या बाजार रेट में जो अधिक होगा उसका चार गुना मुआवजा मिलेगा जबकि चीनी मिल की भूमि और ग्राम समाज की भूमि नि:शुल्क प्राधिकरण को आवंटित होगी। ग्राम समाज की भूमि का पुनर्ग्रहण मंडलायुक्त स्तर पर हो जाएगा जबकि चीनी मिल की भूमि का हस्तांतरण करने के लिए प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद भूमि प्राधिकरण को मिलेगी फिर उसका लेआउट प्लान आदि बनेगा।

स्पेशल प्वाइंट्स पर चेकिंग शुरू हो गई। अमृत विचार

सेंट्रल जोन में 28 जगह विशेष सुरक्षा व्यवस्था

कानपुर। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देशन में सेंट्रल जोन में 28 स्थानों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। इन चेकिंग पॉइंट्स पर उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से रात 11:00 बजे तक तैनात रहेंगें। प्रत्येक पॉइंट के 500 मीटर दायरे में पुलिसकर्मी पैदल गश्त करेंगे ताकि सुरक्षा और सतर्कता बनी रहे। अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा सके। यातायात और कानून-व्यवस्था बनाई रखी जा सके और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग हो। इस दौरान वाहनों से काली फिल्म, हूटर, प्रेशर हॉर्न आदि के खिलाफ अभियान भी चलाया जाएगा। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने चेकिंग पॉइंट्स का निरीक्षण कर सतर्कता और कार्यप्रणाली की समीक्षा की तथा दिशा-निर्देश दिए। एसीपी व थाना प्रभारी समय-समय पर मौके पर पहुंचकर पुलिस बल को ब्रीफ करेंगे।

कामकाज | नए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने नगर निगम पहुंचकर संभाला कामकाज

सफाई, लाइटिंग और पैचवर्क पर फोकस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने बुधवार को नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर कामकाज संभाल लिया। नगर निगम मुख्यालय में अधिकारियों संग बैठक कर आगामी त्योहारों को लेकर दिशा निर्देश दिए। पहली बैठक में उन्होंने उन्होंने दीपावली को लेकर सफाई, लाइटिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ ही खुदी सड़कों को मोटरेबुल करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से जोनवार प्रजेंटेशन बनाकर प्रस्तुत करने के लिए कहा। नगर आयुक्त ने कहा कि अभी नगर निगम कार्यों को समझ रहा हूं। दीपावली से पहले सफाई, लाइटिंग और पैचवर्क पर फोकस रहेगा।

इससे पहले सुबह पद ज्वाइन करने पहुंचे नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने नगर निगम परिसर में बने राधा कृष्ण मंदिर में दर्शन किया। इसके बाद अधिकारियों के साथ परिचय बैठक की। परिसर में पान खाकर काम करने और बात चीत करने पर रोक लगा दी। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि नगर निगम में विभागीय अधिकारी और कर्मचारी जीन्स-टी शर्ट और चप्पल पहनकर नहीं आएं। ऑफिशियल यूनीफॉर्म में ही कार्यस्थल पर आएं। इसके साथ ही कार्यालय परिसर में गुटखा और धूम्रपान पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि जनता से अधिकारी व कर्मचारी गुटखा खाकर बातचीत नहीं करें। उन्होंने कहा कि यदि मीटिंग शुरू हो गई है तो इसके बाद क़ोई भी अधिकारी अंदर नहीं आएगा।

नगर आयुक्त ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। अमृत विचार

पहले दिन ही कई वार्डों का किया निरीक्षण

- नए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सुबह–सुबह जोन–01 और 04 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने डोर टू डोर कलेक्शन, कर्मचारियों के अटेंडेंस और कम्युनिटी शौचालय के बारे में जानकारी की। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर चंद्रशेखर मौजूद रहे। साथ ही छठ पूजा को लेकर तैयारी का जायजा लिया।

> शासन की मंशा के अनुरूप सभी कार्य किए जाएंगे। जनता से जुड़े मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किए जाएंगे।
>
> - अर्पित उपाध्याय, नगर आयुक्त।

पुलिस कमिश्नर ने किया आई ट्रिपल सी का निरीक्षण

कानपुर। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने मोतीझील स्थित आई ट्रिपल सी का निरीक्षण किया। उन्होंने कैमरों के साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम टेस्ट किया। टाटमिल चौराहा पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से कैमरे के सामने हाथ उठाने को कहा।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

पंकज ऑटो मोबाइल्स
हमारे यहाँ Ace, Magic Maximo, Bolero, Scorpio, Pick-up, Tata Megha, Super Ace का स्पेयर पार्ट मिलते है। Maruti, Hyundai, Honda, Renault, Skoda, Nissan, Toyota, Ford, Chevrolet इन सभी कम्पनियों की गाड़ी का Suspention & Disc Pad & Break Rotor एवं स्पेयर पार्ट मिलते है।
15-C, 2nd Floor, Gulati Motor Market Gadarian Purwa, Kanpur
Whatsapp No. 8874837218

मुख्यमंत्री ने कई बार कहा, फिर भी नहीं सुधारीं शहर की सड़कें

नीरछीर चौराहा से डबलपुलिया और काकादेव से सर्वोदय नगर तक महीनों से नहीं बन पा रही है सड़क

गुटैया क्रासिंग से देवकी चौराहा तक खोदाई के बाद बिखरी पड़ी गिट्टी अमृत विचार

डबल पुलिया से नीरछीर तक की सड़क उखड़ी पड़ी है। अमृत विचार

लापरवाही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पेयजल की आपूर्ति के लिए सर्वोदय नगर से काकादेव स्थित देवकी चौराहा तक और नीरछीर चौराहा से डबलपुलिया तक जल निगम ने आठ माह पहले सड़क की खोदाई करके पाइप लाइन डाली थी। पाइप लाइन डालने के बाद मिट्टी तो समतल कर दी गई और गिट्टी भी डाल दी गई लेकिन सड़क बनाने की जहमत लोक निर्माण विभाग ने नहीं उठाया। ये सड़कें सिर्फ उदाहरण हैं। शहर में दर्जनों सड़कें खोदी गई हैं जिनका निर्माण अब तक हो जाना चाहिए था लेकिन नहीं हो पाया। जनता परेशान है क्योंकि कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बाइक सवार फिसलकर गिरते न हों।

15वें वित्त आयोग के तहत 139.38 करोड़ रुपये से शहर में पाइप लाइन डालने और मरम्मत का कार्य किया जाना है। इसी राशि से खोदी गई सड़कों का निर्माण भी होना है। जल निगम पाइप लाइन या सीवर लाइन डालने से पहले उस विभाग से एनओसी लेता है जिसके स्वामित्व में सड़क होती है। साथ ही सड़क का जितना हिस्सा काटा जाता है उसे बनाने के लिए जो लागत आती है जल निगम संबंधित विभाग को रुपये जमा कर देता है। अब संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है कि वह सड़क का निर्माण करे, लेकिन शहर में ऐसा नहीं हो पा रहा है। सर्वोदय नगर से देवकी चौराहा होते हुए नवीन नगर, शारदा नगर आदि इलाकों में हर दिन एक लाख से अधिक लोग गुजरते हैं। पांच हजार से अधिक ई रिक्शा, आटो, टैंपो की आवाजाही हर दिन होती है। इसी तरह डबल पुलिया से नीरछीर तक भी सड़क पर आवागमन बहुत ही ज्यादा है। दोनों सड़कें खोदाई बाद समतल की गईं लेकिन बनाई नहीं गईं। ये सड़कें कागज पर मोटरेबल हैं। न तो क्षेत्रीय विधायक इस पर ध्यान दे रहे हैं और न ही सांसद। खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है।

सड़क का निर्माण न होने से हर दिन हादसे हो रहे हैं। लापरवाही बरतने वाले विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। जब तक कार्रवाई नहीं होगी ऐसे ही जनता को परेशान होना पड़ेगा।

– अजय सिंह, अध्यक्ष सर्वोदय नगर व्यापार मंडल

सड़क को समतल किया गया था लेकिन अब तो इतने बड़े- बड़े गड्ढे हैं कि आटो और ई रिक्शा के साथ ही बाइक सवार भी पलट जाते हैं। त्योहार के समय भी सड़क नहीं बनाई जा रही है। यह स्थिति अच्छी नहीं है। सड़क जल्द बने।

– धर्मेंद्र गुप्ता

जिस कार्य के लिए सड़क खोदी जाए अगर वह कार्य पूरा हो जाए तो तत्काल सड़क के निर्माण का कार्य पूरा किया जाना चाहिए। कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए इसके लिए जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। लापरवाही पर दंड भी जरूरी है।

– विजय शुक्ला

सड़क न बनने का खामियाजा क्षेत्र के लोग भुगत रहे हैं। दुकानदारी खराब हो रही है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को भी लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करानी चाहिए। पहले बारिश का बहाना था। अब बारिश खत्म हो गई है तो भी सड़क नहीं बन रही है।

– सिराज बाबू

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

3.5 करोड़ से 16 सड़कों की मरम्मत करेगा पीडब्ल्यूडी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शहर से सीधे जुड़ीं 16 बड़ी सड़कों को पीडब्ल्यूडी चलने लायक बनाएगा

अमृत विचार। शहर से सीधे तौर पर जुड़ीं 16 बड़ी सड़कों को पीडब्ल्यूडी चलने लायक बनाएगा। इसमें रमईपुर-कैंधा मार्ग, भौंती कालका मार्ग, मंझावन से लुधोरा, कल्याणपुर शिवली मार्ग समेत कई मुख्य मार्ग पर सड़कों पर विशेष सुधार किया जायेगा। विभाग 3.5 करोड़ रुपये ये यह कार्य करेगा, जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है।

कानपुर नगर क्षेत्र के बाहरी इलाकों की कई सड़कें चलने लायक नहीं है। जबकि यह सड़कें नेशनल हाइवे तक को जोड़ती हैं। शहरी क्षेत्रों से होते हुए गांव और फिर से हाइवे तक जानी वाली सड़कों पर मौजूदा समय में चलने में राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिसे देखते हुए शासन के निर्देश पर पीडब्लूडी ने सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

करीब 16 ऐसी सड़कों को विभाग बनाएगा। दीपावली के बाद इसके लिए टेंडर होंगे और 2 माह में कार्य पूरा होगा।

सड़कों के निर्माण के लिए ई टेंडर 28 अक्टूबर को 12 बजे तक अपलोड किए जा सकेंगे। इसके साथ ही तकनीकी बिड उसी दिन 12.30 बजे खोली जाएगी।

– अखंडेश्वर प्रसाद, अधिशाषी अभियंता, पीडब्लूडी

इन प्रमुख सड़कों का होगा निर्माण

- बिधनू किसान नगर भगवंतपुर मार्ग से कटरा भसोरा होते हुए एनएच तक सीसी निर्माण – 25 लाख
- भौंती गौशाला मार्ग से बनपुरवा वाया पनका बहादुर रोड – 26 लाख
- रमईपुर–कैंधा सचेंडी भाऊपुर मार्ग – 26 लाख
- फरसापुरवा से कैंधा सीढ़ी इटारा मार्ग – 25 लाख
- रमईपुर कैंधा सचेंडी से अकबरपुर होते हुए नहर तक संपर्क मार्ग – 25 लाख
- मंझावन से लुधौरी मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य – 20 लाख
- जाम से लालूपुर खरंजा तक मार्ग का मरम्मत कार्य– 28 लाख
- ईश्वरीगंज से लाल्हेपुर मार्ग – 24 लाख
- कल्याणपुर शिवली मार्ग से रैकेपुर मार्ग तक निर्माण – 14 लाख
- पनकी कपली मार्ग की विशेष मरम्मत कार्य – 18 लाख
- जमरही नहर पुल से कठारा रेलवे स्टेशन मार्ग – 30 लाख
- लक्ष्मणपुर से सुरौली मार्ग – 20 लाख

सिटी ब्रीफ

दो वारंटी गिरफ्तार

कानपुर। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में थाना बाबू पुरवा पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने वारंटी आजाद अली और रामेश्वर उर्फ ननका को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। दोनों वारंटी को गिरफ्तार करने में थाना बाबूपुरवा प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी, चौकी प्रभारी बाबू पुरवा दीपक कुमार आदि की सक्रियता रही।

अस्पताल में की मारपीट व तोड़फोड़

कल्याणपुर। मंधना बिठूर निवासी डॉ. सुमित कुमार कल्याणपुर के इंदिरा नगर में निजी अस्पताल चलते है। डॉ सुमित के मताबिक शनिवार देर रात इलाके के दबंग प्रांशू, आकाश व लारा सिंह अपने चार से पांच अज्ञात साथियों के साथ अस्पताल पहुंचे। नशे में धुत सभी आरोपित वहां गाली गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर दबंगों ने स्टाफ के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं अस्पताल में तोड़फोड़ करने के बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से निकल गए। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पनकी में शोहदा गिरफ्तार

कल्याणपुर। सड़क पर खड़े होकर आने जाने वाली महिलाओं व युवतियों पर अश्लील कमेंट कर रहे युवक को पनकी पुलिस की एंटी रोमियो टीम ने बुधवार को कला का पुरवा रोड से धर दबोचा। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान गुजैनी अंबेडकर नगर निवासी विशाल कुमार बताई है। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है।

सीवर टैंक में गिरे राजमिस्त्री की मौत, परिजनों का हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- टैंक का ढक्कन खोलते समय करंट लगने से गिरा, ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप
- मजदूर ने टैंक में चप्पल उतराते देखी, कार्रवाई का भरोसा देकर पुलिस ने कराया शांत

अमृत विचार। नवाबगंज में मकान निर्माण व मरम्मत के दौरान सीवर टैंक का ढक्कन खोलते समय करंट लगने से राजमिस्त्री टैंक में गिर गया। कुछ देर बाद जब साथी मजदूर ने टैंक में झांककर देखा तो राजमिस्त्री की चप्पल उतराती दिखी। तत्काल उसे बाहर निकलवाया गया और समीप के अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। खबर पाकर रोते-बिलखते पहुंचे परिजनों ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया।

राजमिस्त्री रिंकू।

उन्नाव के फतेहपुर चौरासी हिंदपुर दबौली निवासी 30 वर्षीय रिंकू राजमिस्त्री था। कुछ दिनों से वह नवाबगंज के सूर्य विहार में रहने वाले संतोष कुमार के मकान में काम कर रहा था। परिवार में उसकी पत्नी सोनम और एक बेटी आरोही है। मंगलवार को काम के दौरान रिंकू सीवर टैंक का ढक्कन खोलने के लिए कटर से काट रहा था। तभी करंट लगने से वह सीवर टैंक के अंदर ही गिर गया। कुछ देर बाद जब मकान के बाहर काम कर रहा मजदूर अंदर आया तो मिस्त्री को गायब देखकर तलाश की। तभी टैंक के अंदर झांकने पर रिंकू की चप्पल उतराती देखी और उसने शोर मचाया। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों की मदद से रिंकू को टैंक से बाहर निकाला गया और समीप के निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रिंकू के मौत की खबर पाकर पहुंचे परिजनों ने ठेकेदार आजाद बाबा पर बिना सुरक्षा उपकरण के काम कराने व लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंचे नवाबगंज थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने परिजनों को किसी तरह समझाकर शांत कराया। थाना प्रभारी ने कहा कि परिजनों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद शव को मोर्चरी भिजवाया।

कर्ज के तगादे से परेशान होकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी में सूदखोर के तगादे से परेशान होकर मजदूर ने तार से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साइट पर काम के दौरान साथी मजदूर को चाय लेने के लिए भेज दिया। इसी बीच अकेला होने पर खुद फंदे से लटक गया। लौटने पर साथी सन्न रह गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। परिजनों ने सूदखोर पर परेशान करने का आरोप लगाया है। सचेंडी के बछऊपुर निवासी 30 वर्षीय कपिल कुमार मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी रोशनी और पांच बच्चे हैं। साले महेंद्र ने बताया कि रोशनी और बच्चों के बीमार होने पर कपिल कुमार ने गांव के ही रहने वाले राहुल से मदद मांगी थी। उसके माध्यम से ही परिजनों का इलाज कराने के लिए 10 हजार रुपये का कर्ज लिया था। राहुल ने पैसे मांगे तो उसने मोहलत के साथ अपनी मजबूरी बताई, लेकिन वह नहीं माना। इस पर कपिल परेशान था। मंगलवार को वह पनकी नहर साइट पर एक मकान में मजदूरी करने गया था। तभी उसने अपने साथी मजदूर को चाय लाने के लिए भेज दिया। अकेला होने पर खुद चौखट पर बिजली का तार बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साथी के लौटने पर परिजनों व पनकी पुलिस को घटना का पता चला। रोते-बिलखते घरवाले मौके पर पहुंचे। राहुल पर आरोप लगाया है। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में महिलाओं से संबंधित 11 मामले आए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई का उद्देश्य महिला उत्पीड़न की रोकथाम, महिलाओं की समस्याओं का समाधान तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय प्रदान करना था। जनसुनवाई में महिलाओं से संबंधित कुल 11 प्रकरण आए, जिनमें घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न एवं अन्य महिला-संबंधी मामलों की सुनवाई की गई। प्रत्येक प्रकरण के शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि किसी भी प्रकार के महिला उत्पीड़न या घरेलू हिंसा की स्थिति में तत्काल 112 नंबर पर कॉल करें तथा अपनी शिकायत पंजीकृत कर पुलिस सहायता प्राप्त करें। साथ ही महिला हेल्पलाइन 1090 एवं 181 पर भी सहायता ली जा सकती है। कार्यक्रम में अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय) ऋतु प्रिया, महिला थानाध्यक्ष कमर सुल्तान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद पोषण माह के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर, शहर द्वितीय में पोषण पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पूनम द्विवेदी ने की। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों, किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा बच्चों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गोदभराई एवं अन्नप्राशन संस्कार से हुआ। इसके साथ रेसिपी प्रतियोगिता, स्वस्थ बालक-बालिका प्रतियोगिता एवं एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत किशोरियों एवं महिलाओं को आयरन की गोलियां वितरित की गईं तथा हीमोग्लोबिन जांच भी हुई। विशेष आकर्षण के रूप में सैम से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों को सम्मानित किया गया। विद्यारंभ संस्कार के तहत बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया तथा सैम बच्चों को पोषण किट दी गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा उपनिदेशक महिला कल्याण, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा, बाल विकास परियोजना अधिकारी आस्था द्विवेदी आदि थीं।

- राज्य महिला आयोग की सदस्य ने सुनीं समस्याएं

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पुरस्कार देती महिला आयोग की सदस्य। अमृत विचार

हादसा

रात 1.55 बजे शुरू हुआ अप व डाउन लाइनों पर ट्रेनों का संचालन, तीसरी व चौथी लाइन दुरुस्त होने पर ट्रेनों को कासन देकर निकाला

मालगाड़ी डीरेल में पांच विभागों की कमेटी को जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी यार्ड में मालगाड़ी बेपटरी होने के बाद ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों के आउटर पर खड़ा कराकर देर रात 1.55 बजे अप और डाउन लाइनों पर ट्रेनों का संचालन शुरू कराया गया। इस दौरान दिल्ली रूट की 60 से अधिक ट्रेनें करीब चार घंटे तक विभिन्न स्टेशनों पर फंसी। तीसरी व चौथी लाइन दुरुस्त होने पर ट्रेनों को कासन देकर निकाला गया। डीरेल मामले की जांच के लिए रेलवे ने पांच विभागों के अधिकारियों की अगुवाई में कमेटी गठित की है।

पनकी धाम स्टेशन से गेट नंबर-84 के बीच मंगलवार रात मालगाड़ी का एक कोच बेपटरी हो गया था। हादसा करीब साढ़े दस बजे हुआ। इसके बाद दिल्ली रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप हो गया। श्रमशक्ति, पटना राजधानी, गरीबरथ, पुरुषोत्तम, मगध, महाबोधी, श्रम शक्ति, पूर्वा, वैशाली, प्रयागराज एक्सप्रेस, गोरखधाम समेत करीब 60 से अधिक ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों व आउटर पर रोका गया। राहत कार्य शुरू होने के बाद रात 11.15 बजे तीसरी लाइन और पांच मिनट बाद चौथी लाइन दुरुस्त कर कई ट्रेनों का आवागमन कराया गया। अप और डाउन लाइन पर मरम्मत का काम चला, देर रात 1.55 बजे पूरा होने पर ट्रेनों का संचालन सुचारू हुआ। हादसे के बाद रातभर मरम्मत काम चला। मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त कोच को अलग कर वहीं किनारे किया गया। बुधवार सुबह भी अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

देर रात तक ट्रैक पर काम चलता रहा। अमृत विचार

कैंची प्वाइंट व पार्ट्स बदले गए

मालगाड़ी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया में माल उतारने के बाद पनकी यार्ड जा रही थी। यार्ड में मालगाड़ी ने जैसे ही नार्थ से साउथ लाइन पर बढ़ी, ट्रैक चेंज प्वाइंट पर एक कोच के दो पहिए बेपटरी हो गए।

रात में इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने कैंची प्वाइंट के साथ कुछ पार्ट्स भी बदले। उसके बाद इंजीनियरों ने कई स्तर पर जांच की और अप व डाउन लाइन से ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ।

सीमेंट के 15-20 स्लीपर क्षतिग्रस्त

- यह हादसा मालगाड़ी पर हुआ, अगर पैसेंजर ट्रेन होती स्थिति अलग होगी। हादसा बड़ा था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मालगाड़ी के पहिए की वजह से पटरी पर लगे सीमेंट के करीब 15 से 20 स्लीपर क्षतिग्रस्त हो गए। नट–बोल्ट पटरी से दूर बिखरे पड़े थे। जिन्हें उठाकर रेलवे कर्मियों ने एकत्र किया।

जांच के लिए पांच स्तरीय जेईजी कमेटी गठित की गई है। कमेटी में सेंट्रल स्टेशन के डिप्टी सीटीएम, सीनियर डीएसओ, सीनियर डीएमई ओएनएफ, सीनियर डीईएन–5, सीनियर डीएसपीई हैं। कमेटी ने क्षतिग्रस्त कोच की भी जांच की है। सात दिन में रिपोर्ट मिलने पर हादसे का कारण पता चलेगा।

–शशिकांत त्रिपाठी, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, प्रयागराज मंडल

तीन शातिर लुटेरे दबोचे, लूट के पांच मोबाइल और बाइक बरामद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में अधिवक्ता का मोबाइल लूटने वाले तीन शातिर लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सीसीटीवी फुटेज से पहचान में आए लुटेरों को पुलिस ने जंगल रोड से दबोचा। उनके पास से पांच लूटे गए मोबाइल व बाइक बरामद हुई है। घूम-घूमकर लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। तीनों के खिलाफ चकेरी थाने में कई मामले दर्ज हैं।

न्यू विमान नगर निवासी अधिवक्ता दीपक सिंह यादव के अनुसार बीते एक अक्टूबर की रात आठ बजे वह अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी पीछे से आए बाइक सवार दो लुटेरों ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया था। शोर मचाने और दौड़ाने पर लुटेरे बीबीपुर की ओर भाग निकले थे। वारदात की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो तीनों लुटेरों की पहचान हुई। जिसकी मदद से बुधवार को पुलिस ने तीन को जंगल रोड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए लुटेरे विश्वजीत उर्फ बीडी सिंह, सनी पांडेय और वीर सिंह हैं। जो घूम-घूमकर वारदात करते हैं। उनके पास से पांच मोबाइल और बाइक बरामद हुई है। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि लुटेरों के खिलाफ चकेरी थाने में कई मामले दर्ज है। तीनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

पुलिस की गिरफ्त में लुटेरे। अमृत विचार

लूटपाट करने वाला ऑटो चालक गिरफ्तार

कानपुर। सवारियों से लूट करने वाला ऑटो चालक फजलगंज पुलिस के हत्थे चढ़ा। प्रतापगढ़ निवासी शिवम वर्मा और उसका चचेरा भाई नीरज गुजरात के सूरत स्थित कपड़ा कारखाने में काम करते हैं। सोमवार रात को दोनों बस से फजलगंज आए। यहां से सेंट्रल जाने के लिए ऑटो रोकी। ऑटो में पहले से दो युवक बैठे थे। ऑटो चालक ने सुनसान इलाके में ले जाकर शिवम व नीरज से मारपीट की 17 हजार रुपये लूट लिए थे। शिवम ने फजलगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने ऑटो को खोज निकाला। ऑटो दर्शनपुरवा निवासी हिमांशु उपाध्याय की है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने लूट स्वीकार ली।

सिटी ब्रीफ

पार्किंग में खड़ी कार जबरन ले गया

कानपुर। कोतवाली में युवक ने परिचित व उसके साथियों पर जबरन कार उठा ले जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। चमनगंज निवासी मो. खुर्शीद के अनुसार उनके परिचित फर्रुखाबाद निवासी जितेंद्र कुमार ने अपने मित्र सोहेल को नौ अक्टूबर को उनके पास छह लाख रुपये देकर भेजे थे। जितेंद्र ने रुपये अपने खाते में जमा करके उसे मध्य प्रदेश के पन्ना निवासी अरविंद कुमार नायक के खाते में आरटीजीएस करने को कहा। रुपये आरटीजीएस होने के बाद भी सोहेल ने रुपये नहीं पहुंचने की बात कहते हुए वापस मांगे। आरोप है कि इसके बाद आरोपी अपने कई साथियों के साथ प्रेमनगर अल नूर अर्पाटमेंट की पार्किंग में खड़ी उनकी कार ले गया।

तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

कल्याणपुर। आवास विकास तीन अंबेडकरपुरम में 20 दिन पहले एक किशोरी का मोबाइल छीनकर भागे लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस ने आरोपी सराय कच्ची बस्ती निवासी विकास उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मामले में शिवम द्विवेदी व पृथ्वी बंसकर को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

पार्किंग न होने से कल्याणपुर बाजार से दूर हो रहे खरीदार

व्यापारियों ने कहा, कार से आने वालों ने कम कर दिया बाजार आना

कानपुर। कल्याणपुर बाजार में व्यापारियों की ओर से पार्किंग की समस्या उठाई गई है। उनका कहना है कि बाजार में पार्किंग न होने से चार पहिया वाहनों से बाजार में खरीदार आना बंद हो गए हैं। व्यापारी बाजार की बेहतरी के लिए जल्द पार्किंग व्यवस्था शुरू किए जाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसके लिए जल्द ही अभियान चलाया जाएगा। कल्याणपुर बाजार में लगभग 2 हजार दुकानें हैं। यदि दक्षिणी बाजार को जोड़ दिया जाए तो व्यापारियों का दावा है कि पूरी बाजार में दोनो ओर लगभग 4 हजार दुकानें मौजूद हैं। ऐसी स्थिति में पार्किंग व्यवस्था न होने से खरीदारी करने आने वाले वालन दुकानों के सामने ही लगवाए जाते हैं। दो पहिया वाहनों के अलावा यदि चार पहिया वाहन से खरीदार आता है तो उसे वाहन खड़ा करने में परेशानी उठानी पड़ती है। इसलिए बाजार में पार्किंग अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

पार्किंग के लिए अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधि सबसे गुहार लगाई जा चुकी है। नगर निगम की ओर से एक बार बाजार में सर्वे भी हो चुका है। बावजूद इसके बाजार में पार्किंग की व्यवस्था अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। यदि पार्किंग की व्यवस्था शुरू हो जाए तो कल्याणपुर बाजार का स्वरूप बदला जा सकता है।

–संदीप पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष, यूपी कल्याणकारी व्यापार मंडल

बाजार में पार्किंग व्यवस्था न होने से खासतौर पर चार पहिया वाहनों से आने वाले खरीदारों ने बाजार आना छोड़ दिया है। इससे बाजार में लगभग 20 फीसदी का असर सीधेतौर पर पड़ा है। परिवार संग आने वाले लोग शहर की अन्य बाजारों की ओर रुख कर चुके हैं। बाजार का विकास भी रुक गया है।

–मनोज कुमार, महामंत्री कल्याणपुर व्यापार मंडल (दक्षिणी)

बाजार में जाम लगने की समस्या बहुत अधिक है। इसकी एक वजह बाजार में पार्किंग न होना है। यदि पार्किंग हो जाए तो दुकानों के बाहर खड़े वाहनों को व्यवस्थित कर खड़ा किया जा सके। इससे सड़क पर जाम की समस्या का भी समाधान हो सकेगा। सभी को सहूलियत होगी।

–कृष्ण नारायण कटियार, व्यापारी

बाजार को इस वक्त पार्किंग की बहुत जरूरत है। कई बार अधिकारियों की ओर से उम्मींद जगाई गई कि पार्किंग की व्यवस्था जल्द ही बाजार में हो जाएगी। बावजूद इसके अभी तक कोई व्यवस्था नहीं हो सकी है। इससे बाजार में अब व्यापारी पूरी तरह से निराश हो चुके हैं।

–भूपेंद्र सिंह, अध्यक्ष कल्याणपुर व्यापार मंडल दक्षिणी

कल्याणपुर में जीटी रोड पर भीषण जाम लगा रहा।

इंदिरा नगर कट खुलने के दौरान लगा जाम

कल्याणपुर। कल्याणपुर क्रॉसिंग के पास जीटी रोड पर बुधवार शाम इंदिरा नगर कट को खोल दिया गया। इस कट को खोलने के लिए व्यापारियों की ओर से लंबे समय से मांग की जा रही थी। कट को खुलने के पहले दिन ही रोड पर भीषण जाम लग गया। यह जाम कुछ ही देर में बगिया क्रॉसिंग के पार चला गया। इस बीच जाम में फंसे लोगों के इधर-उधर से निकलने की जुगत के चलते जाम ने और भी विकराल रूप ले लिया। जिसमें फंसकर बच्चों के साथ त्योहारी खरीदारी करने जा रहे लोग जाम से जूझ रहे थे। इस दौरान एक एंबुलेंस भी जाम की चपेट में आकर उसमें फंस गई। मौके पर पहुंचे दारोगा मोहम्मद आरिफ व उनकी टीम ने एंबुलेंस को वहां से रवाना कराया। जिसके बाद एक-एक कर वाहनों को वहां से निकाल जाम पर काबू पाया जा सका। इस दौरान करीब एक घंटे तक जाम में फंसे लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि कट खोलने के लिए बोल्डर हटाने के दौरान जाम की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

बाजारों में हो बेहतर यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- व्यापारियों व उद्यमियों ने ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों से की मांग

अमृत विचार। शहर में त्योहारों के समय लगने वाले जाम पर बुधवार को व्यापारियों व उद्यमियों ने उपायुक्त यातायात के साथ बैठक की। बैठक में व्यापारियों ने इस वक्त लगने वाले जाम को शहर के बाजार के लिए घातक बताया। कहा कि यातायात व्यवस्था दुरुस्त न होने का खामियाजा आम शहरवासी व व्यापारी उठा रहे हैं। उद्यमियों ने शहर के जाम को उद्योग के पिछड़ने का एक बड़ा कारण बताया। इस दौरान व्यापारियों व उद्यमियों ने कई सुझाव दिए।

बैठक में झकरकट्टी, टाट मिल चौराहा, परेड चौराहा, विजयनगर, जरीब चौकी, काकादेव, आर्य नगर, घंटाघर, भूसा टोली पर जाम की समस्या और उसके निस्तारण पर खासतौर पर चर्चा हुई। जिस पर उपायुक्त द्वारा सभी सेक्टर प्रभारी के सीयूजी नंबरों की सूची व्यापार और उद्योग संगठनों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिससे जाम या किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर संबंधित पदाधिकारी को सीधे सूचित किया जा सके। नाना राव पार्क के सामने व्यायाम शाला मोड पर नो एंट्री समाप्त करने की बात की गई। जिस पर निरीक्षण के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल ने नवीन मार्केट से स्टॉक एक्सचेंज तक ऑटो ई रिक्शा एवं खाने के सामान के कारण जाम की समस्या से अवगत कराया। जिस पर उपायुक्त ने कार्रवाई के आदेश दिए। इसी तरह शिव कुमार गुप्ता ने फजलगंज औद्योगिक क्षेत्र एवं कालपी रोड पर निजी बसों के दिन और रात खड़े रहने से उत्पन्न जाम की समस्या तथा उद्योगों में चोरी होने की शिकायत की जिस पर निजी बसों पर कार्रवाई करने के निर्देश उपायुक्त द्वारा दिए गए। जितेंद्र पिपलानी द्वारा पार्किंग रेखा के अंदर वाहन खड़े होने पर भी चालान करने की शिकायत की गई। जिस पर उपायुक्त ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। ईश्वर वर्मा द्वारा भूसा टोली बाजार में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए अनुरोध किया। उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष आयुष द्विवेदी द्वारा बादशाही नाका, हालसी रोड और मूलगंज में ट्रैफिक सिपाही उपलब्ध कराने का अनुरोध किया तथा रोड पर हर एक कट के इर्द-गिर्द अतिक्रमण हटवाने के लिए अनुरोध किया। जिससे वाहनों को करने में कठिनाई न हो।

व्यापारियों ने की ट्रैफिक पुलिस अधिकारी से मुलाकात।

नहीं आ रहे खरीदार

- व्यापारी नेता कपिल सब्बरवाल ने गोविंद नगर, पीरोड, गुमटी नंबर पांच, बिरहाना रोड, मियागंज सराफा, नवीन मार्केट जैसे बड़े प्रमुख बाजारों में दीपावली के त्योहार को देखते हुए विशेष व्यवस्था करने की मांग की। कहा कि बाजारों के आस-पास भीषण जाम से खरीदारी करने आने वालों को परेशानी होती है। इससे वे ऑनलाइन बाजार की ओर रुख कर लेते हैं। जाम से व्यापारी और खरीदार दोनों को नुकसान हो रहा है।

जयपुरिया क्रासिंग पुल का निरीक्षण करते स्थानीय लोग।

मानक के अनुरूप नहीं बना जयपुरिया पुल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सर्किट हाउस की तरफ गिरने वाला जयपुरिया क्रासिंग पुल का निचला हिस्सा मानक के अनुरूप नहीं है। इससे जाम लगेगा साथ ही साथ दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। यह बात बुधवार को चंदन राय गर्ग के नेतृत्व में समाजसेवियों ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को ज्ञापन देकर बताई।

चंदन राय गर्ग ने जिलाधिकारी को बताया कि संस्था के सदस्यों एवं अधिवक्ताओं ने पुल का मौका मुआयना किया तो एक तरफ पुल की चौड़ाई काफी कम है। पुल निर्माण में लगी सामग्री भी सवाल उठाती है। बताया कि पुल का निचला हिस्सा ऐसे मोड़ पर है जहां से दुर्घटनाओं का होना स्वाभाविक है एवं अत्यधिक यातायात के कारण जाम लगना भी लाजमी है। कहा कि पुल से संबंधित जो भी सर्विस लेन है और संबंधित सड़के हैं उनको भी नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पुल का विधिवत संबंधित अधिकारियों के साथ मुआयना करना जरूरी है।

पूर्व राष्ट्रपति कलाम को दी श्रद्धांजलि

पूर्व राष्ट्रपति को याद किया।

कानपुर। समाचार पत्र विक्रेता संयुक्त मोर्चा के बैनर तले पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म दिवस मनाया गया। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देकर उन्हें याद किया। समाचार पत्र विक्रेता संयुक्त मोर्चा ने सभी पत्र संस्थाओं से अपील की है कि 15 अक्टूबर को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस को वितरक दिवस घोषित किया जाए। समाचार पत्र विक्रेता सभा के अध्यक्ष हरिशंकर तिवारी, समाचार पत्र विक्रेता सहित मोर्चा के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, संयोजक रमेश बाजपेई, भारत मिश्रा, राजेश शुक्ला, बुला यादव, कल्लू भैया, पंडित हरि नारायण दीक्षित, अनिल बाजपेई, दुर्गा द्विवेदी, धनंजय, सुंदर निषाद, श्याम राठौर, विजय थे।

कार्यालय नगर पंचायत सौरिख जनपद – कन्नौज।

पत्रांक :–570 / न.प. सौ / 2025–26 दिनांक–15/10/2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

डोर-टू-डोर सेग्रिग्रेशन के लिए ट्रेनिंग पार्टनर हेतु दर आमंत्रण सूचना

समस्त हितबद्ध पक्षकारो / व्यक्तियो / संस्थाओ / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सौरिख जनपद कन्नौज सीमान्तर्गत 11 वार्डो में विकेन्द्रीकरण अवधारणा के माध्यम से घर–घर सोर्स सेग्रिग्रेशन पर प्रशिक्षण तथा गीले व सूखे कूडे का विकेन्द्रीकरण अवधारणा के अनुसार प्रोसेसिंग कराये जाने हेतु ट्रेनिग पार्टनर का चयन किया जाना है। जो नगर पंचायत सौरिख के समस्त आवासीय परिसरो में निवास करने वाले व्यक्तियो को सोर्स सेग्रिग्रेशन हेमु प्रशिक्षत करके फर्मो/व्यक्तियो/संस्थाओ से दिनांक– 23.10.2025 को अपरान्ह 02 बजे तक अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत सौरिख को सम्बोधित बन्द लिफाफो में अपनी दरें / प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते है, तथा उसी दिन सांय 04 बजे कार्यालय नगर पंचायत सौरिख में खोली जायेगी। कार्य से सम्बन्धित अन्य जानकारी एंव शर्ते अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सशर्त आवेदन / दरें स्वीकार नही की जायेगी। दरो/प्रस्ताव में किसी भी प्रकार की ओवर राइटिंग / कटिंग स्वीकार नहीं होगी। धन की उपलब्धता के अनुसार भुगतान सम्भव होगा। दरो को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित हैं दरे समान होने की स्थिति में अनुभवी फर्मे / व्यक्तियो / संस्थाओ को वरीयता दी जायेगी। विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत सौरिख कार्यालय में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सौरिख जनपद – कन्नौज।

अध्यक्ष नगर पंचायत सौरिख जनपद – कन्नौज।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को याद किया।

कलाम के जन्मदिन पर वितरक दिवस मनाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। समाचार पत्र वितरक समाज ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस को वितरक दिवस के रूप में मनाया। अखबार वितरण के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय वरिष्ठ वितरक हरजीत अरोड़ा एवं रामलखन मिश्रा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संयोजक जयप्रकाश त्रिवेदी (मोनू पंडित), अध्यक्ष वीरेन्द्र मिश्रा, महामंत्री राजकुमार पांडेय ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर संरक्षक अनिल सिंह, रमेश गुप्त, राम लखन वर्मा, विजय अवस्थी, वीरेंद्र मिश्रा, अजय सुभाष गुप्ता, अश्विनी, राजेश वर्मा थे।

महिला के गहने चोरी, तीन माह बाद रिपोर्ट दर्ज

कल्याणपुर। चचेरी बहन की सगाई में कल्याणपुर आई महिला का गहनों से भरा बैग चोरी हो गया। महिला ने अपनी ही दूर के रिश्तेदार महिला पर चोरी का आरोप लगाया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर तीन माह बाद कल्याणपुर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है

सम्भल जिले के चंदौसी अकरौली गांव निवासी नीतू के मताबिक गत नौ जुलाई को वह नया शिवली रोड निवासी अपने चाचा रामाधार अरुण की बेटी के सगाई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई थी। वहीं कार्यक्रम में शामिल होने आई उनकी दूर के रश्तेदार हरदोई के सांडी निवासी रूबी ने उनके लगभग 10 लाख रुपए कीमत के गहनों से भरा बैग पार कर दिया।

पत्र वितरकों का सम्मान किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सम्मानित किया

अमृत विचार। सुबह-सुबह जब लोग नींद में होते हैं तब अखबार लेकर घर-घर दस्तक देने वाले समाचार पत्र वितरक अपना काम शुरू कर चुके होते हैं। चाहे कड़ाके की सर्दी हो या फिर गर्मी और बरसात वे अपना काम बिना किसी बाधा के करते हैं। कई ऐसे समाचार पत्र वितरक हैं जो पिछले 30 से 50 वर्षों से निरंतर यह सेवा दे रहे हैं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने इन सेवाओं के लिए उन्हें समाचार पत्र वितरक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अखबार पहुंचाने वाले समाचार पत्र वितरक लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने वाले सच्चे प्रहरी हैं। हर सुबह घर-घर समाचार पहुंचाकर वे समाज को जागरूक और सूचित रखने का कार्य करते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी दशकों तक लगातार यह सेवा देना अपने आप में एक अद्वितीय उदाहरण है। जिला प्रशासन इनके योगदान को सम्मानित कर गर्व महसूस करता है। लाटूश रोड निवासी राम लखन मिश्रा पिछले 50 वर्षों से समाचार पत्र वितरक के रूप में कार्यरत हैं। डिप्टीपुरवा निवासी रमेश गुप्ता पिछले 35 वर्षों से यही भूमिका निभा रहे हैं। डीएम ने इस अवसर पर जयप्रकाश त्रिवेदी, राजकुमार पांडेय, पारसनाथ, सर्वेश तिवारी, रमेश गुप्ता, सचिन कुमार और वीरेंद्र मिश्रा को अंगवस्त्र और मिठाई भेंट कर प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

डीएम ने पत्र वितरकों को सम्मानित किया।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं वीरेन्द्र कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र पूरे गुरुबक्स सिंह मजरे खलीलपुर पो0 भीमगंज तहसील डलमऊ, जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे तीन पुत्र सौरभ कुमार, शुभम कुमार और शिवम कुमार जो कि बालिग हैं। मेरा पुत्र शुभम कुमार मेरी देखभाल नहीं करता है। मारपीट करता है। उसके कृत्यों से तंग आकर मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से शुभम कुमार को बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके द्वारा किए गए कृत्यों से मेरा और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

सूचित हो कि पासपोर्ट में मेरा नाम सुल्तान अहमद खान है। जबकि आधार कार्ड व पैनकार्ड में मेरा नाम सुल्तान अहमद पुत्र जलील अहमद है जो कि मेरा सही नाम है। इसी नाम से मुझे जाना जाय। **सुल्तान अहमद पुत्र जलील अहमद – मु0 मकनियापुरा महोबा जि. महोबा**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम SUSHIL SHRIVASTAV था से बदलकर SUSHIL KUMAR SHRIVASTAV रख लिया है। अब मुझे SUSHIL KUMAR SHRIVASTAV के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SRIKRISHAN LAL SRIVASTAVA ADD-442/95, HARDOI ROAD JANRAILGANJ COLONY BALAGANJ DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना

मेरे पुत्र दिव्यांश सिंह के विद्यालय रिकार्ड में उसकी माता का नाम Kaushalya लिखा है जबकि उनका सही नाम Kaushilya Singh है जो पी.एम.श्री के.वी.नं.1 अर्मापुर विद्यालय रिकार्ड में दर्ज हो। **मान सिंह निवासी– जी 12/5 शिवालिक भवन, शताब्दी नगर, रतनपुर पनकी, कानपुर नगर।**

Public Notice

I have change my name Shafeeq Ahmad Faisal to Shafeeq Ahmad s/o Rafeeq Ahmad, In future i would like to be khown by this name. Shafeeq Ahmad s/o Rafeeq Ahmad 426/1930A/11, Wazeerbagh, Saadatganj, P.S .- Saadatganj, Lucknow

सूचना

मैं **विवेक कुमार पुत्र स्व. विनोद कुमार निवासी ग्राम व पोस्ट नीबी, ब्लाक सरेनी, जिला रायबरेली पिन –229212 (उ0प्र0)** मेरे पिता की LIC की बीमा पॉलिसी संख्या–233580091 में मेरा नाम नितिन दर्ज है, जबकि अन्य अभिलेखों में विवेक कुमार दर्ज है। दोनों ही नाम मेरे हैं। अतः मुझे दोनों ही नामों से जाना–पहचाना व माना जाए।

सूचना

मैं **रमेश पाल पुत्र दीपक पाल निवासी ग्राम– कुम्हरावां, थाना– महिगवां, तहसील– बख्शी का तालाब, जनपद– लखनऊ** मेरे पुत्र दीपक पाल ने अपनी मर्जी से प्रेम विवाह किया है जिससे मेरे भविष्य में विवाद का खतरा बना हुआ है एवं भविष्य में कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है तथा विवाद की सम्भावना उत्पन्न हो सकती है। जिससे मैं कोई वास्ता नहीं रखना चाहता हूँ और मैं अपने पुत्र दीपक पाल को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। यह कि भविष्य में यदि मेरे पुत्र दीपक पाल द्वारा कोई गलत कृत्य या आपराधिक कृत्य किया जाता है तो ऐसा समस्त कृत्यों के लिए मेरा पुत्र दीपक पाल स्वयं जिम्मेदार होगा जिसमें मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है **उपमा सिंह पत्नी सुनील सिंह, सरवन खेड़ा कानपुर** की निवासिनी हूं। मैंने श्री सगीर सिद्दीकी पुत्र श्री शकील सिद्दीकी से भूखण्ड सं. 53, खसरा सं. 769 का मिनजुमला, क्षेत्रफल 1250 वर्ग फीट, स्थित औरंगाबाद जागीर, वार्ड राजा बिजली पासी, तहसील सरोजनी नगर, लखनऊ खरीदा था, जो कि बही सं.1, जिल्द सं. 14371, पृष्ठ 317 से 338 तक दिनांक 01.07.2025 उप निबंधक सरोजनी नगर, लखनऊ के कार्यालय में पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति के मूल सेल डीड का अंतिम 4 पेज 13–16 कही खो गया है। जिस किसी को भी मिले कृपया मो0– 9653023233 पर सूचित करें।

अनियोजित विकास

मुख्य गेट की चौड़ाई 12 मीटर होना चाहिए, 9 मीटर ही बची, अंडरग्राउंड बसों के प्लेटफार्म, पार्किंग पर मेट्रो का कब्जा हो गया

मेट्रो ने बिगाड़ दिया झकरकटी बस अड्डे के विकास का खेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पिछले 20 वर्षों से पीपीपी मॉडल के तहत शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा आधुनिकीकरण का ख्वाब परिवहन अधिकारी देख रहे थे लेकिन उनके ख्वाबों पर मेट्रो ने पानी फेर दिया है। इसमें भी मेट्रो की गलती नहीं है बल्कि परिवहन अधिकारियों द्वारा भविष्य की चिंता किये बिना मेट्रो को उतना स्थान उपलब्ध करा दिया गया जितना बस अड्डे के लिए रुकावट सिद्ध हो गया।

बस अड्डे का पीपीपी मॉडल के तहत आधुनिकीकरण के लिए 2006 में योजना बनाई गई थी। तब से इस बस अड्डे के आधुनिकीकरण का ख्वाब परिवहन अधिकारी ही नहीं बल्कि शहरवासी भी देख रहे हैं लेकिन दो साल पहले परिवहन ने मेट्रो स्टेशन के लिए झकरकटी बस अड्डे का काफी बड़ा भाग सौंप दिया। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन विभाग द्वारा झकरकटी बस अड्डे का पीपीपी मॉडल के तहत विकास के लिए सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। बस अड्डे का जो डीपीआर तैयार हुआ, उसमें मुख्य गेट के पास न्यूनतम 12 से 15 मीटर चौड़ाई होना चाहिए लेकिन मेट्रो का निकास व प्रवेश द्वार वहां बन चुका है जिससे प्रवेश द्वार पर पीपीपी मॉडल की योजना फेल हो गयी। पीपीपी मॉडल के तहत बस अड्डे में प्रवेश के लिए परिवहन चाहता है कि बसों के लिए अंडरग्राउंड सिस्टम भी रखा जाए लेकिन मेट्रो ने प्रवेश द्वार के काफी बड़े भाग बस अड्डा के अंदर की ओर 65 मीटर गहरा स्टेशन और ट्रैक बना दिया है जिससे अंडरग्राउंड योजना भी फेल हो गयी।

कंपनी की 3 करोड़ अग्रिम धनराशि फंसी

- बस अड्डा का पीपीपी मॉडल के तहत विकास करने के लिए जिस कंपनी ने ठेका लिया है, उसने कई माह पूर्व 3 करोड़ रुपये अग्रिम धनराशि के रूप से जमा कर दी है। झकरकटी बस अड्डे को पीपीपी मॉडल के तहत बनाने के लिए कंपनी अपनी पूरी तैयारी कर चुकी है लेकिन इधर कई माह से कंपनी ने भी इस तरफ देखना कम कर दिया है। कुल मिलाकर पीपीपी मॉडल के तहत झकरकटी बस अड्डे का विकास लटकता दिखाई दे रहा है।

अस्थाई बस अड्डे की जगह भी नहीं मिल पा रही

- बस अड्डे को पीपीपी मॉडल के तहत बनाने के लिए बस अड्डे को कहीं शिफ्ट किया जाना है लेकिन ये काम भी वर्षों से अधर में लटका हुआ है। कैंट में परिवहन अधिकारियों ने बस अड्डा के लिए जमीन देखी थी लेकिन कैंट ने 2.5 करोड़ रुपये वार्षिक किराया बता दिया जिससे परिवहन ने हाथ खड़े कर दिये।

टेंडर कर दिया, अब कंपनी जानें

झकरकटी बस अड्डे को पीपीपी मॉडल के तहत बनना है, इसके लिए टेंडर किया जा चुका है, कंपनी को देखना चाहिए कि कितनी जगह बस अड्डे पर है। हमारा काम अब नहीं है, कंपनी अपने हिसाब से देखेगी।

– महेश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, कानपुर परिक्षेत्र परिवहन

सिटी ब्रीफ

एसपीएसईसी बना देश का रैंक्ड नंबर 1 डे स्कूल

कानपुर। सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर (एसपीएसईसी) कमला नगर, कानपुर को एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग 2025-26 में भारत का नंबर 1 डे स्कूल घोषित किया गया है। इसके अलावा स्कूल को टॉप 12 ईडब्ल्यू आइवी लीग डे स्कूल्स में भी स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि एसपीएसईसी को देश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षा केन्द्रों में स्थापित करती है। यह जानकारी बुधवार को स्कूल की प्रधानाचार्या भावना गुप्ता ने दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या भावना गुप्ता ने संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में बुधवार को आयोजित एजुकेशन वर्ल्ड इंडियन स्कूल रैंकिंग्स 2025-26 अवार्ड्स में प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। समारोह में सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर की प्रशंसा की गई। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रबंधन के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। विद्यालय की चेयरपर्सन मनोरमा गोविंद हरि सिंहानिया, वाइस चेयरमैन अभिषेक सिंहानिया, वाइस चेयरपर्सन वर्षा सिंहानिया और वाइस चेयरमैन व डायरेक्टर पार्थो पी. कर ने पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दी।

दीपकोत्सव समारोह मनाया गया

कानपुर। दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज कानपुर शिक्षक संघ द्वारा दीपकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हाट, डांडियां, नृत्य गायन, हौज़ी खेल एवं विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाए गए। इन स्टॉल मेंछात्राओं द्वारा निर्मित वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया। मेले की शुरुआत दयानंद शिक्षण संस्थान की सायुंक्त सचिव अनंता स्वरूप द्वारा फ़ीता काट कर किया गया। इस दौरान प्राचार्या प्रो वंदना निगम, निदेशक प्रो अर्चना वर्मा, प्रो निवेदिता टंडन, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो अर्चन श्रीवास्तव एवं शिक्षक संघ मंत्री डॉ अर्चना दीक्षित ने भी विचार व्यक्त किए।

कॉलेज में लगी प्रदर्शनी

कानपुर। कानपुर विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में बुधवार को दिव्यांग डेवलपमेंट सोसायटी की ओर से प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों के द्वारा बनाए गए दीवाली के सुंदर उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। दिव्यांग बच्चों के हुनर की सभी ने तारीफ की और हौसला बढ़ाया। प्रदर्शनी की शुरुआत प्राचार्य प्रो. पूनम विज ने की। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग की डॉ. पूर्णिमा शुक्ला ने किया।

भ्रम में न रहें, 20 अक्टूबर को ही दीपावली

ज्योतिषाचार्य ने बताया, प्रदोष काल शाम 5 बजकर 36 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 7 मिनट तक रहेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस वर्ष दीपावली की तिथि को लेकर लोगों के बीच भ्रम बना हुआ है। दीपावली सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह देवी लक्ष्मी की कृपा पाने का शुभ अवसर है। सही समय पर पूजा करने से समृद्धि, शांति और कल्याण की प्राप्ति होती है। दीपावली का त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की प्रदोष व्यापिनी अमावस्या को मनाया जाता है। इस बार दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

ज्योतिषाचार्य पं.मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि 20 अक्टूबर को चतुर्दशी तिथि सूर्योदय से लेकर दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। इसके बाद अमावस्या तिथि प्रारम्भ हो जाएगी। दीपावली के पूजन के लिए धर्मशास्त्रोक्त प्रदोष काल एवं महानिशीथ काल मुख्य हैं। 20 अक्टूबर को दीपावली के दिन धर्मशास्त्रोक्त प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। इसमें स्थिर लग्न वृष का समावेश 06 बजकर 59 मिनट से लेकर 08 बजकर 56 मिनट तक रहेगा।

सजावट का सामान बेचने वाली दुकानें सज गई हैं। अमृत विचार

इन मुहूर्त में होगा पूजन

- चर चौघड़िया घं.05 मि.36 से घं.07 मि.10 तक रहेगा। लाभ चौघड़िया की वेला घं.10 मि.19 से घं.11 मि.53 तक रहेगी। शुभ,अमृत, चर चौघड़िया की संयुक्त वेला रात्रि घं.01 मि.28 से घं.06 मि.11 तक रहेगी। अमावस्या, प्रदोष काल, वृष लग्न और चर चौघड़िया का पूर्ण शुभ संयोग रहेगा।

महानिशीथ का पूजन

- महानिशीथ काल रात घं.11 मि.45 से घं.12 मि.39 तक रहेगा। इस समयावधि में अमावस्या और महानिशीथ काल का पूर्ण संयोग रहेगा। दीपावली में महानिशीथ काल अति महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें लाभ चौघड़िया की वेला रहेगी। इसके बाद रात घं.01 मि.18 से घं.03 मि.32 तक स्थिर लग्न सिंह रहेगी। इस समयावधि में अमावस्या और सिंह लग्न का पूर्ण संयोग रहेगा तथा इसमें भी शुभ चौघड़िया की वेला घं.01 मि.28 से घं.03 मि.02 तक रहेगी।

मूर्ति खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

- श्री लक्ष्मी गणेश कभी भी एक साथ जुड़े हुए नहीं खरीदने चाहिए। पूजाघर में रखने के लिए लक्ष्मी और गणेश की ऐसी मूर्ति लेने चाहिए, जिनमें दोनों विग्रह अलग-अलग हों।
- भगवान गणेश की मूर्ति में उनकी सूंड़ बाएं हाथ की तरफ मुड़ी होनी चाहिए। दाईं तरफ मुड़ी हुई सूंड़ शुभ नहीं होती है। सूंड़ में दो घुमाव भी ना हों, मूर्ति खरीदते समय हमेशा गणेश जी के हाथ में मोदक वाली मूर्ति खरीदें। ऐसी मूर्ति सुख-समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है।
- गणेश जी की मूर्ति में उनके वाहन मूषक की उपस्थिति अनिवार्य है।
- लक्ष्मी की ऐसी मूर्ति न खरीदें जिसमें मां लक्ष्मी उल्लू पर विराजमान हों। ऐसी मूर्ति को काली लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है।
- लक्ष्मी की ऐसी मूर्ति ऐसी लेनी चाहिए जिसमें वो कमल पर विराजमान हों। उनका हाथ वरमुद्रा में हो और धन की वर्षा करता हो।कभी भी लक्ष्मी मां की ऐसी मूर्ति ना लेकर आएं जिसमें वो खड़ी हों। ऐसी मूर्ति लक्ष्मी मां के जाने की मुद्रा में तैयार माना जाता है।

मकान से 30 क्विंटल अवैध पटाखे पकड़े

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मूलगंज क्षेत्र में रोटी वाली गली में पुलिस ने छापेमारी की
- डीसीपी वेस्ट ने सिंहपुर पटाखा बाजार का किया निरीक्षण

अमृत विचार। मिश्री बाजार में हुए धमाके के बाद अवैध पटाखों के खिलाफ पुलिस का सर्चिंग अभियान जारी है। बुधवार को पूर्वी जोन सर्विलांस टीम व मूलगंज पुलिस ने संयुक्त रूप से रोटी वाली गली में एक मकान में छापा मारा, जहां से करीब 30 क्विंटल अवैध पटाखा बरामद हुआ।

एसीपी कलक्टरगंज आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि रोटी वाली गली निवासी मो. इफ्तिकार के घर में अवैध पटाखों के भंडारण की सूचना मिली थी। इस पर मूलगंज पुलिस के साथ सर्विलांस टीम ने छापा मारा। मकान में सर्च करने पर गत्तों में पैक करीब 30 क्विंटल अवैध पटाखा बरामद हुआ है। भंडारित पटाखों को कब्जे में लिया गया है। कौन-कौन से वैराएटी के पटाखे हैं, इसकी जानकारी की जा रही है। कार्रवाई की जा रही है।

दूसरी ओर डीसीपी वेस्ट दिनेश त्रिपाठी ने सिंहपुर में स्थापित अस्थायी थोक पटाखा बाजार का बुधवार को निरीक्षण किया। उन्होंने बाजार में अग्निशमन यंत्र व्यवस्था, प्रकाश और सुरक्षा का जायजा लिया।

5750 किलो मिलावटी खोवा मिट्टी में मिलाया

- **कानपुर।** दीपावली पर मिलावटी मिठाइयों की बिक्री रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को 5750 किलो मिलावटी खोवा जब्त किया गया। खोवा की कीमत 19.14 लाख रुपये है। जेसीबी से गड्ढा खोदकर खोवा को दबा दिया गया ताकि कोई उसका उपयोग न कर सके। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जिले के प्रवेश द्वार और बाजारों में विभिन्न इकाइयों में छापेमारी की। इसके साथ ही विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 9 नमूने संग्रहीत कर प्रयोगशाला भेजे गए। सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह ने बताया जांच टीम ने पनकी पड़ाव के पास 1,98,000 रुपये मूल्य का 550 किलोग्राम खोवा नष्ट किया। अभियान खोवा, पनीर, दूध, घी, मिठाई, नमकीन, तेल, अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए है।

गाय के दूध से बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर। विश्व हिंदू महासंघ का गौ रक्षा प्रकोष्ठ एवं स्वालंबन कार्यक्रम में चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ हेमंत मोहन ने गाय के दूध से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने, मूत्र से कैंसर का उपचार एवं गोबर से उर्वरा शक्ति पर प्रकाश डाला। सवाल उठाया कि क्यों न गाय के गोबर का औद्योगिकीकरण किया जाए व मूत्र से विभिन्न प्रकार की औषधियां बनाई जाएं। गोबर गैस एवं मूत्र को रासायनिक तरीके से परिवर्तित करके विभिन्न प्रकार के रोगों में सफलता मिल सकती है। चेन्नई से आए पंच द्रव्य विश्वविद्यालय के निरंजन वर्मा ने गाय के गोबर के उर्वरा शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कीटनाशक पदार्थ का प्रयोग न करें। गोबर से अनेक प्रकार के सामान बनाने से गरीब लोगों को रोजगार के साधन मिलते हैं। गौ रक्षा संत कबीर नगर के प्रदेश मंत्री श्याम नारायण तिवारी ने कहा कि गौ हत्या हर कीमत पर बंद होनी चाहिए। कार्यक्रम में अयोध्या मथुरा काशी प्रयागराज गुजरात चेन्नई गाजियाबाद दिल्ली नोएडा लखनऊ से 600 से अधिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, सनातन रक्षा वाहिनी के प्रकोष्ठ अध्यक्ष स्वामी हरिनारायण महाराज, गौ रक्षा प्रकोष्ठ प्रयागराज जिला अध्यक्ष सर्वेश शर्मा व नगर अध्यक्ष अंबर पांडे आदि मौजूद रहे। अमृत विचार

लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल का तोहफा

कानपुर। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी वितरण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

विधायक नीलिमा कटियार, सुरेन्द्र मैथानी व सरोज कुरील ने मंच से महिला लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का शुभारंभ 1 मई 2016 को बलिया जनपद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएं से आज़ादी दिलाना और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना है। वर्तमान में कानपुर नगर में कुल 1,90,356 लाभार्थी पंजीकृत हैं, जिनमें एचपीसीएल के 56,345, बीपीसीएल के 41,336 और आईओसीएल के 92,675 उपभोक्ता शामिल हैं। इस समय एक सिलेंडर की कीमत 868 रुपये है।

सरदार पटेल की जयंती के दिन सभी बूथों पर संगोष्ठी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

31 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक मनेगी सरदार पटेल जयंती

- प्रकाश पाल ने की बैठक, सभी बूथों पर संगोष्ठी व कार्यक्रम होंगे

अमृत विचार। भाजपा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सरदार@150 अभियान चलाएगा। पार्टी 31 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करेगी। बुधवार को भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय मुख्यालय में क्षेत्रीय टोली की महत्वपूर्ण बैठक क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने बताया कि भाजपा 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के दिन सभी बूथों पर संगोष्ठी आयोजित करेगी, ताकि सरदार पटेल के जीवन, विचारों और देश की एकता के लिए उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरदार@150 यूनिटी मार्च अभियान के तहत तीन प्रकार की यात्राएं लोकसभा स्तर, विधानसभा स्तर और बूथ स्तर पर

क्षेत्रीय कार्यालय में बैठक करते प्रकाश पाल। अमृत विचार

निकाली जाएंगी। इस अभियान के अंतर्गत दर्जनों कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें पदयात्रा, संगोष्ठी, प्रदर्शनी, जनसंपर्क और प्रेरक व्याख्यान प्रमुख रहेंगे। प्रकाश पाल ने आगे बताया कि 17 अक्टूबर को लखनऊ में अभियान से जुड़े संयोजकों, सह-संयोजकों, जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सहित वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र में इस संपूर्ण अभियान की जिम्मेदारी सुनील तिवारी पवन प्रताप सिंह एवं पूर्व पार्षद जितेंद्र सचान को सौंपी गई है।

सीपीआर देने का तरीका बताते डॉ. प्रदीप टंडन।

ब्रेन 3 मिनट ही बिना ऑक्सीजन के काम कर सकता

कानपुर। एसआईएस हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में बुधवार को जीवन रक्षक-सीपीआर पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें सीपीआर एक्सपर्ट डॉ. प्रदीप टण्डन ने हॉस्पिटल में स्टाफ व कार्यक्रम में आये हुये लोगों को सीपीआर की ट्रेनिंग देकर जागरूक किया। उन्होने बताया कि सीपीआर फर्स्ट एड टेक्निक्स की सबसे महत्वपूर्ण विधि है। हमारा ब्रेन 3 मिनट तक ही बिना ऑक्सीजन के काम कर सकता है। जब किसी व्यक्ति की हार्ट बीट बन्द हो जाती है या वो सॉस नहीं ले पा रहा होता है तो तुरन्त उसे आक्सीजन देने के लिये सीपीआर विधि से आक्सीजन दी जाती है।

काइनेटिक ग्रीन वाहन का पहला स्टोर विकास नगर में खुला

कानपुर। काइनेटिक ग्रीन की इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन का पहला शोरूम विकास नगर में बुधवार को शुरू हुआ। यह शोरूम काइनेटिक कानपुर की ओर से खोला गया है। शोरूम का उद्घाटन सांसद रमेश अवस्थी ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ही इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है। काइनेटिक कानपुर के मुखिया प्रमोद कुमार द्विवेदी द्वारा शहर में पहला शोरूम खोला गया है। हम उम्मीद करते हैं कि शहर में उनके द्वारा कई और शाखाएं वे खोलेंगे। प्रमोद कुमार द्विवेदी ने कहा कि शहर में एक वर्ष के अंदर उनकी कंपनी 15 सब डीलर बनाएगी। शोरूम में फिलहाल काइनेटिक ग्रीन ई लूना, ग्रीन ई जिंग आदि स्कूटी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर कंपनी के पार्टनर लव द्विवेदी, कुश द्विवेदी, प्रतीक द्विवेदी कुसुम दुबे, डॉ. रितु, राधिक भारद्वाज उपस्थित रहीं।

उद्घाटन करते सांसद रमेश अवस्थी।

सिटी डायरी

लाइट्स गैलरी 'लाइटिंग में 30 साल का अनुभव'

कानपुर। लाइट्स गैलरी 30 वर्षों के सफर में ग्राहकों को प्रोडक्ट क्वालिटी और रेंज के माध्यम से जो अनुभव एक छत के नीचे लाइट्स गैलरी में हुआ है। लाइट्स गैलरी लाजपत नगर कानपुर और हुसैन गंज लखनऊ में स्थित है। यह कहना है लाइट्स गैलरी के ओनर दीपक धवन और अभय धवन का। उन्होंने बताया कि जब भी फैंसी लाइटिंग और झूमरों की बात आए तो फिर लाइट्स गैलरी आपको देता है। स्वदेशी और विदेशी सभी लेटेस्ट ट्रेंडिंग डिजाइन्स उनके यहां मिलते हैं। उन्होंने बताया कि अब रियल एस्टेट से लेकर हर बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स में भी उनके यहां से उत्पाद जाने लगे हैं।

लाइट्स गैलरी में सजे हैं शानदार उत्पाद।

शोरूम का उद्घाटन किया गया।

परिवार ज्वेलर्स के नए शोरूम की शुरुआत गुमटी में

कानपुर। परिवार ज्वेलर्स ने अपने नए और बड़े शोरूम की शुरुआत बुधवार को की। गुमटी न.5 मेन रोड गुरु गोविन्द सिंह चौक पर खुले शोरूम की शुरुआत बलवंत माखीजा व दिनेश माखीजा ने सनातन परम्परा के तहत अपने माता पिता रामदास माखीजा, कमला माखीजा के कर कमलो द्वारा किया। इस अवसर पर परिवार ज्वेलर्स के निदेशक बलवंत माखीजा ने बताया हमारे यहाँ ज्वेलरी की अनूठी कारीगरी के आभूषण ग्राहकों को देखने को मिलेंगे। डायमंड ज्वेलरी में रिंग सेरेमनी से लेकर विवाह तक की सारी ज्वेलरी की भरपूर वैराइटी मिलेगी। इस अवसर पर परिवार ज्वेलर्स के युवा निदेशक विपुल माखीजा ने बताया पर्व तथा शादी के सीजन पर हर तरह की ज्वेलरी के नए कलेक्शन भी उपलब्ध है। यह भी बताया कि शोरूम में हल्की ज्वेलरी से लेकर भारी ज्वेलरी की भी अनेको रेंज उपलब्ध है। इसेक अलावा शोरूम में डायमंड, पोल्की, गोल्ड, सिल्वर, प्लैटिनम, जेमस्टोन, एम्एमटीसी गोल्ड, सिल्वर कॉइन, और गिफ्ट की रेंज भी उपलब्ध है।

विजयी बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

चित्रकला प्रतियोगिता हुई

कानपुर। सीएचएस एजुकेशन सेंटर, तात्या टोपे नगर में चौधरी हरमोहन सिंह यादव (पूर्व सांसद) की जयंती पर चित्रकला तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएचएस फाउंडेशन तथा परिसर में आए अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं ने गणेश वंदना की प्रस्तुति से की। इसके बाद विद्यालय के संरक्षक सुखराम सिंह यादव पूर्व सभापति, विधान परिषद व मोहित यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यति संकल्प संस्थान की सचिव नीतू सिंह मौजूद रहीं। कार्यक्रम में वायस ओवर आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह, बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बृज मोहन, स्कूल की प्रधानाचार्य ज्योति विज ने भी विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में बीएनडी के प्राचार्य डॉ. विवेक द्विवेदी, विश्राम सिंह यादव, पायल सक्सेना प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

कार्रवाई | सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले सकेंगे ये स्कूल

दो स्कूलों का यू-डॉयस नंबर निलंबित किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आरटीई में एडमिशन न लेने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार। अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को प्रवेश न देने पर शहर के दो निजी स्कूलों का यूडायस नंबर निलंबित कर दिया गया है। इन दोनों स्कूलों में डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल गोविन्द नगर और एस्कार्ट वर्ल्ड स्कूल केशवपुरम कल्याणपुर शामिल हैं।

नंबर निलंबित होने के बाद अब दोनो स्कूल सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। दोनो स्कूलों से जुड़े अभिभावक जनता दर्शन में लगातार अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे। इस दौरान जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया और बेसिक शिक्षा अधिकारी को दाख़िला कराने के निर्देश दिए। इसके बावजूद विद्यालय प्रबंधन ने कोई रुचि नहीं दिखाई। डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल में नियति मिश्रा और प्रनय सोनी को 30 दिसम्बर 2024 और 29 जनवरी 2025 को प्रवेश आवंटित हुआ था। कई बार नोटिस देने और 8 व 9 अक्टूबर को अंतिम चेतावनी देने के बावजूद विद्यालय प्रबंधन ने साफ कह दिया कि आरटीई के तहत कोई प्रवेश नहीं लिया जाएगा। इसी प्रकार एस्कार्ट वर्ल्ड स्कूल में दिव्यम श्रीवास्तव, मानवेन्द्र और मोहम्मद रेयान अख़्तर को आरटीई के तहत दाख़िला आवंटित हुआ था। विद्यालय ने तीनों बच्चों को प्रवेश नहीं दिया। 9 जून, 11 जुलाई और 19 सितम्बर 2025 को विभाग ने बार-बार नोटिस जारी किए, खंड शिक्षा अधिकारी शास्त्री नगर ने कई बार विद्यालय पहुंचकर प्रयास किया, लेकिन प्रधानाचार्या ने न तो दाख़िला लिया और न ही कोई जवाब दिया।

दोनों विद्यालय शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवंटित बच्चों का प्रवेश कराने में समुचित रुचि नहीं दिखा रहे हैं। डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल में इस वर्ष आरटीई के तहत 30 बच्चों को दाख़िले के लिए आवंटित किया गया था, लेकिन विद्यालय ने केवल 12 बच्चों को ही प्रवेश दिया। इसी प्रकार एस्कॉर्ट वर्ल्ड स्कूल में 35 बच्चों का आवंटन हुआ था, जबकि इनमें से मात्र 7 बच्चों का ही दाख़िला लिया गया जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम की मूल भावना के विरुद्ध है। इन स्कूलों में शेष बच्चों का प्रवेश न होने से अभिभावक लगातार परेशान हैं और डीएम सहित विभिन्न जन प्रतिनिधियों से मिलकर लगातार एडमिशन के लिए प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों की संस्तुति के बाद दोनों विद्यालयों के यू-डॉयस नम्बर निलम्बित कर दिए गए हैं। इस पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है।

स्वदेशी से ही बनेगा आत्मनिर्भर भारत

कानपुर। ब्रांडेड का मोह छोड़ स्वदेशी अपनाएं, देश को आत्मनिर्भर बनाएं यह बातें भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश पाल ने बुधवार को मोतीझील में चल रहे स्वदेशी मेले के अवलोकन के दौरान कही। मेले में पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं ने स्वदेशी वस्त्रों, घरेलू उत्पादों, सजावटी सामानों और हस्तशिल्प वस्तुओं की जमकर खरीददारी कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। श्री प्रकाश पाल ने मेले में स्वदेशी जनजागरण अभियान के अंतर्गत एक स्वदेशी चौपाल का भी आयोजन किया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई, महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता, केके सचान, पवन प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, अनिल दीक्षित, दीपू पांडे थे।

न्यूज ब्रीफ

गायत्री पूजन के बाद हुआ सुंदरकांड पाठ

उन्नाव। कालेज रोड स्थित गायत्री मंदिर में पूजन अर्चन के बाद सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। मंदिर व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि श्रद्धा व भक्ति सेवा में सुग्रीव के सेवक राम का आश्रय पाकर हनुमान बन गए। कहा कि सभी को सुंदरकांड पाठ करना चाहिए। यह रामचरित मानस का दिल है। इसीलिए इसका नाम सुंदरकांड रखा गया। इस दौरान अजय शुक्ला, छुन्ना पाण्डेय, राहुल दीक्षित, तिलक श्रीवास्तव, अशोक राय, गौरव, कन्हैया प्रजापति, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

10 हजार का फरार इनामिया पकड़ा गया

नवाबगंज। संपति के लालच में भाड़े के हत्यारे को चाची की हत्या के लिए 5 लाख की सुपारी देने वाले भतीजे को पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में उसने संपति के लालच में साजिश रचने की बात स्वीकार की है। बता दें कि अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बत्तूखेड़ा गांव निवासी शांति (70) पत्नी स्व. बलवंत सिंह अपने घर के बाहर किराना की दुकान किए थी। शनिवार देरशाम वह दुकान पर थी। तभी सामान खरीदने के बहाने हेलमेट लगाकर पहुंचे व्यक्ति ने उसका गला दबाकर मारने का प्रयास किया था। महिला ने अपने भतीजे लकी पुत्र लाल बहादुर पर हत्या की साजिश रचने की तहरीर दी थी।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक शव

उन्नाव। टीकमखेड़ा गांव निवासी रामविलास (25) पुत्र स्व. भीम्मा शराब का लती था। मजदूरी कर उसे जो रुपये मिलते थे वह भी नशे में उड़ा देता था। मंगलवार रात गांव में चल रही भागवत कथा से लौटे लोगों ने उसे देखा था। बुधवार सुबह उसका शव गांव के बाहर गमछे के फंदे से पेड़ पर लटका देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

मीरा बाई के भक्ति चरित्र से भावविभोर हुए श्रद्धालु

शुक्लागंज। शंकरपुर स्थित सन्नी गांव में चल रहे 19वें श्रीकृष्ण लीला महोत्सव के अंतर्गत बुधवार की शाम वृंदावन धाम से आए श्री बृज रास बिलास लीला संस्थान के विख्यात कलाकारों ने भक्तिमती मीरा चरित्र लीला का भव्य मंचन किया। मीरा बाई के भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट प्रेम, भक्ति और त्याग को दर्शाती इस लीला ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। स्वामी विष्णु कुमार दत्तात्रेय ने प्रसंग का विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

सिपाही लाइन हाजिर

शुक्लागंज। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने मंगलवार देर रात थाना गंगाघाट के अंतर्गत जाजमऊ चौकी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय सिपाही कृष्णानंद मौर्या ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए, जिसे गंभीर लापरवाही मानते हुए एसपी ने तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों को अनुशासन और जिम्मेदारी से कार्य करने की हिदायत दी गई।

लोक नगर में 450 घरों का रास्ता बंद

उन्नाव। शहर के लोक नगर रेलवे क्रॉसिंग के पास रहने वाले 450 परिवारों की एक 60-70 वर्ष पुरानी बस्ती के आवागमन का एकमात्र रास्ता रेलवे द्वारा बनाई जा रही सुरक्षा दीवार के कारण बंद हो गया है। लोगों ने सांसद से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। बता दें कि नगर पालिका द्वारा निर्मित खडंजा से जुड़ा यह रास्ता 25 मीटर की रेलवे परिधि में निर्माण होने से अवरुद्ध हो गया है। जिससे लोगों के लिए बड़ी समस्या उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों ने बुधवार को सांसद साक्षी महाराज को ज्ञापन देकर समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई है।

पति व सास-ससुर ने हथौड़े से वारकर की महिला की हत्या

दो मासूम बेटों के सामने हुआ खौफनाक मंजर, सूचना देने के बाद पति फरार, सास-ससुर हिरासत में

संवाददाता, शुक्लागंज

सीमा (फाइल फोटो)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव में बुधवार सुबह एक ऐसा दर्दनाक मंजर देखने को मिला जिसने हर किसी की रूह कंपा दी। दहेज के लोभ में एक विवाहिता की उसके ही पति और ससुरालीजनों ने सिर पर हथौड़े से वार कर निर्मम हत्या कर दी। मासूम बेटे मां को पिटता देख सहम गए, लेकिन बेबस निगाहों से सबकुछ देखते रह गए।

असीवन के अजमतनगर निवासी रामकुमार पुत्र बाबूलाल ने वर्ष 2018 में अपनी बेटी सीमा (28) की शादी गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव निवासी टायल्स पत्थर के कारीगर राजेश लोधी से की थी। जिनसे दोनों के दो बेटे सार्थक (5), नमन (4) हैं। शादी के बाद कुछ समय सब ठीक रहा, लेकिन जल्द ही दहेज की मांग और प्रताड़ना का सिलसिला शुरू हो गया। आरोप है कि राजेश नशे का आदी था और अतिरिक्त दहेज को लेकर अक्सर सीमा को मारता-पीटता था। बुधवार सुबह करीब नौ बजे फिर विवाद हुआ। गुस्से में आकर पति राजेश, सास जगराना और ससुर कमलेश ने मिलकर सीमा पर हमला बोल दिया। इस दौरान राजेश ने हथौड़ा उठाकर पत्नी के सिर पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी और मौके पर ही दम तोड़ दिया। हत्या के बाद

रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

मां की हत्या की जानकारी देते बच्चे। अमृत विचार

आरोपी पति ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद फरार हो गया, जबकि सास-ससुर को पुलिस ने मौके से हिरासत में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। इसके बाद सीओ सिटी दीपक यादव भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं जब बेटी का मृत शरीर देखकर पिता रामकुमार और मायके के लोग पहुंचे, तो उनके रोने की आवाज़ से माहौल गूंज उठा। पिता ने थरथराते हाथों से पुलिस को तहरीर देते हुए पति राजेश, ससुर कमलेश, सास जगराना, देवर गोविंद व बब्लू और ननद उर्मिला पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। सीओ सिटी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। मुख्य आरोपी पति राजेश की तलाश में दबिश दी जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिये पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं।

खून के सबूत मिटाने की कोशिश

हत्या के बाद पति और परिजनों ने वारदात के सबूत छिपाने का प्रयास किया। जिस जगह पर खून फैला था, वहां पानी डालकर धब्बे धो दिए गए। फर्श साफ करने के बाद भी दीवारों और दरवाजे पर खून के निशान साफ दिखाई दे रहे थे।

कांपती आवाज से बच्चों ने बताई सच्चाई

मृतका के दोनों छोटे बेटे डरे-सहमे खामोश बैठे थे। पूछे जाने पर एक ने हिम्मत जुटाकर कहा, 'पापा ने हथौड़े से मम्मी को मारा।' बच्चों की कांपती आवाज सुनकर वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

सिर पर 4 वार, चेहरे पर खरोंच के निशान

पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सीमा के सिर पर भारी वस्तु से सिर पर चार वार हुए व एक चेहरे पर गहरी चोटें मारी गई थीं। चेहरे पर दो खरोंच के निशान मिले हैं, जो संघर्ष की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि उस पर बेरहमी से हमला किया गया था।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषियों को मिली सजा

उन्नाव, अमृत विचार। किशोरी को बहलाकर ले जाने की साजिश करने व दुष्कर्म के दोषियों को कोर्ट ने सजा सुनाई है। इसमें दुष्कर्म के दोषी युवक को 7 साल व साजिश में शामिल दो महिलाओं समेत 3 दोषियों को 3-3 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सभी पर जुर्माना भी लगाया है।

बता दें कि आसीवन के एक गांव में रहने वाली दलित महिला ने उसकी नाबालिग बेटी को खेत से बहलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तहरीर के मुताबिक 21 जनवरी-2018 को महिला की नाबालिग बेटी खेत गई थी। जहां गांव में रहने वाली दो महिलाएं छाया व रामा ने किशोरी को बहलाकर अपने पास बुलाया और उसको अरविंद लोधी के हाथों 50 हजार रुपये में बेच दिया।

अरविंद अपने साथी छोटू उर्फ रामकिशोर निवासी नैनीखेड़ा सफीपुर किशोरी को बाइक में बैठा कर भाग निकला था। एफआईआर के आधार पर जांच कर रही पुलिस ने किशोरी को बरामद कर आरोपियों को जेल भेजा था। किशोरी का मेडिकल करा न्यायालय में कलमबंद बयान दर्ज कराए गए थे। जिसमें उसने अरविंद पर दुष्कर्म करने की बात कही थी।

अंबिका के खिलाड़ियों ने जीते 15 पदक

शुक्लागंज। अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने कानपुर डिस्ट्रिक्ट 37वीं क्योरगी एवं 9वीं पूमसे ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता 11 से 12 अक्टूबर तक स्कॉलर मिशन स्कूल, बिठूर रोड पर कानपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में हुई। खिलाड़ियों ने कुल 15 पदक जीते, जिनमें 5 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य शामिल हैं। स्वर्ण पदक विजेताओं में आरुल पांडे, तनिष्क बसाक, कौशिकी पांडे, ऋद्धिमा और सार्थक सिंह शामिल रहे। विद्यालय प्रबंधक अजय द्विवेदी और प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

भांजे के मुंडन में जा रहे युवक को डंपर ने रौंदा

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में बुधवार शाम एक हादसे में युवक की मौत हो गई। जुराखन खेड़ा निवासी गोरेलाल निषाद (18) पुत्र कल्लू निषाद गंगा बैराज में रहने वाली बहन के घर मुंडन संस्कार में शामिल होने जा रहा था, तभी कानपुर लखनऊ हाईवे स्थित त्रिभुवन खेड़ा चौराहा के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे गिट्टी लदे डंपर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए और गोरेलाल सड़क पर गिर पड़ा। तभी पीछे से आते डंपर के पहिए उसके ऊपर चढ़ गए, जिससे उसका कमर के ऊपर का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची जाजमऊ चौकी पुलिस ने बड़ी मशक्कत से शव के अवशेष एकत्र किए और पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने डंपर व उसके परिचालक को हिरासत में ले लिया है। जाजमऊ चौकी प्रभारी विनय यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना के बाद हाईवे पर करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

गोरेलाल (फाइल फोटो)

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

उन्नाव। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के फरहादपुर गांव निवास ओमप्रकाश सिंह (55) किसी काम से मंगलवार को उन्नाव आए थे। देररात लौटते समय कोतवाली क्षेत्र अजगैन-मोहान मार्ग पर गांव से थोड़ा पहले तेज रफ्तार अज्ञात वाहन उसकी बाइक में टक्कर मार कर भाग निकला। लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजन सिर में आई गंभीर चोट देख उसे इलाज के लिए लखनऊ ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर घर लौट आए। पति का शव देख पत्नी विमला बेहाल हो गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर नदी किनारे बुधवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से श्रमिक की मौत

बांगरमऊ: छत्तीसगढ़ के कोरबा जिला के वकबूढ़ा गांव निवासी गुरबाज (35) पुत्र सार्थिक कंवर बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था। बुधवार को देर शाम वह बांगरमऊ बाजार आया था। सामान खरीद कर पैदल लौटते समय नगर के संडीला मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार कर भाग निकला। उछलकर कर सड़क पर गिरने से उसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

सड़कों पर नहीं दिखने चाहिये गौवंश : साक्षी महाराज

दिशा की बैठक में मौजूद सांसद, विधायकगण व अधिकारी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। विकास भवन सभागार में सांसद साक्षी महाराज की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय व निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। इसमें सांसद ने विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। सांसद ने जल निगम की कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि जिले में 120 में सिर्फ 29 पानी की टंकिया ही क्रियाशील हैं। इसे निंदनीय बताते हुए उन्होंने उच्च स्तरीय जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सांसद ने जिले की 328 गौशालाओं के सुव्यवस्थित संचालन पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों पर गौवंश नहीं दिखना चाहिए। उन्होंने सभी गौशालाओं में विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करने को भी कहा।

मतपेटी में बंद हुआ 4 प्रत्याशियों का भाग्य

- सभासद उपचुनाव के लिये शांतिपूर्वक हुआ मतदान

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के किशोरी खेड़ा वार्ड में रिक्त सभासद पद के उपचुनाव में गहमा गहमी के बीच मतदान शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। सुबह से चारों बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही। एहतिहात के तौर पर सुरक्षा की दृष्टि से फोर्स तैनात रहा। वार्ड के 4275 में 1921 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बता दें कि नगर पालिका परिषद उन्नाव के किशोरी खेड़ा वार्ड-26 के भाजपा सभासद दिनेश कुशवाहा की 15 मार्च को हार्टअटैक से मौत हुई थी। राज्य निर्वाचन आयोग ने रिक्त सीट पर उपचुनाव की घोषणा की थी। बुधवार सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। शुरुआती समय में तो वोटिंग की रफ्तार सही रही लेकिन, दोपहर बाद बूथों पर सन्नाटा पसर गया। शाम 4 बजे के बाद फिर वोटिंग की रफ्तार बढ़ी। सपा उम्मीदवार लक्ष्मीकांत सहित 3 अन्य निर्दलीय प्रत्याशियों में रेखा, नीरज व सर्वेश का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया। मतगणना 17 अक्तूबर सुबह आठ बजे से होगी।

शिक्षकों ने बनाए मॉडल

डायट में प्रतियोगिता के मॉडल का अवलोकन करते निर्णायक मंडल के सदस्य।

उन्नाव, अमृत विचार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रेक्षाग्रह में जिला स्तरीय कला, क्राफ्ट पपेट्री प्रतियोगिता संयुक्त शिक्षा निदेशक व प्राचार्या विभा मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिले के 16 ब्लॉकों के शिक्षक व शिक्षिकाओं ने अपनी प्रतिभा व नवाचार स्रोतों के साथ प्रतिभाग किया। सभी ने सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक अपनी क्षमता कौशल से नवाचार स्रोतों को बनाया। जिनका अवलोकन प्रवक्ता अलका सचान व आभा यादव राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उन्नाव व रमेश चन्द्र गुप्ता प्रवक्ता राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज के साथ-साथ डाइट प्रवक्ताओं ने ब्लॉकों के शिक्षक व शिक्षिकाओं के नवाचार में वृद्धि करने वाले गुणात्मक व मात्रात्मक मॉडल, पोस्टर व प्रस्तुतीकरण के प्रदर्शन को देख व सुनकर परखा। कार्यक्रम प्रभारी अंजू यादव व डॉ. उमा प्रसाद पटेल द्वारा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्राथमिक स्तर भाषा में रुचि वर्मा बीघापुर प्रथम, मनीषा गुप्ता सिकंदरपुर सरोसी द्वितीय व आकांक्षा बाजपेई सफीपुर को तृतीय स्थान मिला। उच्च प्राथमिक स्तर में सामाजिक विज्ञान में मीनू गंजमुरादाबाद प्रथम, श्वेता शुक्ला सिकंदरपुर कर्ण द्वितीय व रेनू लोधी असोहा को तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता में वरिष्ठ प्रवक्ता प्रसेनजीत सिंह व प्रवक्ता हरेंद्र सिंह कुशवाहा आदि शामिल रहे।

छात्राओं ने एथलेटिक में जीते 4 स्वर्ण

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित ओम प्रकाश ज्वाला देवी इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की छात्राएं मुस्कान और नैंसी ने जिला माध्यमिक एथलेटिक प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय व जिले का मान बढ़ाया। दोनों छात्राओं ने 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में जिला चैम्पियन बनकर स्वर्ण पदक जीते, जबकि 800 मीटर दौड़ में पदक प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। प्रधानाचार्य हृदय राम वर्मा, परितोष कुमार, अभिषेक यादव, सुरेंद्र सिंह, रमेश कुमार, सुनील कुमार, वैभव कुमार दीक्षित, आसमा, विपुल अवस्थी सहित समस्त स्टाफ ने दोनों विजेताओं को बधाई दी और आगामी मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता की कामना की।

हर छात्र अपने पड़ोस के 5 वंचित परिवारों को दें दीपावली की सामग्री

- लखनऊ पब्लिक स्कूल ने की हर घर दिवाली अभियान की शुरुआत

उन्नाव, अमृत विचार। दीपों का पर्व अब केवल घरों तक नहीं बल्कि दिलों तक रोशनी बांटने का माध्यम बने। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ पब्लिक स्कूल (सीपी सिंह फाउंडेशन) ने अपने सामाजिक अभियान हर घर दीपावली के उद्देश्यों व गतिविधियों की जानकारी सेक्टर बी पीडी नगर उन्नाव शाखा में मंगलवार को आयोजित

प्रेस वार्ता के माध्यम से एलपीएस की एचआर हेड शुभांगिनी पाठक ने साझा की। इस अवसर पर अभियान का पोस्टर भी जारी किया गया। यह अभियान 20 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें छात्र, अभिभावक व स्थानीय नागरिक भागीदारी कर सकते हैं। कहा कि हमारा प्रयास है कि दीपावली केवल रोशनी का नहीं, बल्कि संवेदना व साझेदारी का पर्व बने। 'हर घर दीपावली के माध्यम से छात्र-छात्राएं सीख रहे हैं कि सच्ची खुशी तब मिलती है जब हम किसी और के जीवन में उजाला भरते हैं। हर छात्र अपने आसपास कम से कम 5 वंचित परिवारों तक दीये, मिठाई व जरूरी सामग्री वितरित करे ताकि समाज के हर हिस्से तक दीपावली का आनंद पहुंच सके। हर प्रतिभागी को प्रशंसा प्रमाणपत्र दिया जाएगा। लखनऊ पब्लिक स्कूल सेक्टर बी उन्नाव की हेड मिस्ट्रेस रजनी सिंह ने बताया कि प्रतिभागी अपने अनुभवों व तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं। एलपीएस की निदेशक डॉ. रश्मि पाठक ने कहा कि दीपावली का प्रकाश समाज के हर घर तक पहुंचे।

वार्ता करतीं एचआर हेड शुभांगिनी पाठक व अन्य। अमृत विचार

जयंती पर डॉ. अब्दुल कलाम को किया याद

उन्नाव। भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर विश्व छात्र दिवस के अवसर पर विकासखंड सफीपुर के कम्पोजिट स्कूल रनियामऊ में दौड़, निबंध व भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें छात्रों की प्रस्तुतियों ने शिक्षकों व अभिभावकों का मन मोह लिया। शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि विश्व छात्र दिवस का उद्देश्य शिक्षा के समान अवसरों को बढ़ावा देना, नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना व छात्रों के योगदान को सम्मानित करना है।

कांग्रेस ने किया माल्यार्पण: एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि कलाम साहब का नमन करते हैं। जिला उपाध्यक्ष हनुमत सिंह ने कहा कि एक साधारण परिवार में जन्मे कलाम देश के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद भी अपने विदाई समारोह में कुछ जोड़ी कपड़े और किताबों के साथ खुशी-खुशी विदा हुए।

दिखा जोश

'फ्रेश जेन फिएस्टा 2025' फ्रेशर्स पार्टी का किया गया आयोजन

असीस कौर के सुरों पर झूमे चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी के छात्र

उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी के कैंपस में बीती सोमवार रात 'फ्रेश जेन फिएस्टा 2025' फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन हुआ। इसमें नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं व नए सत्र का स्वागत करने के लिए छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इससे कैंपस में उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

इस अवसर पर मिमिक्री, मोनो एक्टिंग, इंडियन सोलो सिंगिंग, क्विज़ प्रीलिम्स, टैलेंट हंट व डिबेट आदि प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। फोक, क्लासिकल व वेस्टर्न डांस प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को रंगीन बना दिया। वहीं थिएटर एंड म्यूज़िक स्टेज पर आयोजित मॉडलिंग प्रतियोगिता व फाइन आर्ट्स सेक्शन में रंगोली, क्ले मॉडलिंग, कोलाज मेकिंग, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी आदि गतिविधियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों में श्रीयंक उपाध्याय को मिस्टर फ्रेशर और शोन मरियम को मिस फ्रेशर का खिताब दिया गया।

शाम को हुए कार्यक्रम में प्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर असीस कौर के सुपरहिट गीतों से कैंपस में मौजूद छात्र-छात्राएं झूमने को मजबूर हो गए। इस दौरान यूनिवर्सिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर जय इंदर सिंह संधू, सीयू यूपी के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. टीपी सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. अजय यादव मौजूद रहे।

फ्रेशर्स पार्टी में गीत प्रस्तुत करते कलाकार। अमृत विचार

मोबाइल की टार्च जलाकर झूमते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नीलम पत्नी महेन्द्र व महेन्द्र कुमार पुत्र रामचन्द्र निवासी ग्राम दसगवा परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 25-09-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थीगणों ने मोहल्ला नौंनिहालगंज उत्तरी बाँगरमऊ का एक भवन नम्बर 101 का 1/2 भाग श्रीमती नीलम पत्नी महेन्द्र ने बैनामा दिनांक 04-10-2021 व 1/2 भाग श्री महेन्द्र कुमार पुत्र रामचन्द्र ने बैनामा दिनांक 06-09-2023 को पत्नी व पति ने भवन विक्रेता श्री अजय पाल पुत्र जगनू निवासी नौंनिहालगंज उत्तरी परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव से खरीद लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब-रास्ता खड़ंजा चौड़ा 8 फिट व रास्ता खड़ंजा चौड़ा 8 फिट पश्चिम- प्लाट कृष्ण कान्ति व उपरोक्त उत्तर- प्लाट दीगर व मकान नीलम दक्षिण- प्लाट बिक्रेता व प्लाट श्रीकृष्ण सम्पूर्ण भवन की माप पूरब से पश्चिम 32 फिट उत्तर से दक्षिण 32 फिट कुल क्षेत्रफल 1024 वर्गफुट लगभग प्राथीगणो ने अपने उपरोक्त भवन को एक ही मे सम्पूर्ण भवन को दोनो लोगो नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यो के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हर्ष बर्धन गुप्ता व शिवांशु गुप्ता पुत्रगण स्व0 अशोक कुमार गुप्ता निवासी मोहल्ला नौंनिहालगंज कस्बा व परागना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनांक 27-09-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ पत्र व आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थीगणो के पिता श्री अशोक कुमार गुप्ता पुत्र नन्देश्वर प्रसाद गुप्ता के नाम से मोहल्ला नौंनिहालगंज बाँगरमऊ मे दो मकान भवन नम्बर 395 व 522 नगर पालिका अभिलेखों मे दर्ज है। प्रार्थीगण के पिता अशोक कुमार गुप्ता की मृत्यु दिनांक 05-06-2025 को हो जाने के उपरान्त उनके नाम दर्ज भवन को हम दोनों भाइयों ने आपस में सहमति से बटवारा कर लिया है। उसी मे निवास कर रहे है और उसी अनुसार भवन नम्बर 395 को तन्हा हर्ष बर्धन गुप्ता पुत्र स्व0 अशोक कुमार गुप्ता व भवन नम्बर 522 मे हर्ष बर्धन गुप्ता पुत्र स्व0 अशोक कुमार गुप्ता 25× 40 फिट मे व शिवांशु गुप्ता पुत्र स्व0 अशोक कुमार गुप्ता 20 × 60 फिट मे क, ख के रूप मे कर की अदायगी के लिए दोनो भाईयो के नाम दर्ज किये जाने की मांग की है। इस सम्बंध प्रार्थीगणो ने अपनी माता व बहनो से सहमति शपथ पत्र ले लिया है। पत्रावली पर उपलब्ध सक्ष्या आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ पत्र व आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अरविन्द कुमार पुत्र चंद्रशेखर निवासी मोहल्ला कटरा द्वितीय परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 25-09-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला कटरा द्वितीय बाँगरमऊ का एक किता प्लाट पूरब से पश्चिम 42 फिट उत्तर से दक्षिण 66 फिट कुल क्षेत्रफल 2772 वर्गफीट या 257.63 वर्गमीटर प्लाट विक्रेता श्रीमती बन्दना पुत्री स्व0 रामजीवन पत्नी स्व0ब्रजकिशोर उर्फ गुड्डू मुख्तार आम बब्लू पुत्र स्व0रामजीवन निवासी ग्राम सकरौली परगना एफ 84 तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 23-10-2024 को क्रय कर गोड़े का निर्माण करवा लिया है। उक्त गोड़े की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- रास्ता इण्टर लॉकिग चौड़ा 10 फिट पश्चिम- शेष रकबा बिक्रेता उत्तर-भूमि राजेन्द्र गुप्ता दक्षिण- मकान चन्द्रशेखर क्रेता के पिता प्रार्थी ने अपने उपरोक्त गोड़े को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यो के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

ताकत हमेशा सोचती है कि उसकी आत्मा महान है और उसके विचार कमजोर लोगों की समझ से परे हैं।
-जॉन एडम्स, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

दुर्घटना प्रसूत प्रश्न

जैसलमेर की भयावह बस दुर्घटना ने इस प्रश्न को पुनः केंद्र में ला दिया है कि वातानुकूलित स्लीपर बसें आग का गोला क्यों बन रही हैं। महाराष्ट्र और गुरुग्राम में ऐसी घटनाएं पहले भी घट चुकी हैं। हादसे के बाद जांच और बयान तो होते हैं, लेकिन इनके कारकों को दूर करने की कोई कोशिश नहीं होती। न तो निर्माण मानकों में सुधार होता है, न ही संचालन प्रणाली में। अधिकतर वातानुकूलित स्लीपर बसें निजी 'बॉडी बिल्डरों' द्वारा इस उद्देश्य से बनाई जाती हैं कि अधिकतम सवारियों के लिए जगह बने, ताकि खरीददार अधिक किराया और मुनाफा कमा सके। ऑपरेटर भी बसों को 'शानदार' दिखाने की होड़ में तय मानकों को ताख पर रख सुरक्षा की जगह क्षमता बढ़ाने पर जोर देते हुए मूल डिजाइन में बदलाव के साथ अतिरिक्त बर्थ, नकली एयर-कूलिंग पाइप और कई गैरजरूरी दिखावटी मनमाने मॉडिफिकेशन करवाते हैं। बसों में प्रयुक्त इंटीरियर और अन्य सामग्रियां ज्वलनरोधी होनी चाहिए, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता, जबकि इनसे निकला जहरीला धुआं जानलेवा होता है। मानक के अनुसार हर बस में दो निकास द्वार और छत पर आपातकालीन खिड़कियां अनिवार्य होनी चाहिए, परंतु अक्सर ये नहीं होतीं। आवाजाही की गैलरी भी बेहद संकरी होती है।

बिजली की अवैज्ञानिक वायरिंग, एयर-कंडीशनिंग सिस्टम की खराब देखभाल, सस्ती बैटरियों और घटिया इन्वर्टरों के इस्तेमाल के चलते एसी स्लीपर बसें लगातार असुरक्षित होती जा रही हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 2018 में बने 'बस बॉडी कोड' के तहत अग्निरोधी सामग्री, इमरजेंसी एग्जिट और फायर सप्रेशन सिस्टम का प्रावधान है, लेकिन इन मानकों को लागू करने की फिक्र किसे है। दरअसल, बसों के वास्तविक और कड़ाई से निरीक्षण का कोई प्रभावी तंत्र नहीं है, इसलिए यह लापरवाही बेरोकटोक जारी है। चीन ने तो तकरीबन डेढ़ दशक पहले ही अपने यहां स्लीपर एसी बसों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन भारत में ट्रेनों में सीट मिलने की अनिश्चितता और हवाई सफर के महंगा होने के कारण यह विकल्प शायद ही बंद किया जा सके।

इंसानी मौतों की कीमत पर यह विकल्प जारी रखना ही है, तो हमें अब सख्त कदम उठाने होंगे। सभी स्लीपर बसों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, दो आपातकालीन निकास और ज्वलनरोधी सामग्री को अनिवार्य किया जाए। आरटीओ और बीमा कंपनियों को बिना इन मानकों के बसों को सड़क पर उतरने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। दूरस्थ राजमार्गों पर दुर्घटनाग्रस्त बसों के लिए त्वरित राहत संभव नहीं होती, इसलिए बस निर्माण और संचालन दोनों में हवाई जहाज या मेट्रो ट्रेनों की तरह पूर्व-सुरक्षा उपायों के अंतरगत हर एसी बस की वार्षिक अग्नि-सुरक्षा जांच अनिवार्य करनी चाहिए। आरटीओ की जांच केवल कागजी खानापूरी बनकर न रह जाए। जब दुर्घटनाओं के कारण बार-बार एक जैसे निकलते हों, ये सारी कवायदें की जानी चाहिए? फिलहाल राज्य के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजा राशि घोषित कर दी, लेकिन क्या यही पर्याप्त है?

प्रसंगवश

लेखक, जिसने गढ़े उम्मीदों से भरे शब्द

साहित्य जब अपने नैतिक पतन की परिस्थितियों से जूझ रहा हो, तब उसके हिस्से 'नोबेल प्राइज' के आने का मतलब है, साहित्य लेखन को नए सिरे से रिर्चाज करना। नाउम्मीदी और निराशा के बीच उम्मीदों को शब्दों से उकेरने वाले विश्व विख्यात लेखक को इस मर्तबा नोबेल से नवाजने का एलान सुखद एहसास करवाने जैसा है। साहित्यक संसार हंगरी के राइटर 'लास्जलो क्रास्नाहोरकाई' को नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा से इसलिए खुशी जता रहा है कि उन्होंने नाउम्मीदी और हताशा को मिटाने के लिए मुकम्मल प्रयोगों पर अपनी लेखनी के जरिए ऐसा नायाब तरीका गढ़ा, जिसने साहित्यक विधा को नई उचाईंयां प्रदान कीं। उनके विजनरी लेखन ने सफलता और कयामत के ऐसे बेजोड़ आयाम गढ़े हैं, जो भविष्य के रुचिकर भावी रचनाधर्मियों को साहित्यक पन्नों को उकेरने में मदद करेंगे।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

5 जनवरी 1954 को हंगरी के छोटे से शहर 'ग्युला' में जन्मे लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को बचपन से साहित्य से प्यार था, कम उम्र से ही लेखन कार्य आरंभ कर दिया था। उन्होंने अपनी तमाम शिक्षा साहित्य विषय में पूरी की। निराशा से कैसे उभरें और अपने भीतर पनपे नकारात्मक पक्ष को कैसे सेतु बनाकर सकारात्मक दृष्टि में तब्दील करें, को अपनी रचनाओं में प्रयोग किया, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। नए-नए शब्दों को गढ़ना और उनके शाब्दिक अर्थों को साहित्य में इस्तेमाल करने की रचनात्मक क्षमताओं को आंक कर ही वैश्विक बुद्धिजीवियों ने नोबेल सम्मान देने का निर्णय किया। पुरस्कार के एलान के बाद तुरंत स्वीडिश एकेडमी का ये कहना कि नोबेल पुरस्कार लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को व्यक्तिगत तौर पर नहीं, बल्कि उनके प्रभावशाली व विजनरी लेखन को समर्पित किया गया। लेखक के लिए एकेडमी ने बिल्कुल सटीक आकलन किया। हंगरी के नाम ये दूसरा नोबेल प्राइज है, इससे पहले वर्ष-2002 में एक और राइटर 'इमरे जींस केर्टेस्ज' को मिला था।

बहरहाल, क्रास्जनाहोरकाई को उनकी दूरदर्शी, सर्वनाशकारी और दार्शनिक कृतियों के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। उन्हें करीब 10 करोड़ और तीन लाख रुपये बतौर पुरस्कार के तौर पर मिलेंगे। अभी मिले नहीं हैं, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने उस राशि को हंगरी के 'साहित्यक डेवेलेपमेंट विंग' को देने की घोषणा कर दी है। उस धनराशि का पुस्तकालय बनें, ऐसी इच्छा क्रास्नाहोरकाई ने जताई है। क्रास्नाहोरकाई को उनकी सरल सादगी के लिए दुनिया जानती है। साहित्य, दो वक्त की रोटी, बेहद सामान्य जीवन के सिवा और कुछ उन्हें नहीं चाहिए? लास्जलो मौजूदा वक्त में यूरोपीय साहित्य के उन दुलर्भ, अलहदा और बिरले लेखको में शुमार हैं, जिन्होंने हताशा के मध्य सफलता की नायाब भाषा को गढ़ा है।

नोबेल विजेता क्रास्नाहोरकाई की लेखनी सदैव जीवित इंसान के अंत और नैतिक पतन की परिस्थितियों में मेल खाती हैं। साहित्यक लेखन में बदलाव की दरकार है, नए सिरे से गढ़ने की आधुनिक समय में जरूरत है, जिसे शिद्दत से क्रास्नाहोरकाई ने अपने रचनाओं में दर्शाया है। नोबेल प्राइज मिलने से पूर्व क्रास्नाहोरकाई को 2015 में 'बुकर इंटरनेशनल' अवार्ड मिला था। वहीं 2019 में अमेरिका का प्रसिद्ध 'नेशनल बुक अवार्ड' से भी नवाजे गए। इसके अलावा तीन दर्जन अवार्ड ऐसे मिले हैं, जो साहित्यिक क्षेत्र में बड़े माने जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कारों की राशि उन्होंने औरों में बांटी, अपने पास कुछ भी नहीं रखा।

देवभूमि के गांवों में फिर जलें खुशियों के दीप

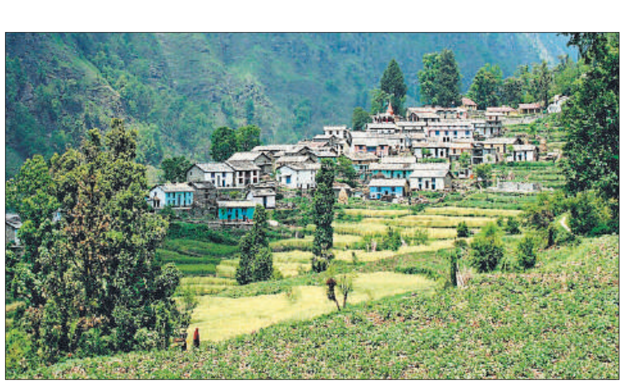

अमित शर्मा
हल्द्वानी

नौ नवंबर 2025 को हमारा उत्तराखंड 25 साल का हो जाएगा। इस लंबे अंतराल में इस छोटे से पर्वतीय राज्य ने तमाम उतार-चढ़ाव देखे। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य और केंद्र सरकार ने तमाम योजनाओं से लोगों की आर्थिकी को बेहतर करने का प्रयास किया और कर भी रही है, लेकिन भौगोलिक दुर्गम परिस्थितियां तो कहीं अन्य कारणों से, आज भी मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों की कमी अक्सर देखी जाती है। ऊपर से वर्ष के छह महीनों में आपदा कब अपना रौद्र रूप दिखा दे, कुछ नहीं कहा जा सकता। राजनीति के तरकश में कहने को तो कई तीर होंगे, लेकिन तमाम समस्याओं को समेटे एक बड़ा मुद्दा जो संवेदनशील बना, वह पलायन रहा।

यह प्रार्थना करना बहुत जरूरी है कि देवभूमि उत्तराखंड उसी अपने दिव्य-भव्य स्वरूप में लौट आए और इस दीपावली उन वीरान दिलों में भी खुशियों के दीप जलें, जो कभी देवभूमि के गांवों में खिलखिलाते थे। राज्य स्थापना दिवस को मनाना भी तभी सार्थक होगा और इसका असली मकसद भी तभी पूरा माना जाएगा, जब सुविधाओं के अभाव और रोजी-रोटी की तलाश में अपनी मातृ भूमि को त्याग कर गया हर एक व्यक्ति वापस पहाड़ों को लौट आए, यानी रिवर्स पलायन की रफ्तार और तेजी पकड़े।

जब भी कोई खास त्योहार आता है, तो हमारा प्रयास रहता है कि उसे अपने गांव, शहर, राज्य में अपनों के बीच मनाएं। वहां, जहां की मिट्टी से आज भी जुड़ाव हो, हमारी जड़ें जमी हों, हमारा बचपन बीता हो। स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क न होने जैसी तमाम दुश्वारियों के चलते आज अपनी मिट्टी से अलग हुए और दूसरे राज्यों में नौकरी या व्यापार करने वालों का मन यह सोचकर जरूर दुखी होता होगा कि काश! इस दिवाली हम अपने गांव में अपने ईष्ट मित्रों के साथ मनाते।

पहाड़ों से युवाओं का पलायन नगरीय क्षेत्रों के समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स होने लगा है। नैनीताल समेत समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई लोग हैं, जो महानगरों की चकाचौंध छोड़कर घर वापसी कर चुके हैं।

उत्तराखंड राज्य में एक समय ऐसा भी रहा, जब मूलभूत सुविधाओं के अभाव में पलायन के चलते गांवों की सुनसानी ने तेजी पकड़ी। ऐसे वीरान हुए गांवों की लंबी-चौड़ी संख्या रही, जहां कहीं एक भी इंसान न होने पर, जिन्हें आम भाषा में भूतिया गांव भी कहा जाने लगा, तो कहीं पहाड़ों की गोद में बसे गांवों में गिनती भर के लोग रह गए, हालांकि कोरोना आपदा में भी सुखद पहलू यह रहा कि रिवर्स पलायन का चलन तेजी से बढ़ा। पलायन निवारण आयोग भी बनाया गया।

शहरों से अपनी मिट्टी में लौटे पहाड़वासियों के कदम रोके रखने को और अभी भी दूसरे राज्यों/शहरों में रह रहे लोगों को आकर्षित करने के लिए सरकार ने रोजगार सृजन के कई उपाय खोजे। खासतौर से कृषि, बागबानी और स्वरोजगार के माध्यम से, बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके गांव में जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया। भले ही वह किसी भी तरह का स्टार्टअप-होम स्टे, सोलर प्लांट, कृषि एवं बागबानी, डेयरी फार्म, पशुपालन, दुकान समेत अन्य व्यवसायों व उद्यमों से जुड़ा रहा हो। एक अनुमान के मुताबिक सरकारी प्रयासों के चलते 5000 से ज्यादा लोगों ने रिवर्स पलायन किया।

यह भी सुखद है कि उत्तराखंड के लिए केंद्र सरकार ने कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। चाहे आपदा का समय हो या रिवर्स पलायन की बात, राज्य और केंद्र सरकार ने मिलकर हर मोर्चे पर बेहतर काम किया। अब आपदा पर तो किसी का बस नहीं है, लेकिन समय रहते उसके प्रभाव को कम तो किया ही जा सकता है, उसी तरह से सरकारी योजनाओं को और लचीला बनाकर और नई योजनाओं को धरातल पर उतारकर रिवर्स पलायन की गति बढ़ाकर राज्य स्थापना दिवस को और दिव्य-भव्य बनाने की दिशा में काम किया जा सकता है, ताकि पहाड़ के हर गांव में केवल दिवाली ही नहीं, बल्कि होली, फूलदेई, घुघुतिया, हरेला, सातूं-आठूं, घी संक्रांत, चैत्र में झोड़े जैसे पारंपरिक लोक पर्वों को दोबारा से जीवंत किया जा सके।

पहाड़ों से युवाओं का पलायन नगरीय क्षेत्रों के समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स होने लगा है। नैनीताल समेत समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई लोग हैं, जो महानगरों की चकाचौंध छोड़कर घर वापसी कर चुके हैं और अपना स्वरोजगार अपनाकर सुकून का जीवन यापन कर रहे हैं। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में रहना कोई आसान नहीं है और पहाड़ों से पलायन का दौर भी कोई नई बात नहीं है। यह स्वतंत्रता के बाद से ही शुरू हो चुका था, लेकिन इसमें तेजी 80 के दशक से आई। पलायन की सबसे बड़ी समस्या बुनियादी सुविधाओं का नितांत अभाव रहा। खेती बाड़ी पर जीवन निर्भर हुआ करता था। इसके अलावा किसी दूसरे रोजगार की कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। शिक्षा, चिकित्सा व रोजगार भी पलायन का एक बड़ा कारण रहा, जिसके चलते समय के साथ गांव के गांव खाली होते चले गए और यह दूर अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी जारी है, लेकिन अब स्थितियां बदलने लगी हैं।

नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा व चंपावत जिले के समीपवर्ती क्षेत्रों से पलायन कर चुके लोग वापस लौटने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह सड़क, पानी व बिजली जैसी सुविधाओं का विकास है। साथ ही, आजीविका के लिए पर्यटन अब सबसे बड़ा सहयोगी बनकर उभरा है, जिसने घर से कोसों दूर लोगों को महानगरों से वापस लौटने के लिए मजबूर किया है। इसके अलावा यहां के प्राकृतिक उत्पादों के श्रोत भी शामिल हैं, जिनमें फल, दालें और जड़ी-बूटियां प्रमुख रूप से शामिल हैं। साथ ही, अनेक सरकारी योजनाएं हैं, जो पलायन रोकने के साथ लोगों को घर वापसी को बाध्य कर रही हैं। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गईं ऋण योजनाएं भी इसमें काफी सहायक बनी हैं, जिनमें सब्सिडी के साथ ऋण उपलब्ध होता है। साथ ही, मुद्रा ऋण योजना भी आर्थिक रूप से सहयोगी साबित हुई है।

आमने सामने

पिछले लंबे समय से दिल्ली एनसीआर को दीपावली के पावन पर्व पर पटाखों से वंचित रखा जाता था? एक ही धर्म के ऊपर ऐसा अत्याचार क्यों किया जा रहा था? जबकि पूरी दुनिया में इजाजत है। मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करता हूं।
-मनजिंदर सिंह सिरसा
पर्यावरण मंत्री, दिल्ली

बीजेपी सरकार प्रदूषण को लेकर सिर्फ बयानबाजी कर रही है। गाड़ियों और पराली के प्रदूषण को कैसे रोकेंगे यह किसी को नहीं पता। जब पटाखे नहीं आए थे, तब क्या दिवाली नहीं मनाई जाती थी? चार इंजन की सरकार को प्रदूषण रोकने पर ध्यान देना चाहिए। **-गोपाल राय,** आप नेता

गहरी हैं भारत-अफगानिस्तान संबंधों की जड़ें

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोलवी अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा ने पुरानी दोस्ती में नई जान फूंक दी है। मुत्तकी राजधानी दिल्ली आए थे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से विस्तृत चर्चा की। यह 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी वरिष्ठ नेता की पहली भारत यात्रा है। इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को 'साझा खतरा' बताया, जबकि तालिबान ने 2025 के पहलगाम हमले की निंदा की।

भारत-अफगानिस्तान संबंध शताब्दियों की परीक्षा से गुजरे हैं। प्राचीन बौद्ध विरासत से आधुनिक बुनियादी ढांचे तक, ये बंधन लचीले साबित हुए। मुत्तकी की यात्रा मानवतावादी सहायता को कूटनीतिक संवाद में बदलने का अवसर है। जैसे अशोक के शिलालेख आज भी बोलते हैं। दोनों देशों को आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसे साझा मुद्दों पर एकजुट होना होगा। यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए जरूरी है, बल्कि साझा इतिहास की मांग भी है।

मुत्तकी की यह यात्रा केवल वर्तमान की राजनीति नहीं, बल्कि भारत-अफगानिस्तान के गहन ऐतिहासिक बंधनों की याद दिलाती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक विकास परियोजनाओं तक, ये संबंध सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक धागों से बुने गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे। सिंधु घाटी सभ्यता (लगभग 3300-1300 ईसा पूर्व) के अवशेष अफगानिस्तान के उत्तरी भागों में भी मिलते हैं, जो व्यापारिक मार्गों के माध्यम से जुड़े हुए थे।

भारत-अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे।

चंद्रगुप्त मौर्य के समय (305 ईसा पूर्व) यह संबंध औपचारिक रूप ले चुके थे। सेल्यूकस निकेटर ने अफगान क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिया, बदले में 500 हाथी और वैवाहिक संबंध प्राप्त किए। सम्राट अशोक (268-232 ईसा पूर्व) ने अफगानिस्तान को बौद्ध धर्म का केंद्र बनाया। कंधार में उनके शिलालेख आज भी मौजूद हैं, जो धम्म के प्रचार की गवाही देते हैं। मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद भी, इंडो-ग्रीक और कुशान साम्राज्यों ने इस क्षेत्र को भारतीय उपमहाद्वीप से जोड़े रखा। कुषाण शासक कनिष्क (मध्य पहली शताब्दी) ने बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित किया, जिसका प्रभाव गंधार कला में दिखता है।

ये प्राचीन संबंध केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक थे। व्यापार मार्गों ने मसाले, रत्न और विचारों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया, जो आज भी दोनों देशों की साझा विरासत को दर्शाता है। मध्यकाल में अफगानिस्तान भारत के लिए अवसर और चुनौती दोनों रहा। 10वीं शताब्दी से गजनवी, गौरी, खिलजी, लोदी और मुगल जैसे अफगान मूल के वंशों ने उत्तरी भारत पर आक्रमण किए, जो राजनीतिक उथल-पुथल लाए, लेकिन सांस्कृतिक समन्वय भी। महमूद गजनवी (998-1030) के आक्रमणों ने सोमनाथ मंदिर को लूटा, लेकिन उन्होंने फारसी साहित्य और वास्तुकला को भारत में रोपा। गौरी वंश (12वीं शताब्दी) ने दिल्ली सल्तनत की नींव रखी, जो अफगान शासकों द्वारा संचालित थी।

मुगल काल (1526-1858) में यह संबंध और गहरा हुआ। बाबर, अफगान मूल का था। 18वीं शताब्दी में अहमद शाह दुर्रानी ने अफगान साम्राज्य स्थापित किया, जिसने पंजाब तक विस्तार किया, लेकिन महाराजा रणजीत सिंह के सिख साम्राज्य ने इसे रोका। इस काल में आर्थिक लेन-देन फला-फूला। अफगानिस्तान के सूखे मेवे, घोड़े और ऊनी वस्त्र भारत पहुंचे, जबकि भारतीय वस्त्र और मसाले अफगान बाजारों में बिके। सांस्कृतिक रूप से, सूफी संतों जैसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर) ने दोनों क्षेत्रों को जोड़ा, हालांकि आक्रमणों ने तनाव पैदा किया, लेकिन ये संबंध विनाशकारी नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी साबित हुए।

19वीं शताब्दी में ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने इन संबंधों को नया मोड़ दिया। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत पड़ोसी थे, लेकिन 'ग्रेट गेम' में रूस के साथ ब्रिटेन की होड़ ने अफगानिस्तान को बफर राज्य बना दिया। भारत ने अफगानिस्तान के साथ 1950 में 'मैत्री संधि' पर हस्ताक्षर किए, जो शांति और राजनयिक संबंधों की गारंटी थी। 1973 में मोहम्मद दाऊद खान के गणतंत्र को मान्यता दी गई, लेकिन 1979 के सोवियत आक्रमण ने संबंधों को जटिल कर दिया। भारत ने सोवियत-समर्थित सरकार को मान्यता दी। मुजाहिदीन को पाकिस्तान का समर्थन था, जिससे भारत-पाक तनाव बढ़ा। 1989 में सोवियत वापसी के बाद नागरिक युद्धों में भारत ने नजीबुल्लाह सरकार का साथ दिया।

दोनों देशों के 1996-2001 में तालिबान शासन के दौरान संबंध बेहद खराब हो गए। बेशक,1999 के इंडियन एयरलाइंस अपहरण कांड ने तनाव बढ़ाया। तालिबान द्वारा बामियान बुद्धों का विध्वंस भारत में आक्रोश का कारण बना। 2001 के अमेरिकी आक्रमण के बाद संबंध पुनर्जीवित हुए। भारत ने तीन अरब डॉलर से अधिक की अफगानिस्तान की सहायता दी।

सोशल फोरम

सिले हुए धागे जैसा लंबा फैला हुआ शहर

यानजिन, चीन का एक ऐसा शहर जिसे पृथ्वी पर सबसे पतला शहर कहा जा सकता है। दो खड़ी पहाड़ी दीवारों के बीच कसकर बसा और नानक्सी नदी को गले लगाता हुआ खूबसूरती से भरा शहर।

यानजिन एक शहर से ज्यादा एक रिबन जैसा दिखता है। कुछ जगहों पर, यह मुश्किल से 30 मीटर चौड़ा है, फिर भी यह घाटी में सिले हुए धागे की तरह लंबा फैला हुआ है।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

यहां घर ऊंचे-ऊंचे बने हैं, सड़कें सिंगल लेन की हैं और जगह? यह एक विलासिता है, लेकिन यहां के लोग ऊर्ध्वाधर जीवन, लटके हुए रास्तों और स्मार्ट सिटी प्लानिंग के साथ इसे संभव बनाते हैं, जो हर चीज को कल्पनीय रूप से सबसे छोटे पदचिन्ह में फिट करता है।

यहां के लोग इस सीमित जगह में ऊर्ध्वाधर (vertical) रूप से इमारतें बनाकर और स्मार्ट सिटी प्लानिंग का उपयोग करके रहते हैं। यह अपनी अनोखी बनावट के कारण पर्यटकों और फोटोग्राफरों के लिए एक दिलचस्प जगह बन गया है। हर साल बड़ी संख्या में यहां लोग आते हैं।

ऊपर से देखने पर, यानजिन एक पोस्टकार्ड में सिमटे हुए शहर जैसा अवास्तविक लगता है। यह जिज्ञासु यात्रियों और उन फोटोग्राफरों के लिए एक छिपा हुआ रत्न बन गया है, जो ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जो नियमों का पालन नहीं करतीं।

एक सच्ची याद दिलाता है- आपको एक पूरा जीवन बनाने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए।

सामयिकी

नारी का तिरस्कार करती वोट की राजनीति

2023 में पारित हुए महिला आरक्षण बिल को भले ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया गया हो, पर सच ये है कि सियासत में नारी की शक्ति का सम्मान नहीं, इस्तेमाल दिखाई देता है। अपमान, शोषण, तिरस्कार और नारी को कमजोर और प्रलोभन में आने वाला समझने की भूल कर रहे हैं राजनीतिक दल। भले ही देशभर की ज्यादातर परीक्षाओं में लड़कियां बाजी मारती रही हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के पैमाने में महिलाएं सिर्फ एक वोट बैंक हैं, जो रेवड़ियों के प्रलोभन में चुनावी बेड़ा पार लगा सकती हैं।

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय राजनीति में महिला सशक्तिकरण के नाम पर चुनाव से पहले महिलाओं को रेवड़ियों की तरह कैश बांटने की घोषणा होती है। अब तो ये आलम है कि चुनावी तारीखें की घोषणा यानी आचार संहिता से महीने-दो महीने पहले महिलाओं को रकम बांट दी जाती है। जैसा कि हालिया बिहार चुनाव की घोषणा से पहले नीतीश सरकार ने महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपये डाल दिए। बिहार सरकार इस मद में पांच हजार करोड़ का खर्च महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए कर रही है, या चुनाव से महीना-दो महीना पहले दी गई ये राशि महिलाओं का वोट हासिल करने का चारा है? इस सवाल का जवाब कई सवालों के जवाबों से मिलेगा। प्रश्न कई हैं। चुनाव के पहले ही महिला सशक्तिकरण की याद क्यों आती है। बेरोजगार युवकों की भरमार में युवकों के स्वरोजगार की फिक्र क्यों नहीं?

सीमा चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

क्या महिला स्वरोजगार सृजित करने का कोई मानक निर्धारित होता है। विभिन्न सूबों में इस तरह की चुनावी योजनाओं में धन वितरण के बाद क्या इस बात की समीक्षा रिपोर्ट पेश की गई कि महिलाएं स्वरोजगार इत्यादि में कितना आगे बढ़ीं! देश और प्रदेशों पर दिनों-दिन कर्जा और रेवड़ियों की तरह कैश बंटने का रिवाज साथ-साथ बढ़ता जा रहा है। दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात, बिहार इत्यादि राज्यों में महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर महिला वोट बैंक का लाभ लेने के लिए खूब सच्ची-झूठी घोषणाएं होती रहीं। चुनावी प्रलोभन में हजारों करोड़ का कैश बांटने का रिवाज थमने का नाम नहीं ले रहा है। न इसमें चुनाव आयोग आपत्ति कर रहा है और न ही इस चुनावी रिवाज पर कोई दमदार तरीके से न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहा है।

बड़ा सवाल ये है कि पुरुष प्रधानता में अव्वल राजनीतिक दल महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा अधिक प्रलोभन का शिकार बनाना चाहते हैं। क्या ये समझते हैं कि महिलाएं प्रलोभन में आसानी से आ जाती हैं! शिक्षा से लेकर योग्यता और प्रतिभा के पैमानों में पुरुषों से चार कदम आगे चलने वाली महिलाओं को क्या वोट की ताकत का अंदाजा नहीं, जो वे रेवड़ियों के प्रलोभन से प्रभावित हो जाएंगी! चुनावों से पहले महिलाओं के खाते में चंद हजार रुपये डाल देने से क्या वाकई नारी सशक्तिकरण हो जाएगा?

पुरुष प्रधान सियासतदानों ने महिलाओं को मजाक समझ लिया है। सत्ता बनाने में पुरुष और महिलाओं की वोटिंग का योगदान फिफ्टी-फिफ्टी है, लेकिन सियासत में हिस्सेदारी पंद्रह फीसदी भी नहीं। आजादी के सात दशक बाद 33% महिला सीटें आरक्षित करने वाला विधेयक पास भी हुआ, तब भी जनगणना/परिसीमन इत्यादि के तकनीकी कारणों से इसे लागू होने में अरसा लग जाएगा। पंचायती राज संस्थाओं (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद) में महिलाओं के लिए पहले से ही 33% सीटें आरक्षित हैं, पर किस तरह पुरुष अपनी पत्नी या मां इत्यादि को डमी की तरह इस्तेमाल कर पूरी राजनीति और पदों पर अप्रत्यक्ष रूप से काबिज रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730*इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अमृत विचार
कैम्पस

यह सच है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते उपयोग के साथ बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या एआई उनकी नौकरियों को खतरे में डाल सकता है। यह एक सामान्य चिंता है, लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है। दरअसल, एआई टूल्स, जैसे चैटजीपीटी, टास्क ऑटोमेशन, डेटा प्रोसेसिंग और अन्य एआई-संचालित टूल्स की मदद से काम करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एआई इंसानों की जगह ले सकता है, बल्कि यह कह सकते हैं कि एआई इंसानों के काम करने के तरीके को और भी स्मार्ट व प्रभावी बना रहा है। एआई टूल्स को भी कुछ दिशा-निर्देश देने होते हैं। इन दिशा-निर्देशों को प्रॉम्प्ट कहा जाता है और अच्छा प्रॉम्प्ट लिखकर एआई से आसानी से काम करवाया जा सकता है। इसलिए अच्छा प्रॉम्प्ट लिखने के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियर की जरूरत पड़ती है और आज मार्केट में प्रॉम्प्ट इंजीनियर की मांग तेजी से बढ़ रही है। आइए आपको बताते हैं क्या है प्रॉम्प्ट इंजीनियर और इसमें अपना करियर कैसे बना सकते हैं। *-फीचर डेस्क*

प्रॉम्प्ट इंजीनियर से बनाएं एआई में भविष्य

क्या है प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

- प्रॉम्प्ट इंजीनियर का मतलब है एआई को ऐसे निर्देश देना कि वह हमारी जरूरत के हिसाब से सही और उपयोगी कंटेंट दे सके। उदाहरण के लिए अगर आप चैट जीपीटी से ब्लॉग पोस्ट या मार्केटिंग कंटेंट बनवाना चाहते हैं, तो सही प्रॉम्प्ट देने से ही एआई आपकी स्टाइल और टोन में काम को तैयार करेगा। इस कोर्स में आप सीखते हैं कि कैसे एआई को निर्देश दें, कैसे डेटा को सही तरीके से इनपुट करके और मनमुताबिक रिजल्ट पाएं। साथ ही इसमें एआई की सीमाओं और एथिकल यूज के बारे में भी सिखाया जाता है, ताकि आप जिम्मेदारी से एआई का इस्तेमाल कर सकें।

कोर्स करने के फायदे

- प्रोफेशनल स्किल्स में सुधार : प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखकर आप न केवल एआई टूल्स का सही उपयोग करना सीखेंगे, बल्कि आपको डेटा को सही तरीके से इनपुट करने और एआई के द्वारा दिए गए परिणामों को अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रयोग करने कर सकते हैं।

करियर के नए अवसर

- एआई क्षेत्र में करियर बनाने का यह एक बेहतरीन मौका है। प्रॉम्प्ट इंजीनियर बनने से आप न केवल नए तकनीकी क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर सकते हैं, बल्कि बढ़ते हुए एआई उद्योग का हिस्सा भी बन सकते हैं।

सही प्रॉम्प्ट का प्रभाव

यदि आप चैटजीपीटी से ब्लॉग पोस्ट, मार्केटिंग कंटेंट या कोडिंग के लिए मदद लेना चाहते हैं, तो सही तरीके से प्रॉम्प्ट देना जरूरी होता है। बिना सही प्रॉम्प्ट के एआई से अपेक्षित रिजल्ट नहीं मिल पाता। यह जैसे एक निर्देश देने का सही तरीका है।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का महत्व

एआई की सीमाएं और एथिकल यूज

- सही प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखने से आप यह भी समझ सकते हैं कि एआई का सही और नैतिक तरीके से इस्तेमाल कैसे किया जाए। एआई से गलत या असंवेदनशील जानकारी प्राप्त करने से बचने के लिए इस क्षेत्र में एथिकल गाइडलाइंस पर भी ध्यान दिया जाता है।

कैसे करें प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग कोर्स

- अब इस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने के लिए कई प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध हैं। कोर्सेरा, उडेमी और लिंक्डइन लर्निंग : ये प्लेटफॉर्म्स शुरुआत से लेकर एडवांस्ड स्तर तक के कोर्सेस ऑफर करते हैं और आपको सर्टिफिकेट भी प्रदान करते हैं।

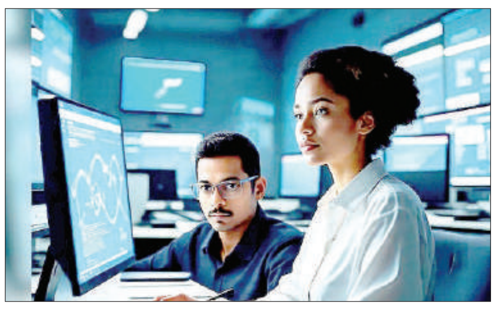

आईआईटी शॉर्ट टर्म कोर्सेज

- कुछ प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी पटना एआई और एमएल से जुड़े कोर्सेज भी पेश करते हैं। आईआईटी का 6 महीने का एआई एमएल कोर्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। संस्थान जैसे आईआईटी पटना एआई सकता है।

करियर में संभावनाएं

ग्रेट लर्निंग, अपग्रेड और स्किल शेयर

ये प्लेटफॉर्म्स भारत में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कोर्सेस प्रदान करते हैं, जिनसे आप अपने समय के अनुसार ऑनलाइन अध्ययन कर सकते हैं।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग से करियर में संभावनाएं

एआई के बढ़ते उपयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं नजर आ रही है।

कंटेंट क्रिएटर्स

जो एआई टूल्स का उपयोग करके कंटेंट बनाने में मदद ले सकते हैं।

प्रोग्रामर्स और डेवेलपर्स

एआई सिस्टम्स के लिए प्रभावी प्रॉम्प्ट डिजाइन कर सकते हैं।

बिजनेस एनालिस्ट्स

डेटा एनालिसिस और रिपोर्ट बनाने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सही स्ट्रैटजी है नेट में सफलता का मूल मंत्र

यूजीसी नेट डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं जूनियर रिसर्च फैलो के लिए होने वाली परीक्षा है। हर साल लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं। अच्छी और सही स्ट्रैटजी से तैयारी करने वाले कैंडिडेट्स ही इस परीक्षा में सफल होते हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की वेबसाइट पर 7 नवंबर 2025 तक अभ्यर्थी फॉर्म को भरा सकते हैं। हाल ही इसकी परीक्षा तिथि भी आ गई है, जो कि दिसंबर-जनवरी में ऑनलाइन परीक्षा होगी। आज हम आपको इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही स्ट्रैट्जी और टिप्स के विषय में बताएंगे, जिसे अपनाकर आप इस परीक्षा में सफलता हासिल कर सकते हैं।

परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को समझें

- **परीक्षा पैटर्न :** यूजीसी नेट में दो पेपर होते हैं।
- **पेपर 1 :** यह सभी उम्मीदवारों के लिए सामान्य होता है और इसमें शिक्षण, शोध योग्यता, तर्क क्षमता, डेटा इंटरप्रिटेशन और सामान्य जागरूकता के प्रश्न होते हैं।
- **पेपर 2 :** यह आपके चुने हुए विषय पर आधारित होता है।
- **सिलेबस :** अपने विषय के अनुसार, एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से विस्तृत सिलेबस डाउनलोड कर और प्रत्येक यूनिट को ध्यान से समझें।

टाइम टेबल बनाएं

- **यथार्थवादी लक्ष्य :** अपने सिलेबस को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और दिन, सप्ताह और महीने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें।
- **समय का आवंटन :** पेपर 1 और पेपर 2 दोनों को समान महत्व दें। पेपर 1 की तैयारी रोजाना करें, क्योंकि यह स्कोर बढ़ाने में मदद करता है।

सही अध्ययन सामग्री चुनें

- **मानक पुस्तकें :** अपने विषय के लिए मानक पाठ्यपुस्तकों का चयन करें, जो सिलेबस को अच्छी तरह से कवर करती हों।
- **ऑनलाइन संसाधन :** ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वीडियो लेक्चर और स्टडी मटेरियल का उपयोग करें।
- **सही चयन :** ऑनलाइन समीक्षाएं पढ़ें या टॉपर से सलाह लें कि कौन-सी सामग्री सबसे अच्छी है।

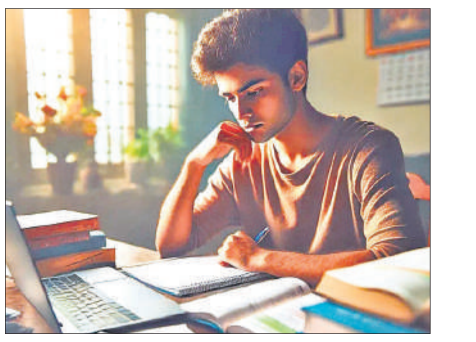

नोट्स बनाएं

- **संक्षिप्त नोट्स :** यूनिट वाइज नोट्स बनाने से आपको कॉन्सेप्ट को बेहतर ढंग से समझने और अंतिम समय में रिवीजन करने में मदद मिलेगी।
- **महत्वपूर्ण बातें :** नोट्स में महत्वपूर्ण तथ्य और परिभाषाएं शामिल करें।

अभ्यास पर ध्यान दें

- **मॉक टेस्ट :** नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें। इससे आपको परीक्षा के माहौल का अनुभव होगा और टाइम मैनेजमेंट में सुधार होगा।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र :** पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र हल करने से आपको प्रश्नों के पैटर्न और महत्वपूर्ण विषयों को समझने में मदद मिलेगी।
- **रिवीजन और विश्लेषण :** डेली रिवीजन : जो भी पढ़ा है, उसका नियमित रूप से रिवीजन करें। इससे सीखी गई बातों को याद रखने में मदद मिलती है।
- **कमजोर क्षेत्रों की पहचान :** मॉक टेस्ट और अभ्यास सत्रों के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करें और कमजोर क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दें।

अपडेट रहें और तनाव से बचें

- **करंट अफेयर्स :** पेपर 1 के लिए, उच्च शिक्षा नीति और हाल के घटनाक्रमों पर अपडेट रहें।
- **स्वस्थ रहें :** नियमित ब्रेक लें, अच्छी नींद लें और शांत रहें। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा होने से आपकी उत्पादकता बनी रहती है।

जॉब अलर्ट

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

- पद का नाम : ग्रामीण डाक सेवक (कार्यकारी)
- पदों की संख्या : 348
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 35 वर्ष
- अंतिम तिथि : 29-10-2025
- वेबसाइट : ippbonline.com

साउथ इंडियन बैंक

- पद का नाम -जूनियर ऑफिसर
- योग्यता - स्नातक
- अंतिम तिथि - 22/10/2025
- वेबसाइट southindianbank.bank.in

प्रसार भारती

- पद का नाम : ब्रॉडकास्ट एग्जीक्यूटिव, कॉपी राइटर और अन्य
- पदों की संख्या : 59
- योग्यता : कोई भी स्नातक, बी.एससी., 12वीं, पीजी डिप्लोमा
- आयु सीमा : 30 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 21-10-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम : 143वां तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई., एम.एससी
- आयु सीमा : 20 से 27 वर्ष
- वेबसाइट : joinindianarmy.nic.in

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी)

- पद का नाम : एनटीपीसी (स्टेशन मास्टर, क्लर्क और अन्य)
- पदों की संख्या : 8,850 (एनटीपीसी स्नातक - 5000
- एनटीपीसी स्नातक - 3050)'
- योग्यता : स्नातक, स्नातक (12वीं पास)
- ऑनलाइन आवेदन की आरंभ तिथि : 28 अक्टूबर
- आवेदन की अंतिम तिथि : 20 नवंबर 2025
- वेबसाइट : rrbcdg.gov.in

कुछ यादें-कुछ बातें

यूनिवर्सिटी में मेरा पहला दिन

लखनऊ विश्वविद्यालय में पहले दिन को मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। उस दिन से मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। बचपन से ही मैं हमेशा कल्पना करती थी कि विश्वविद्यालय का जीवन कैसा होगा? लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि वास्तविकता मेरी कल्पना से कितनी अलग होगी। एक नए शहर में एक बिल्कुल अपरिचित वातावरण में अपनी शिक्षा शुरू करने से मैं बहुत उत्साहित तो थी, लेकिन थोड़ी घबराई हुई भी थी। शुरू में मैं परिसर के आकार ऐतिहासिक इमारतों और छात्रों से भरे जीवंत माहौल को देखकर हैरान थी। हालांकि इतने बड़े बदलाव के बीच होने से मेरी धड़कनें तेज हो गईं। क्या मैं समायोजित हो पाऊंगी? और क्या मुझे अपनी कक्षाओं में कठिनाई होगी? जैसे सवाल मेरे मन में घूमते रहे, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, मुझे एहसास हुआ कि मेरी चिंताएं बेवजह थीं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मुझे न केवल शिक्षा दी, इसने मुझे आत्मविश्वास, दोस्ती और आज़ादी का एहसास भी दिया। यहां छात्र होने की सबसे अच्छी बातों में से एक आजादी का एहसास है। यहां कोई अनिवार्य यूनिफॉर्म नहीं है और इससे मुझे खुद को और सहजता से अभिव्यक्त करने का मौका मिला। शिक्षा जारी रखने में हमारी मदद के लिए जो भी सहयोग मिला, उसने हमें और मजबूत किया। यहां छात्र होने का मतलब सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्ति बनना भी है। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने नए दोस्त बनाने शुरू किए, जो लोग पहले दिन अजनबी लगते थे, वे जल्द ही मेरे सबसे करीबी साथी बन गए। मेरे दोस्तों की दयालुता और हमारे साथ बिताए अच्छे पलों ने इस सफर को और भी सुखद बना दिया। इसके साथ ही मेरे शिक्षकों का सहयोग भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उनकी मुस्कान और मार्गदर्शन मुझे मेरे परिवार की याद दिलाते थे और जब भी मुझे घर की याद आती थी, मुझे सुकून देते थे। इस गर्मजोशी और दोस्ताना माहौल ने विश्वविद्यालय को न केवल अध्ययन का स्थान, बल्कि दूसरा घर बना दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय मुझे सपनों से परे एक जीवन प्रदान करता है। यहां मुझे जो शिक्षा मिलती है, जो दोस्ती मैं बनाती हूं और जो आजादी मैं अनुभव करती हूं, वह मेरे जीवन में हमेशा एक खास जगह रखेगी। पहले दिन जो घबराहट मुझे हुई थी, वह अब आत्मविश्वास और खुशी में बदल गई है। मैं उन सभी का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। मेरा मानना है कि मेरा विश्वविद्यालय जीवन मुझे शक्ति दे रहा है और मुझे भविष्य में और भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार कर रहा है।

अयनाबत हनमेनलियेवा
तुर्किए की छात्रा

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,605.43	25,323.55
बढ़त	575.45	178.05
प्रतिशत में	0.70	0.71

सोना 1,31,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,82,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

ईवी, बैटरी सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ पहुंचा चीन

नई दिल्ली। चीन ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और बैटरी पर दी जा रही सब्सिडी को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय डब्ल्यूटीओ के समक्ष चीन द्वारा रखी विस्तृत प्रस्तुतियों का अध्ययन करेगा। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि चीन ने इसी तरह की याचिकाएं तुर्किये, कनाडा और यूरोपीय संघ के खिलाफ भी दायर की हैं। चीन ने भारत के साथ परामर्श की मांग की है। डब्ल्यूटीओ के नियमों के तहत परामर्श की मांग किसी भी विवाद की समाधान प्रक्रिया का पहला चरण है। यदि परामर्श से समाधान नहीं निकलता है, तो डब्ल्यूटीओ पैनल बनाकर मामले पर फैसला करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकता है।

एक्सिस का लाभ 26% घटकर 5,090 करोड़

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक का चालू वित्त वर्ष की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 26% घटकर 5,089.64 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले साल की इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 6,917.57 करोड़ रुपये था। बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 13,745 करोड़ रही जो पिछले साल की तुलना में 2% अधिक है। एक्सिस की परिचालन आय जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 3% घटकर 10,413 करोड़ रुपये रह गई।

सात्विक ग्रीन को मिले 689.47 करोड़ के ऑर्डर

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी को सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 689.47 करोड़ के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने कहा कि ये ऑर्डर कंपनी और उसकी अनुषंगी सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज प्राइवेट को मिले हैं। कुल 50.62 करोड़ के सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति का ऑर्डर सीधे सात्विक ग्रीन एनर्जी को मिला है। इसे नवंबर, 2025 तक पूरा किया जाएगा। वहीं 638.85 करोड़ के ऑर्डर इसकी अनुषंगी कंपनी सात्विक सोलर को मिले हैं, जिन्हें जून, 2026 तक पूरा किया जाएगा। सात्विक ने घोषणा की कि कई स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों और ईपीसी कंपनियों से सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए कुल 689.47 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।

नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश

मौद्रिक नीति समिति की हुई बैठक में आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने दिए संकेत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ब्याज दरों में अभी और कटौती की गुंजाइश बताते हुए संकेत दिया कि वांछित प्रभाव के लिए इसे उचित समय पर किया जाएगा। आरबीआई ने 1 अक्टूबर को संपन्न हुई एमपीसी बैठक का ब्योरा बुधवार को जारी किया।

बैठक में गवर्नर ने एमपीसी के पांच अन्य सदस्यों के साथ मिलकर रेपो दर को 5.50% पर स्थिर रखने के पक्ष में मतदान किया था। इस बैठक में मल्होत्रा ने कहा था कि पूर्वानुमानों में संशोधन के परिणामस्वरूप सकल और प्रमुख मुद्रास्फीति के लिए अनुकूल दृष्टिकोण वृद्धि को और समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश खोलता है। हालांकि, नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश है, लेकिन मुझे लगता है कि यह इसके लिए उपयुक्त समय नहीं है, क्योंकि इसका वांछित प्रभाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, मैं रेपो दर को 5.50% पर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान करता हूं। बहरहाल, नीति का उद्देश्य वृद्धि को बढ़ाने वाली परिस्थितियों को सुगम बनाना जारी रखना है।

बैठक में एमपीसी सदस्य और आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के मेल ने नीतिगत दरों को और

कम करने की गुंजाइश पैदा की है। मौद्रिक नीति तय करने वाली एमपीसी की अगली बैठक 3 से 5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है। रिजर्व बैंक ने फरवरी से लेकर जून के बीच हुई तीन एमपीसी बैठकों में रेपो दर में कुल मिलाकर 1% की कटौती की थी। उसके बाद अगस्त और अक्टूबर में हुई बैठकों में इसे 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है।

केंद्रीकरण से उत्पन्न जोखिम पर ध्यान देने की जरूरतः स्वामीनाथन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने कहा है कि आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भरता और कुछ ही मंचों तक सेवाओं के केंद्रीकरण से उत्पन्न डिजिटल जोखिमों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो ये वित्तीय प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। स्वामीनाथन ने कहा कि डिजिटल नवोन्मेष भुगतान से आगे बढ़कर समावेश को बढ़ा रहा है। छोटी राशि के बीमा और पेंशन उत्पाद तेजी से डिजिटल मंच के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कम आय वाले परिवारों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने 6 अक्टूबर को डिजिटल नवाचार के माध्यम से वित्तीय समावेश को आगे बढ़ाना विषय पर हुए कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सीमा पार यूपीआई लिंक धन प्रेषण को तेज, सस्ता और अधिक निर्बाध बना रहे हैं, जिससे औपचारिक चैनल में विश्वास मजबूत हो रहा है। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि रिजर्व बैंक में, हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां नवोन्मेष जिम्मेदारी से आगे बढ़ सके। नियामक सैंडबॉक्स, नवोन्मेष केंद्र और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के लिए सक्षम ढांचे जैसे उपायों के जरिये, आरबीआई सुरक्षित, टिकाऊ और ग्राहक-केंद्रित नए समाधानों के विकास को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, हम संचालन, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सुरक्षा पर भी जोर देते हैं, ताकि तकनीकी प्रगति हमेशा वित्तीय प्रणाली में मजबूती और विश्वास के साथ मेल खाए।

महंगाई में नरमी से वृद्धि को गति देने को नीतिगत दर में हो सकती कटौतीः क्रिसिल इंटेलिजेंस

कोलकाता। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर अनुकूल स्थिति के साथ मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीतिगत दर में कटौती कर सकती है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अक्टूबर, 2025 के लिए अपनी रिपोर्ट में यह कहा है। एमपीसी ने 1 अक्टूबर को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के दौरान नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखा और तटस्थ नीतिगत रुख बनाए रखा। रिपोर्ट में कहा गया कि हमारा अनुमान है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति घटकर चालू वित्त वर्ष में 3.2% हो जाएगी, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 4.6% थी। मुद्रास्फीति के स्तर पर अनुकूल स्थिति एमपीसी को वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीतिगत दरों में कटौती करने के लिए प्रेरित कर सकता है। रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की राजकोषीय स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष में केंद्र के राजकोषीय घाटे को पिछले वित्त वर्ष के 4.8% से घटाकर सकल घरेलू उत्पाद के 4.4% तक लाने का लक्ष्य रखा है। सरकार की चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार से 6.77 लाख करोड़ उधार लेने की योजना है, जबकि पहली छमाही में यह 8 लाख करोड़ रुपये थी। कुल मिलाकर, चालू वित्त वर्ष में सकल बाजार उधारी 5% बढ़कर 14.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि व पीएमएफएमई का फायदा उठाएं किसान : सीतारमण

कोप्पल (कर्नाटक), एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रर ने कर्नाटक में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का किया उद्घाटन

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलने के लिए बुधवार को किसानों से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को संगठित क्षेत्र में लाने की योजना पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का पूरा लाभ उठाने की अपील की।

सीतारमण ने कर्नाटक के कोप्पल जिले में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का उद्घाटन करते हुए कहा कि नई पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार ग्रामीण और कृषि समुदायों के लिए भी फायदेमंद होंगे। इस केंद्र की स्थापना सीतारमण के 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि' (एमपीएलएडी) से की गई है। सीतारमण ने बताया कि पीएमएफएमई योजना कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है और उद्यमों को आधुनिक बनाने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित कर गांवों में रोजगार सृजन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष, 2020 से अब तक केंद्र ने राज्यों को 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। किसानों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। एक लाख से अधिक कृषि उद्यमी सामने आए हैं।

वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना के तहत 24,000 करोड़ का बजटीय प्रावधान है। कोप्पल इस योजना से लाभान्वित होने वाले जिलों में से एक है।

भारत ने रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने सितंबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने में 2.5 अरब यूरो खर्च किए, जो अगस्त की तुलना में 14% कम है। यह जानकारी एक यूरोपीय शोध संस्थान ने दी।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत सितंबर में रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। उससे अधिक 5.5 अरब यूरो की खरीद चीन ने की। भारत की रूस से कुल खरीद में कच्चा तेल 77% (2.5 अरब यूरो), कोयला 13% (45.2 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद 10% (34.4 करोड़ यूरो) रहा। सीआरईए ने कहा

- सीआरईए के अनुसार रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा भारत

कि पिछले महीने भारत की रूस से कच्चे तेल की आयात मात्रा 16 लाख बैरल प्रतिदिन थी, जो मासिक आधार पर नौ प्रतिशत कम है। यह इस साल फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर भी रहा। सितंबर में आई इस गिरावट का मुख्य कारण यह है कि सार्वजनिक स्वामित्व वाली तेल रिफाइनरियों ने रूस से आयात करीब 38 प्रतिशत कम कर दिया। यह मई, 2022 के बाद का सबसे कम आयात है। सीआरईए ने कहा कि भारत ने रूस से आयातित तेल का कुछ हिस्सा पेट्रोल और डीजल में बदलकर यूरोप और अन्य जी-सात देशों को निर्यात किया। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लगाने और यूरोप में मांग में कमी के चलते रूस ने अपने कच्चे तेल को भारी छूट पर उपलब्ध कराना शुरू कर दिया था। भारत ने इसका लाभ उठाते हुए रूस से सस्ते तेल का आयात बढ़ाया था। सितंबर में रूस के यूराल्स क्रूड पर ब्रेंट की तुलना में औसतन 5.13 डॉलर प्रति बैरल की भारी छूट रही, जो अगस्त की तुलना में 39% अधिक थी।

निर्यात 6.74% बढ़कर 36.38 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का वस्तु निर्यात सितंबर में 6.74 प्रतिशत बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 16.6 प्रतिशत बढ़ा जिससे व्यापार घाटा बढ़कर 32.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह व्यापार घाटे का एक साल का सबसे ऊंचा स्तर है।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सोना, उर्वरक और चांदी के आयात में वृद्धि से देश का आयात सितंबर में बढ़कर 68.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 58.74 अरब डॉलर था। संचयी रूप से अप्रैल-सितंबर में निर्यात 3.02 प्रतिशत

- आयात 16.6% बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़कर 32.15 अरब डॉलर हुआ
- सोना, चांदी व उर्वरक के आयात में वृद्धि से सितंबर में बढ़कर 68.53 अरब डॉलर पहुंचा

बढ़कर 220.12 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 4.53 प्रतिशत बढ़कर 375.11 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल व्यापार घाटा बढ़कर 154.99 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद भारत का माल एवं सेवा निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निर्यात में वृद्धि के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि घरेलू उद्योग मजबूत रहा है।

अमेरिकी शुल्क का विश्लेषण जारी

राजेश अग्रवाल ने कहा कि वे अपनी आपूर्ति शृंखला और व्यापारिक संबंध बनाए हुए हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि मंत्रालय अलग-अलग सामान के हिसाब से आंकड़ों का विश्लेषण कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभी भी अमेरिका को होने वाला भारत का 45 प्रतिशत निर्यात उच्च शुल्क के दायरे से बाहर है।

मुझे सर नहीं कहें, मैं आपका भाई हूं : मोदी

बिहार विस चुनाव को लेकर नमो एप के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री ने किया ऑनलाइन संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार की एक महिला बूथ कार्यकर्ता से उन्हें 'सर' के बजाय 'भैया' कहकर संबोधित करने को कहा। उन्होंने बताया कि नारी शक्ति उनकी सबसे बड़ी ताकत, ढाल और प्रेरणा है। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि 14 नवंबर को राज्य में चुनाव के नतीजे घोषित होने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत के साथ बिहार एक और दिवाली मनाएगा और यह विजय सुनिश्चित करने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

चुनावी राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नमो एप के माध्यम से ऑनलाइन संवाद करते हुए, मोदी ने राज्य की महिलाओं से समूहों में बाहर निकल कर मतदान

- मोदी ने महिलाओं से मतदान कर लोकतंत्र के त्योहार को मनाने का किया आग्रह

करने, गाने गाकर और थाली बजाकर लोकतंत्र के इस त्योहार को मनाने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि इस बार, बिहार में दो दिवाली होने वाली है। सबसे पहले, लोगों ने जीएसटी के कारण नवरात्रि के पहले दिन दिवाली मनाई। अब, दिवाली 20 अक्टूबर को है, और हम उसे मनाने जा रहे हैं। लेकिन इस बार, बिहार 14 नवंबर को राजग की जीत का जश्न मनाने के मूड में है। इसमें बिहार की बहनें और बेटियां प्रमुख भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति मेरी सबसे बड़ी ताकत, ढाल और प्रेरणा है। उन्होंने बिहार की सभी बहनों और माताओं से अपील की कि वे समूह में वोट डालने जाएं और लोकतंत्र का त्योहार मनाएं। प्रधानमंत्री ने बिहार में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से 23 अक्टूबर को भाई दूज पर अपने बूथ की सभी बहनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने और अपने-अपने क्षेत्रों की लखपति और ड्रोन दीदी को सम्मानित करने के लिए भी कहा। मोदी ने बिहार में कार्यकर्ताओं से केंद्र और बिहार की नीतीश कुमार सरकार द्वारा शुरू की योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर घर जाने को कहा और एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - इससे बनेगी सुशासन की सरकार का नारा दिया। मोदी ने भोजपुरी में कार्यकर्ताओं का अभिवादन करने के बाद कहा कि जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है।

हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं के बारे में मतदाताओं को उनकी ओर से गारंटी देने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार के बूथ कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों के परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के वीडियो भी दिखाने और साझा करने चाहिए।" मोदी ने दावा किया कि आज बिहार का युवा 'जंगल राज' के दौर में क्या हुआ था, उससे अनजान है जब राज्य में नक्सलवाद फैला हुआ था। उन्होंने ज़ोर दिया कि युवाओं को इसके बारे में बताया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शासन के संदर्भ में कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बिहार भर में लगने वाली उन प्रदर्शनियों में युवाओं को ले जाना चाहिए, जिनमें 'जंगल राज' के दौरान हुए अत्याचारों को दिखाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन लोगों को वापस सत्ता में आने का जोखिम नहीं ले सकते जो नक्सलवाद को फिर से सिर उठाने की अनुमति दे सकते हैं। यह बिहार के लोगों के वोटों की शक्ति है जिसने राज्य को राजद और कांग्रेस की बुरी नजरों से बचाया है।

गीतांजलि याचिका में संशोधन कर वांगचुक के हिरासत को देंगी चुनौती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इस बात का संज्ञान लिया कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो याचिका में संशोधन करना चाहती हैं, इसलिए वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने जोधपुर जेल के जेलर के हलफनामे पर गौर किया कि वांगचुक के बड़े भाई और वकील ने बंदी से मुलाकात की थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अनुरोध किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी से कुछ नोट्स के आदान-प्रदान की अनुमति दी जाए। शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के कथन पर गौर किया कि उन्हें बंदी द्वारा अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने से कोई समस्या नहीं है। शीर्ष अदालत ने छह अक्टूबर को केंद्र और लद्दाख को नोटिस जारी किए थे।

हिजाब विवाद के बाद स्कूल खुला, छात्रा रही अनुपस्थित

कोच्चि, एजेंसी

- केरल के शिक्षा मंत्री ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को फिर दोहराया

कोच्चि के पल्लुरुति में चर्च द्वारा संचालित स्कूल छात्रा के हिजाब पहनने को लेकर विवाद के कारण दो दिन बंद रहने के बाद बुधवार को फिर से खुल गया। स्कूल के सूत्रों ने बताया कि आठवीं की छात्रा स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रही। उसके माता-पिता ने उस पर हिजाब पहनने का दबाव डाला था।

विवाद के मद्देनजर सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार और मंगलवार को छुट्टी घोषित कर दी थी। बुधवार सुबह स्कूल में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया और मीडिया कर्मियों को परिसर में जाने की अनुमति नहीं दी गई। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को दोहराया और कहा कि छात्रा हिजाब पहनकर कक्षाओं में तब तक उपस्थित हो सकती है जब तक कि वह और उसके माता-पिता कोई निर्णय नहीं लेते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों के अधिकारों की गारंटी देश और राज्य में संविधान तथा शैक्षिक कानूनों द्वारा दी गई है। हालांकि, स्कूल के अभिभावक शिक्षक संघ (पीटीए) के अध्यक्ष जोशी ने कहा कि उन्हें इस संबंध में सरकार से कोई आदेश नहीं मिला है। यह स्पष्ट नहीं है कि मंत्री सरकार द्वारा संचालित स्कूलों का जिक्र कर रहे थे या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों का।

50 लाख के इनामियों सहित 77 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/सुकमा, (छत्तीसगढ़) एजेंसी

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शिविर में 32 महिलाओं समेत 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं सुकमा में भी कुल 50 लाख रुपये के 16 इनामी नक्सलियों समेत 27 ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

यह घटनाक्रम महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति और 60 अन्य कार्यकर्ताओं के हथियार डालने के बाद हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने 39 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया हैं। इन माओवादियों में पांच डिविजनल कमेटी सदस्य-- प्रसाद ताड़ामी, हीरालाल कोमरा, जुगनू कोवाची, नरसिंह नेताम और नंदे (राजमन मंडावी की पत्नी) हैं। इससे पहले आज दिन में, राज्य के सुकमा जिले में 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जिनमें से 16 पर कुल 50 लाख रुपये का इनाम है।

गढ़चिरौली में 61 ने डाले हथियार

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)। शीर्ष नक्सली वेणुगोपाल ने 60 नक्सलियों के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाल दिया। अधिकारी ने बताया कि भूपति पर 6 करोड़ का इनाम था। नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के समय अपने 54 हथियार भी सौंपे, जिनमें सात एके-47 और नौ इंसास राइफल शामिल हैं। भूपति को प्रभावशाली रणनीतिकारों में से माना जाता है।

सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं

- उच्चतम न्यायालय में केंद्र ने दोषी को फांसी की बजाय घातक इंजेक्शन के इस्तेमाल का नहीं किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि मृत्युदंड की सजा पाए दोषियों को फांसी के बजाय सजा के तौर पर घातक इंजेक्शन लगाने का विकल्प देना 'बहुत व्यावहारिक' नहीं हो सकता। केंद्र की इस टिप्पणी के बाद न्यायालय ने कहा कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें फांसी की सजा पाए दोषियों को फांसी देने के मौजूदा तरीके को कानून से हटाने का अनुरोध था। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि कम से कम एक दोषी को यह विकल्प दिया जाना चाहिए कि वह फांसी चाहता है या घातक इंजेक्शन।

मल्होत्रा ने कहा कि सबसे अच्छा तरीका घातक इंजेक्शन है, क्योंकि अमेरिका के 50 में से 49 राज्यों ने घातक इंजेक्शन को अपना लिया है। घातक इंजेक्शन लगाकर मौत की सजा देना त्वरित, मानवीय और सभ्य है, जबकि फांसी देना क्रूर और बर्बर है, क्योंकि इसमें शव 40 मिनट तक रस्सी पर लटका रहता है। न्यायमूर्ति मेहता ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील को सुझाव दिया कि वह मृत्युदंड की सजा पाए दोषी को विकल्प देने के संबंध में मल्होत्रा के प्रस्ताव पर सरकार को सलाह दें। केंद्र के वकील ने कहा कि इस बात पर ध्यान दिया गया कि यह विकल्प देना व्यावहारिक नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि समस्या यह है कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है, समय के साथ चीजें बदल गई हैं। केंद्र के वकील ने दलील दी कि जवाबी हलफनामे में कहा गया है कि यह नीतिगत फैसला है और सरकार इस पर फैसला ले सकती है।

कैश-फॉर-वोट मामले में एसीबी का बिछाया जाल अवैध : रेड्डी

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा बिछाया गया जाल अवैध था, क्योंकि ऐसा बिना प्राथमिकी दर्ज किए किया गया था। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी को 31 मई 2015 को एसीबी ने उस समय गिरफ्तार किया था, जब वे विधान परिषद चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) उम्मीदवार वेम नरेन्द्र रेड्डी का समर्थन करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को कथित तौर पर 50 लाख रुपये की रिश्वत दे रहे थे। रेड्डी उस समय तेदेपा में थे। रेड्डी के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ के समक्ष दलील दी कि रिश्वत देने वाले के रूप में उनका अभियोजन कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। प्राथमिकी दर्ज होने से पहले ही जाल बिछाया गया। यह जाल गैरकानूनी है क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत प्राथमिकी दर्ज होने से पहले कोई भी जांच शुरू नहीं हो सकती। न तो कोई जनरल डायरी (जीडी) एंट्री थी और न कोई प्राथमिकी।

आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता : भागवत

अहमदाबाद, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता है और अगर लोग यह मंत्र अपनाएं कि मैं सब में हूं और सब मुझमें हैं तो समाज में हिंसा रुक जाएगी। गुजरात दौरे के दूसरे दिन, भागवत गांधीनगर शहर के पास कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र गए और आध्यात्मिक गुरु आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की।

भागवत ने कहा कि मैं हर साल इस जगह आता हूं ताकि अपनी ऊर्जा को पुनः संचारित कर सकूं। संघ की विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया कि व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता की नींव आध्यात्मिकता है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता है। इसलिए मैं उन स्थानों पर जाता हूं जहां मुझे अपने द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा की शिक्षाओं का उल्लेख किया। भागवत ने कहा कि आरएसएस के चल रहे शताब्दी वर्ष में बड़ा आयोजन नहीं होगा क्योंकि हम देश के लिए काम करते हुए 100 साल पूरे करते हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसका जश्न मनाने की कोई जरूरत नहीं है।

स्वर्णिम नंदा

उत्तर भारतीय हिमालयी राज्य उत्तराखंड में नंदा देवी बेस कैंप से नंदा देवी शिखर को सुबह के समय सूरज की किरणों ने ऐसे प्रकाशित किया कि मानो जैसे पूरा पर्वत ही सोने का हो। एजेंसी

इंस्टाग्राम पर पीजी-13 सामग्री तक सीमित रहेंगे बच्चे

- **माता-पिता की अनुमति के बिना सेटिंग भी नहीं बदल सकेंगे**
- **किशोरों का अकाउंट का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग कर रहा मेटा**

वाशिंगटन, एजेंसी

इंस्टाग्राम पर किशोरों की पहुंच अब केवल 'पीजी -13' सामग्री तक ही सीमित होगी और माता-पिता की अनुमति के बिना वे अपनी सेटिंग नहीं बदल पाएंगे। मेटा ने मंगलवार को यह घोषणा की।

मेटा ने मंगलवार को एक 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा कि कठोर भाषा वाली, कुछ जोखिम भरे करतब दिखाने वाली और हानिकारक व्यवहार को संभावित रूप से प्रोत्साहित करने वाली सामग्री को छिपाया जाएगा या

अनुशंसित नहीं किया जाएगा। इंस्टाग्राम पर 18 वर्ष से कम आयु के हर व्यक्ति के 'अकाउंट' की 'सेटिंग' स्वतः ही प्रतिबंधित किशोर 'अकाउंट' के रूप में तब तक रहेगी जब तक कि उसके माता-पिता या अभिभावक उसे इसे हटाने की अनुमति न दे दें। किशोरों के अकाउंट' स्वतः ही निजी होते हैं और उनके उपयोग पर कुछ प्रतिबंध होते हैं तथा उन पर अधिक संवेदनशील सामग्री नजर नहीं आती। बच्चे सोशल मीडिया पर 'साइन अप' करते समय अपनी उम्र के बारे में अक्सर झूठ बोलते हैं। मेटा ने इस तरह के अकाउंट' का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि इस साल की शुरुआत में यह सुविधा शुरू करने के बाद से उसने कितने ऐसे 'अकाउंट' का पता लगाया है कि जिसमें नाबालिगों ने अपनी आयु गलत बताई थी।

मेटा ने पहले ही वादा किया है कि वह किशोरों को आत्म-क्षति, खान-पान संबंधी विकार या आत्महत्या से संबंधित पोस्ट समेत अनुचित सामग्री नहीं दिखाएगा। गैर-लाभकारी संस्था 'फेयरप्ले' के कार्यकारी निदेशक जोश गोलिन ने कहा कि उन्हें इस बात पर बहुत संदेह है कि इसे कैसे लागू किया जाएगा। 'पेरेंट्सटुगेदर' की कार्यकारी निदेशक एलेन अरेंजा ने भी संशय जताते हुए कहा, ''मेटा ने पहले भी कई वादे किए हैं और हमने हर बार देखा है कि पीआर अभियानों में लाखों रुपये बहा दिए जाते हैं जबकि वास्तव में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।

क्या है पीजी 13

पीजी ('पेरेंटल गाइडेंस' यानी अभिभावकीय मार्गदर्शन) -13 तक पहुंच सीमित होने का तात्पर्य है कि किशोर इंस्टाग्राम पर केवल ऐसी तस्वीरें एवं वीडियो देख सकेंगे जो 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त होते हैं और जिनमें अश्लील सामग्री, नशीले पदार्थों का सेवन एवं खतरनाक करतब आदि दिखाने वाली सामग्री नहीं होती।

ब्रीफ न्यूज

चार्ली किर्क अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके करीबी सहयोगी रहे और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। अमेरिका के उटाह प्रांत में एक कॉलेज में 10 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। किर्क को मंगलवार को उनके जन्मदिन पर आयोजित समारोह में मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। यदि वह जीवित होते, तो यह उनका 32वां जन्मदिन होता। किर्क के अमेरिका के प्रशासन के साथ घनिष्ठ संबंध थे।

कैलिफ़ोर्निया में भयंकर तूफ़ान की चेतावनी

लॉस एंजिल्स। दक्षिण-पश्चिम कैलिफोर्निया के बड़े हिस्से में मंगलवार को भयंकर तूफान के कारण भारी बारिश, अचानक बाढ़ और मलबा बहने का खतरा उत्पन्न हो गया। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने लॉस एंजिल्स काउंटी और आसपास के इलाकों में तेज़ तूफ़ान आने की चेतावनी जारी की है।

ऑस्ट्रेलिया में प्रजनन दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में महिला प्रजनन दर लगातार दूसरे साल गिरावट के साथ 2024 में रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गयी। ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में ऑस्ट्रेलिया में कुल प्रजनन दर रिकॉर्ड निचले स्तर 1.481 जन्म प्रति महिला रही। इससे पहले 2023 में यह आंकड़ा प्रति महिला 1.499 जन्म था। एबीएस ने बताया कि 1976 से कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे ही रही है। प्रति महिला लगभग 2.1 बच्चों की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता कहा जाता है।

इंडोनेशियाई शिपयार्ड में विस्फोट, 10 की मौत

बाटम (इंडोनेशिया)। बाटम द्वीप पर एक शिपयार्ड में कच्चे पाम तेल के टैंकर में बुधवार को आग लगने के बाद हुए तेज विस्फोट से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। रियाउ द्वीप प्रांतीय पुलिस प्रमुख असप सफरूद्दीन ने बताया कि जहाज के गैस टैंक में आग उस समय लगी जब मरम्मत कर्मी टैंकर पर मौजूद थे। टैंकर की मरम्मत तंजुंगुनकांग बंदरगाह स्थित शिपयार्ड में चल रही थी। इसमें आग लगने के बाद एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे अन्य श्रमिक घबराकर भाग गए।

हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो की जाएगी जवाबी कार्रवाई : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दी चेतावनी देते हुए हथियार डालने के लिए कहा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी है कि अगर उसने हथियार नहीं हटाए और गाजा पट्टी में रखे सभी 24 बंधकों के अवशेषों को नहीं सौंपा तो उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि मैंने हमास संगठन से बातचीत की और यह पूछा था कि क्या वह हथियार सौंपेगा तो उनकी तरफ से जवाब आया था कि संगठन हथियार डाल देगा। उन्होंने मुझसे यही कहा था और अब या तो वे हथियार डालेंगे या हम उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यह संदेश उनके 'लोगों' के माध्यम से हमास तक पहुंचाया गया था।

इजरायली रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने स्पष्ट रूप से अपने दो शीर्ष सहयोगियों-अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर का हवाला दिया था। ट्रंप की स्वीकृति से विटकॉफ और कुशनर ने पिछले सप्ताह शर्म अल-शेख में हमास के शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हमास गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते का पालन करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो उसे (हमास) को ही जवाबदेह ठहराया जाएगा। अमेरिकी मध्यस्थता वाला युद्धविराम समझौता शुक्रवार को लागू हुआ और हमास ने समझौते की शर्तों के अनुसार सोमवार को सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया। यह समझौता तब गतिरोध में आ गया जब आतंकवादी समूह ने 28 मृत बंधकों के अवशेषों को वापस नहीं भेजा, बल्कि सोमवार को चार बंधकों के अवशेषों को सौंपा। संगठन ने बताया कि गाजा में मलबे से उसे उनके स्थान का पता नहीं है।

फाइल फोटो

इजराइल ने चिकित्सा कर्मियों को रिहा किया

काहिरा। इजराइल ने अस्पतालों पर किए हमलों के दौरान गिरफ्तार दर्जनों डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स और अन्य मेडिकल कर्मियों को 'गाजा युद्धविराम संधि' के तहत रिहा कर दिया है। हालांकि, 100 से अधिक चिकित्सा कर्मी अभी भी इजराइली जेलों में बंद हैं, जिनमें कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक डॉ. हुसाम अबू सफिया भी शामिल हैं, जो इजराइली घेराबंदी और बमबारी के बीच मरीजों का इलाज जारी रखने के लिए सुर्खियों में रहे थे। व्यापक स्तर पर उनकी रिहाई की मांगों के बावजूद, अबू सफिया उन सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों में नहीं थे जिन्हें हमास द्वारा पकड़े गए 20 बंधकों के बदले सोमवार को रिहा किया गया। गाजा के उत्तरी भाग में कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक अबू सफिया को लगभग 10 महीने से बिना किसी आरोप के इजराइल ने हिरासत में रखा है। स्वास्थ्य कर्मियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले संगठन 'हेल्थ वर्कर्स वॉच' ने बताया कि 31 डॉक्टर और नर्स सहित 55 चिकित्सा कर्मी सोमवार को रिहा किए जाने वाले कैदियों की सूची में थे।

चार में एक शव बंधक का नहीं : इजराइल

तेल अवीव। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि संघर्ष विराम समझौते के तहत हमास द्वारा एक दिन पहले सौंपे गए शवों में से एक शव गाजा में बंधक बनाकर रखे गए व्यक्ति का नहीं है। नाजुक युद्ध विराम समझौते पर दबाव कम करने के लिए हमास ने मंगलवार को चार शव सौंपे। इससे पहले सोमवार को चार शव सौंपे गए थे जब शेष 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया था। कुल मिलाकर, इजराइल 28 मृत बंधकों के शवों की वापसी का इंतजार कर रहा है। इसी बीच इजराइलियों ने सोमवार को इजराइल-हमास संघर्ष विराम के पहले चरण के तहत गाजा में रखे गए अंतिम 20 जीवित बंधकों की वापसी का जश्न मनाया। सेना ने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन में जांच पूरी होने के बाद, हमास द्वारा इजराइल को सौंपा गया चौथा शव किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता है।

अमेरिका में 15 अरब डॉलर की धोखाधड़ी का पर्दाफाश

न्यूयॉर्क। अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) एजेंसी ने अब तक के सबसे बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले का पर्दाफाश किया है। अमेरिकी विधि मंत्रालय के अनुसार, यह वित्तीय धोखाधड़ी 15 अरब डॉलर की है, जो ऑनलाइन धोखाधड़ी, धन शोधन और लोगों को बंधक बनाकर हुई थी। विधि मंत्रालय के अनुसार संघीय अदालत में बुधवार को प्रिंस होल्डिंग ग्रुप के मालिक ब्रिटिश और कंबोडियाई नागरिक चेन झी उर्फ विंसेंट के खिलाफ धन शोधन षड्यंत्र, धोखाधड़ी और लोगों को अपनी कंपनी में जबरदस्ती बंधक बनाने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

मेडागास्कर में सैन्य अधिकारी का राष्ट्रपति बनने का दावा

- **रैंड्रियनिरीना बोले- हमें जिम्मेदारी लेनी पड़ी, देश में सरकार नहीं है**

एंटानानारिवो, एजेंसी

मेडागास्कर में तख्तापलट करने वाले सैन्य अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि वह जल्द ही राष्ट्रपति का पद भार संभाल लेंगे। सैन्य तख्तापलट की अगुवाई करने वाले कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वह मेडागास्कर के नए नेता के रूप में शपथ ले लेंगे।

सैनिकों के विद्रोह के कारण राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना देश छोड़कर चले गए हैं। रैंड्रियनिरिना ने घोषणा की थी कि सशस्त्र बल मेडागास्कर में सत्ता अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे राजोएलिना और उनकी सरकार के खिलाफ मुख्य रूप से युवा समूहों द्वारा कई सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शन का अंत हो गया। रैंड्रियनिरिना ने कहा कि देश के उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें राजोएलिना की अनुपस्थिति में राष्ट्राध्यक्ष के रूप में यह पदभार ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद वह शपथ ग्रहण के लिए तैयार हैं। रैंड्रियनिरीना ने कहा कि हमें कल जिम्मेदारी लेनी पड़ी क्योंकि देश में न राष्ट्रपति हैं, न सीनेट के अध्यक्ष और न ही सरकार। नया सैन्य नेतृत्व शीघ्र प्रधानमंत्री की नियुक्ति करेगा।

पाकिस्तान ने की अफगानिस्तान से 48 घंटे संघर्ष विराम की घोषणा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान के साथ 48 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब दोनों देशों के बीच सीमा पर संघर्ष में दोनों ओर से कई लोग मारे गए हैं।

'डॉन' अखबार ने विदेश कार्यालय के हवाले से कहा है कि तालिबान के अनुरोध पर दोनों पक्षों की आपसी सहमति से बुधवार शाम छह बजे से अगले 48 घंटों के लिए पाकिस्तान सरकार और अफगान तालिबान शासन के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम का फैसला किया गया है। विदेश कार्यालय के अनुसार इस अवधि के दौरान, दोनों पक्ष रचनात्मक बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे का सकारात्मक समाधान खोजने के लिए गंभीर प्रयास करेंगे। अफगानिस्तान सरकार की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

पाकिस्तान को पुनर्विचार की जरूरत: अफरीदी

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी ने पाकिस्तान सरकार से अफगानिस्तान के प्रति अपनी नीति की समीक्षा करने का आग्रह किया है। अफरीदी ने प्रांतीय विधानसभा सत्र में अपने संबोधन में अफ़ग़ानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं अपनी सरकार और सेना से अफगानिस्तान के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने का आग्रह करता हूं।

ट्रंप-जेलेंस्की वार्ता से पहले हथियार निर्माताओं से मिले यूक्रेनी अधिकारी

- **अमेरिका से क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौतों की मांग कर रहा यूक्रेन**

कीव, यूक्रेन, एजेंसी

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की इस सप्ताह के अंत में व्हाइट हाउस में अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली मुलाकात से पहले यूक्रेनी सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के प्रमुख हथियार निर्माताओं से मुलाकात की है। यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के कार्यालय के प्रमुख आंद्री येरमक और प्रधानमंत्री यूलिया स्विडेंको के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। येरमक ने यह जानकारी टेलीग्राम पोस्ट में दी। येरमक ने यह खुलासा नहीं किया कि वार्ता के दौरान क्या चर्चा हुई, लेकिन कहा कि दोनों कंपनियों के साथ उनके देश का सहयोग बढ़ता जा रहा है क्योंकि यूक्रेन रूस के पूर्ण युद्ध का प्रतिरोध करने के लिए और मदद की उम्मीद कर रहा है। यह युद्ध 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुआ था। येरमक के एक वरिष्ठ सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने एक्स पर पोस्ट किया कि यूक्रेन अमेरिका से क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौतों की मांग कर रहा है। रेथियॉन कंपनी पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां रूसी लंबी दूरी के हमलों का मुकाबला करने के यूक्रेनी प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण रही हैं और टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें बनाती है। कीव के अधिकारी टॉमहॉक्स प्राप्त करने के इच्छुक हैं, जिससे यूक्रेन को रूस पर हमला करने में सहायता मिलेगी।

आईपीएस का 8 दिन बाद अंतिम संस्कार

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार द्वारा आत्महत्या किए जाने के आठ दिन बाद बुधवार को उनका अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले कुमार के शव का पीजीआईएमईआर में पोस्टमार्टम कराया गया। उनकी पत्नी ने मामले की निष्पक्ष जांच की उम्मीद जताई है ताकि मामले में न्याय हो सके।

सेक्टर 25 स्थित श्मशान घाट पर कुमार की वर्दी और टोपी को कुछ समय के लिए उनके पार्थिव शरीर पर रखा गया, उसके बाद उनकी चिता को मुखाग्नि दी गई। अंतिम संस्कार से पहले कुमार की पत्नी और आईएएस अमनीत पी. कुमार और उनकी दो बेटियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस की टुकड़ी ने दिवंगत आईपीएस अधिकारी को बंदूकों की सलामी दी। अंतिम संस्कार में नेता, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह और हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सुमिता मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। वहीं, मांगों को लेकर पोस्टमार्टम और दाह संस्कार पर कई दिनों तक विरोध दर्ज कराने के बाद मृतक अधिकारी के परिवार ने अंततः पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी। दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने कहा कि पुलिस से निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिलने तथा सरकार द्वारा दोषी अधिकारी पर कार्रवाई की प्रतिबद्धता जताए जाने के मद्देनजर उन्होंने दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार के पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी।

एएसआई संदीप के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आत्महत्या करने वाले सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) संदीप कुमार के परिवार से बुधवार को मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। सैनी ने परिवार को आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। एएसआई कुमार ने मंगलवार को रोहतक जिले में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। एएसआई ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के दिवंगत अधिकारी वाई पूरण कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए छह मिनट का कथित वीडियो और एक सुसाइड नोट छोड़ा था। रोहतक में साइबर प्रकोष्ठ में तैनात एएसआई कुमार का शव लाढौत-धामर रोड स्थित उनके रिश्तेदार के खेत में बने कमरे की ऊपरी मंजिल से बरामद किया गया था।

दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी को कानून लाएगी केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा व गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच एक कानून तैयार कर रही है। इसका मकसद चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों का नियमन और औषधि गुणवत्ता परीक्षण व बाजार निगरानी को मजबूत बनाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) समेत दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों ने भारतीय दवा की गुणवत्ता में गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें की हैं और चिंताएं जताई हैं, जो इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव रघुवंशी ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक में औषधि, चिकित्सा उपकरण एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025 का मसौदा प्रस्तुत किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 10.35 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

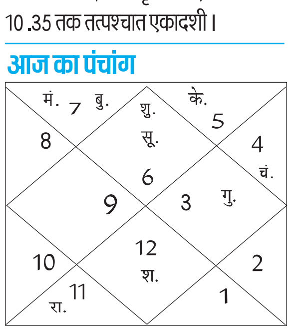

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 12.42 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आ सकती है। बच्चों पर अपनी मर्जी और इच्छाओं को न थोपें। विरोधियों के निशाने में आ सकते हैं। प्रेमीजन के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

वृष — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। सहकर्मी आपकी सफलता से ईर्ष्या कर सकते हैं। अधिकारी वर्ग का विश्वास आपके ऊपर बढ़ेगा। परिवार में सुख और शान्ति का वातावरण रहेगा।

मिथुन — आज दांपत्य जीवन में सामंजस्य बेहतरीन रहेगा। मीडिया से जुड़े लोगों को बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में आय बढ़ने से उत्साहित होंगे।

कर्क — आज पैतृक संपत्ति के मामले सुलझने की संभावना हैं। आपके काम की गति कुछ धीमी रहेगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपका सहयोग कर सकते हैं। किन्तु आप वर्तमान स्थिति को लेकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज आपको कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज आपको अच्छे मौके मिल सकते हैं। जीवनसाथी से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। युवा प्रेमी जोड़े आज एकांत में समय बिताना चाहेंगे। ससुराल पक्ष में कोई आयोजन हो सकता है।

कन्या — आज स्वजन ही आपका विरोध कर सकते हैं। दांपत्य संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। पुरानी नकारात्मक बातें आपके वर्तमान पर हावी हो सकती हैं। आज अच्छे लोगों के साथ समय बितायें। कार्यक्षेत्र में आपका किसी के साथ झगड़ा हो सकता है।

तुला — आज आपकी मानसिक मजबूत रहेगी। सभी काम आराम से समय पर हो जायेंगे। अधिक सोच-विचार में अपना समय बर्बाद न करें। कारोबार में वृद्धि हो सकती है। आपका स्वास्थ्य भी काफी अच्छा रहेगा। शुभ कार्यों पर आप अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल स्थानान्तरण हो सकता है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहने वाला है। आज आप कुछ नया आरम्भ करने का प्रयास करेंगे। उलझे हुए मामलों को अपने पक्ष में कर लेंगे। महत्वपूर्ण लोगों के साथ गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

धनु — आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। छात्रों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। धैर्यपूर्वक लिए गए निर्णयों से लाभ मिलेगा। अधूरे कार्यों को पूरा करने का दबाव रहेगा। घर के बुजुर्गों के साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखें।

मकर — आज जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकते हैं। इसीलिए आपको अपना व्यवहार नम्र रखना चाहिए। बजट की कमी के कारण आपके काम तय समय पर पूरे नहीं होंगे। किसी सहयोगी व्यक्ति से विश्वासघात हो सकता है। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से दूर रहें।

कुंभ — आज परिवार में कुछ मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन सुखद है। घर में साज-सजावट शुरू करेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। परिजनों के साथ घूमने के लिये जा सकते हैं। प्रेमीजन को प्रपोज करने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

मीन — आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। व्यापार में आपको काफी अच्छा लाभ मिलेगा। मित्रों की सलाह आज आपके काम आयेगी। शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता होगी।

सुडोकू -131

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6							2
9		1				8		
		2			1			
		5			6		3	
	7				8		2	
	1					6		
1			6			9		
8						2		6
4					2		7	

सुडोकू - 130 का हल

1	9	3	8	5	6	7	4	2
6	5	8	4	7	2	9	1	3
2	4	7	9	1	3	5	6	8
9	1	4	3	8	5	2	7	6
8	2	6	7	4	1	3	9	5
7	3	5	2	6	9	1	8	4
5	6	9	1	3	8	4	2	7
3	7	1	6	2	4	8	5	9
4	8	2	5	9	7	6	3	1

वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने जो भी विकेट लिया वह उन्हें पांच विकेट जैसा लगा क्योंकि पिच गेंदबाजों के लिए अनुकूल नहीं थी। मैं इस तरह का प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करूंगा, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप है।

–मोहम्मद सिराज

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर नगर, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

हाईलाइट

कुलदीप यादव करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर

दुबई : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की। कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमश: दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर 66वें स्थान पर) और जॉन कैम्पबेल (छह स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को फायदा हुआ है।

गुवाहाटी का मुकाबला होगा रोमांचक : अश्विन

चेन्नई : रविचंद्रन अश्विन ने देश में अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में होने वाला टेस्ट मैच परिस्थितियों से अनभिज्ञ होने के कारण दोनों टीमों के लिए विदेश में होने वाला मैच जैसा हो सकता है। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा, जब यह 22 से 26 नवंबर तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। अश्विन ने कहा कि वह इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी इस मैदान पर लाल गेंद का मैच नहीं खेला होगा। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल पर कहादक्षिण अफ्रीका चैंपियन के रूप में भारत आ रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसका स्पिन विभाग बहुत मजबूत है।

आंध्र प्रदेश के बल्लेबाज शिकर भरत और शेख रसीद। एजेंसी

रणजी ट्रॉफीः ग्रीनपार्क में आंध्र प्रदेश ने पहले दिन ही कसा शिकंजा

- **शिकर भरत ने 142 रनों की शतकीय पारी खेली, शेख रसीद नाबाद 94 रन पर खेल रहे**
- **रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ तीन विकेट खोकर 289 रन बना लिए**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज शिकर भरत की 142 रनों की शतकीय पारी और शेख रसीद के नाबाद 94 रनों की बदौलत आंध्र प्रदेश ने पहले दिन ही मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ग्रीनपार्क स्टेडियम में बुधवार से शुरू हुई रणजी ट्रॉफी में मेजबान यूपी के खिलाफ पहले दिन का खेल खत्म होने तक 85.5 ओवर में तीन विकेट पर 289 रन बनाए।

विकेट पर शेख रसीद 197 गेंदों में आठ चौकों की मदद से नाबाद 94 रन बनाकर डटे हैं। यूपी के गेंदबाज अपने कई दिन के अभ्यास का कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। आकिब खान ने अंतिम सत्र में दो व विप्रज निगम ने एक विकेट झटका।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में बुधवार सुबह शुरू हुए सत्र के पहले रणजी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कप्तान का यह निर्णय कारगर भी साबित हुआ। टीम के ओपनर अभिषेक रेड्डी और शिखर भरत ने रन बटोरते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़कर अच्छी मजबूती दी। वहीं तेज गेंदबाजों के निराश करने पर विप्रज निगम ने टीम को 25.3 ओवर में अभिषेक को विकेटकीपर आर्यन जुयाल के हाथों कैच लपकवाकर पहली सफलता दिलाई। अभिषेक 73 गेंदों में चार चौके लगाकर 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

पहले पायदान पर उतरे शेख रसीद ने शिकर भरत का पूरा साथ देते हुए दूसरे विकेट के लिए 194 रनों की साझेदारी की। इस समय टीम का स्कोर ठीक था। इसी बीच शिखर ने अपना शतक पूरा किया, वहीं रसीद ने भी अर्धशतक जड़ा। मैच के आखिरी सत्र के 85.2 ओवर में आकिब खान ने शिकर को माधव कौशिक के हाथों कैच दिलाकर टीम को सफलता दिलाई। शिकर ने 244 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 142 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसी दौरान ओवर की पांचवीं गेंद खेलते आकिब खान ने आंध्र प्रदेश के कप्तान रिकी भुई को दो रनों पर क्लीन बोल्ड कर तीसरा झटका दिया। रिकी भुई का विकेट गिरने के बाद दिन का खेल यहीं पर रोक दिया गया। विकेट के दूसरे छोर पर शेख रसीद अपने शतक की ओर से बढ़ रहे हैं। पहले दिन यूपी के गेंदबाज कमाल नहीं दिखा सके। विप्रज निगम ने एक और आकिब खान ने दो विकेट हासिल किए।

पीठ में अकड़न के कारण दुबे मैच से बाहर

श्रीनगर : ऑलराउंडर शिवम दुबे को पीठ में अकड़न के कारण जम्मू और कश्मीर के खिलाफ सीजन के पहले मैच से ठीक पहले मुंबई की रणजी ट्रॉफी 2025-26 टीम से बाहर हो गए हैं। दुबे मंगलवार शाम को श्रीनगर से मुंबई के लिए घर लौट गए हैं। माना जा रहा है कि यह कदम एहतियातन उठाया गया है। वह भारत की उस टी20 टीम का भी हिस्सा हैं जो पांच मैचों की सीरीज के लिए 23 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने वाली है। दुबे का 2025 एशिया कप शानदार रहा था। उस टूर्नामेंट में कप्तान ने उनका इस्तेमाल किया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गिल की होगी असली परीक्षा

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा-कप्तान शुभमन ने अभी कठिन चुनौतियों का सामना नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद, शुभमन गिल अब सबसे कठिन प्रतिद्वंद्विता के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी घरेलू धरती पर अपनी पहली एकदिवसीय सीरीज में भारत की कप्तानी संभालेंगे। यहीं पर कप्तान की असली परीक्षा होगी।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गिल की कप्तानी यात्रा पर विचार किया और दबाव में उनके धैर्य और नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। विशेष बातचीत में भारतीय कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की कप्तानी पर अपने विचार साझा करते हुए कहा अभी तो शुरुआत है-उन्होंने अभी तक केवल कुछ ही टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। मुझे उनका सबसे महत्वपूर्ण गुण दबाव और कठिन परिस्थितियों को संभालने की उनकी क्षमता दिखाई देती है। गिल अभी भी बहुत आगे बढ़ रहे हैं; उन्होंने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है, जो निश्चित रूप से आएंगे। गंभीर ने कहा यह व्यक्तिगत रूप से और एक कप्तान के रूप में उनकी परीक्षा लेगा और मैं देखना चाहता हूँ कि जब चीज़ें उनके अनुकूल नहीं होतीं, तो वह कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं हमेशा उनका समर्थन और सुरक्षा करने के लिए मौजूद हूं। एक कोच के रूप में मेरी भूमिका उनके कंधों से दबाव और आलोचना को कम करना है, बशर्ते वह टीम के लिए सही काम करें और ड्रेसिंग रूम के अंदर खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी और ईमानदार रहें। यही सम्मान अर्जित करने का आधार है। अब तक, वह बिल्कुल शानदार रहे हैं-पारदर्शी, स्पष्टवादी, मेहनती और सही काम करने पर केंद्रित। एक कोच उस कप्तान से और क्या उम्मीद कर सकता है जो अपना सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार हो? शुभमन गिल के कप्तान के रूप में शुरुआती दिनों और टेस्ट कप्तानी के शुरुआती दौर में उनके सामने आई अपार चुनौतियों के बारे में गंभीर ने कहा मुझे कप्तान के रूप में उनके साथ हुई पहली बातचीत अच्छी तरह याद है। हमने उनसे साफ-साफ कहा था कि हमने उन्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया है-या तो वह डूब जाएँगे या विश्वस्तरीय तैराक बन जाएंगे। इंग्लैंड में बनाए गए वो 750 रन? मेरे लिए उनका कोई खास महत्व नहीं था; सबसे ज्यादा मायने यह रखता था कि वह दबाव में खुद को कैसे संभालता है।

कोहली और रोहित सहित भारतीय टीम का पहला बैच ऑस्ट्रेलिया रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी : स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित भारतीय टीम का पहला बैच बुधवार को यहां से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया जहां उसे 19 अक्टूबर से तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। कोहली और रोहित के साथ टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य भी ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। यह ग्रुप सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां कुछ प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए प्रवेश द्वार के बाहर कतार में खड़े थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के कुछ अन्य सदस्य शाम को रवाना होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद अगले दो मैच एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला खेली जाएगी और इस प्रारूप के विशेषज्ञ 22 अक्टूबर को रवाना होंगे। टी20 शृंखला 29 अक्टूबर से शुरू होगी। वनडे शृंखला में सभी की निगाह रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। इन दोनों के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। यह दोनों खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट शृंखला में 2-0 की जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों आगामी शृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में इन दोनों के खेलने की संभावनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा। गंभीर ने शृंखला के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, वनडे विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत ज़रूरी है। ज़ाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काफ़ी उपयोगी साबित होगा।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए कोहली-रोहित को देखना यादगार होगा

सिडनी : आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ रविवार से पर्थ में शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज विशेष है क्योंकि यह आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते हुए देखने का आखिरी मौका हो सकता है। पीठ की चोट से जूझ रहे 32 वर्षीय कमिंस इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

कमिंस ने कहा विराट और रोहित पिछले 15 वर्षों से लगभग हर भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रेमियों के लिए उन्हें यहां खेलते हुए देखने का यह आखिरी मौका हो सकता है। उन्होंने कहा वे निश्चित रूप से भारत के लिए खेल के चैंपियन रहे हैं और उन्हें हमेशा अच्छा समर्थन मिलता है। जब भी हम उनके खिलाफ खेलते हैं, दर्शक पूरे जोश में रहते हैं। इस शीर्ष तेज गेंदबाज ने कहा कि वह इस सीरीज में नहीं खेल पाने से वह काफी निराश हैं जिसमें एडिलेड और सिडनी में भी मैच होंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंजराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी।

बारिश के कारण इंग्लैंड और पाकिस्तान का मैच रद्द

बारिश होने पर इंग्लैंड की खिलाड़ी मैदान छोड़कर जाती हुईं। एजेंसी

कोलंबो, एजेंसी

पाकिस्तान के पास इंग्लैंड पर पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका था, लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण उसे आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बुधवार को चार बार की चैंपियन टीम के साथ अंक बांटने पड़े।

कप्तान फातिमा सना के चार विकेट की मदद से पाकिस्तान ने पिच से मिल रही उछाल और मूवमेंट का फायदा उठाते हुए इंग्लैंड को बारिश के कारण प्रति टीम 31 ओवर के मैच में नौ विकेट पर 133 रन पर रोक दिया था। जवाब में डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पाकिस्तान को 113 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (नौ) और ओमाइमा सोहेल (19) ने अच्छी शुरुआत करते हुए 6.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 34 रन बना लिए थे। बारिश रुकती नहीं देखकर मैच आखिर में रद्द कर दिया गया जिससे पाकिस्तान की सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने की उम्मीदों पर भी लगभग पानी फिर गया। पाकिस्तान टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सका है और तीन हार के बाद तालिका में सबसे नीचे है। उसके पास एकमात्र अंक है और अब उसे न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका से खेलना है। दूसरी ओर इंग्लैंड सात अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
ऑस्ट्रेलिया	4	3	0	1	7	1.353
द.अफ्रीका	4	3	1	0	6	-0.618
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	4	1	2	1	3	-0.245
बांग्लादेश	4	1	3	0	2	-0.263
श्रीलंका	4	0	2	2	2	-1.526
पाकिस्तान	4	0	3	1	1	-1.887

भारतीय महिला टीम पर जुर्माना

विशाखापत्तनम : भारतीय महिला टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

रविवार को विशाखापत्तनम में आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को तीन विकेट से हराया। भारत को अब रविवार को इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो वाले मुकाबले में उतरना है। आईसीसी ने एक बयान में कहा एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की मिशेल पेरेरा ने यह जुर्माना लगाया क्योंकि भारत ने निर्धारित समय में एक ओवर कम किया था। इस कारण जुर्माना लगाया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

- **महिला विश्व कप की तालिका में शीर्ष पर चल रही है ऑस्ट्रेलिया**

विशाखापत्तनम, एजेंसी

अब तक प्रत्येक मैच में दबदबा बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके महिला वनडे विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

ऑस्ट्रेलिया चार मैचों में तीन जीत और कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द किए गए मैच में अंक बांटने के बाद सात अंक लेकर विश्व कप तालिका में शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में भारत के खिलाफ पिछले मैच में जीत हासिल करने के बाद उतरेगी। यदि प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया के फॉर्म को लेकर कोई संदेह था तो एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने महिला वनडे में विश्व रिकॉर्ड बनाकर इस संदेह को दूर कर दिया तथा इस प्रारूप में संभावित आठवीं खिताबी जीत की अपनी मंशा जाहिर कर दी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 331 रन का लक्ष्य रखा था। हीली ने 102 गेंदों पर 21 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 142 रन की आक्रामक पारी खेली, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एक ओवर शेष रहते सात विकेट पर 331 रन बना लिए।

इंग्लैंड ने विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाई

- **पुर्तगाल को हंगरी के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल गंवाने के कारण करना होगा इंतजार**

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला यूरोप का पहला देश बन गया है, लेकिन क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल को हंगरी के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल गंवाने के कारण अपना टिकट बुक करने के लिए इंतजार करना होगा।

इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 से जीत हासिल की, जिसमें कप्तान हैरी केन ने पहले हाफ में दो गोल किए। इससे इंग्लैंड ने दो मैच शेष रहते अपने ग्रुप में पहला स्थान पक्का कर लिया। इंग्लैंड इस तरह से लगातार आठवें विश्व कप में भाग लेगा। इंग्लैंड की टीम ने जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में अब तक क्वालीफाइंग के छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल ने बनाई बढ़त

लिस्बन में खेले गए मैच में 40 वर्षीय रोनाल्डो के दो गोल की बदौलत पुर्तगाल ने हंगरी पर 2-1 की बढ़त बना ली थी और वह अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया था। इस मैच में जीत से पुर्तगाल का अपने ग्रुप में पहला स्थान पक्का हो जाता, लेकिन डोमिनिक सोबोस्ज़लाई ने इंजरी टाइम के पहले मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। इससे रोनाल्डो और पुर्तगाल का विश्व कप में जगह सुरक्षित करने का इंतजार बढ़ गया।

हंगरी के खिलाफ गोल करने के बाद जश्न मनाते क्रिस्टियानो रोनाल्डो। एजेंसी

खुशखबरी कार्यकारी बोर्ड ने की सिफारिश, अंतिम फैसला 26 नवंबर को आम सभा की बैठक में लिया जाएगा

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल का मेजबान बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद के नाम की सिफारिश की जिससे भारत में दो दशक के बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की वापसी का रास्ता साफ हो रहा है। मेजबानी पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को राष्ट्रमंडल खेल की आम सभा की बैठक में लिया जाएगा। इससे पहले सिफारिश को राष्ट्रमंडल खेल के सभी सदस्यों के पास भेजा जाएगा।

खेलों की मेजबानी का अधिकार प्राप्त करना भारत के लिए 2036 में अहमदाबाद में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण होगा। भारत को नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था लेकिन राष्ट्रमंडल खेल ने भविष्य के खेलों के लिए इस अफ्रीकी देश की मेजबानी की महत्वाकांक्षाओं को 'समर्थन और गति प्रदान करने के लिए एक रणनीति विकसित करने' का निर्णय लिया है जिसमें 2034 खेलों की मेजबानी पर विचार भी शामिल है।

राष्ट्रमंडल खेल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में भारत के अहमदाबाद की सिफारिश करेगा। अहमदाबाद का नाम अब राष्ट्रमंडल खेलों के सभी सदस्यों के पास भेजा जाएगा जिस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल महासभा में लिया जाएगा। यह सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की देखरेख में चली प्रक्रिया के बाद की गई है। इसमें 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, संचालन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ संरेखण' के आधार पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया गया।

विज्ञप्ति में कहा गया भारत के अहमदाबाद और नाइजीरिया के अबुजा दोनों ने आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जो राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन की महत्वाकांक्षा और क्षमता को दर्शाते हैं। भारत ने 2010 के सत्र की मेजबानी नयी दिल्ली में की थी। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव 'प्रेरक' लगे लेकिन अंततः 2030 के लिए अहमदाबाद को चुना गया। उन्होंने कहा, ''कार्यकारी बोर्ड ने मूल्यांकन समिति के निष्कर्षों पर ध्यानपूर्वक विचार किया है और हमारे सदस्यों के लिए अहमदाबाद की सिफारिश कर रहा है और अब हम ग्लासगो में होने वाली आम सभा की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां हमारे सदस्य अंतिम निर्णय लेंगे।

रुकारे ने कहा, बोर्ड नाइजीरिया के प्रस्ताव की दूरदर्शिता और महत्वाकांक्षा से प्रभावित है और भविष्य में मेजबानी के अवसरों की तलाश के लिए उनकी टीम के साथ काम करना जारी रखने की हमारी प्रतिबद्धता से सहमत है। यह निर्णय राष्ट्रमंडल खेलों को अफ्रीकी महाद्वीप तक ले जाने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

भारत के लिए सम्मान की बात : पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ (भारत) की प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना भारत के लिए असाधारण सम्मान होगा। उन्होंने कहा ये खेल ना केवल भारत की विश्वस्तरीय खेल और आयोजन क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे बल्कि विकसित भारत 2047 की ओर हमारी राष्ट्रीय यात्रा में भी एक सार्थक भूमिका निभाएंगे। उषा ने कहा हम 2030 के खेलों को अपने युवाओं को प्रेरित करने, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूत करने और राष्ट्रमंडल में साझा भविष्य में योगदान देने के एक सशक्त अवसर के रूप में देखते हैं। अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी की थी।